नई दिल्ली

रविवार 23 मार्च 2025

चैत्र मास कृष्ण पक्ष,
नवमी वर्ष : 28, अंक : 342
पृष्ठ 12 मूल्य 2 .00

मौसम
अधि. 32.0
न्यून. 17.6

haribhoomi.com

हरिभूमि

दिल्ली, हरियाणा, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

9 आईपीएल : नए नियम और नए कप्तान बदलेंगे मैचों का रुख, 7 टीमों में नए खिलाड़ी पर भरोसा

चोरी के मोबाइल और आईपैड खरीदने वाला दबोचा

नई दिल्ली। क्राइम ब्रांच ने चोरी के मोबाइल और आईपैड खरीदने वाले शख्स को गिरफ्तार किया है। मोहम्मद दानिश के पास से 20 एप्पल मोबाइल फोन, 9 आईपैड के साथ चोरी की गई अन्य वस्तुएं भी बरामद हुई है। पुलिस इसके नेटवर्क को खंगालने में जुटी है। उम्मीद है कि जल्द ही कुछ और गिरफ्तारियां होगी। डीसीपी विक्रम सिंह ने बताया कि 19 मार्च को एएसआई दीपक को कबीर नगर में रहने वाले मोहम्मद दानिश के बारे में जानकारी मिली थी। पता चला कि दानिश चोरी के मोबाइल फोन और आईपैड खरीदने में शामिल है। एक टीम गठित की गई और मौजपुर चौक गली नंबर 1, कबीर नगर से मोहम्मद दानिश को पकड़ लिया। रैकेट में शामिल अन्य लोगों की पहचान करने और उन्हें पकड़ने के लिए आगे की जांच चल रही है।

इलाके में तनाव का माहौल, फोर्स की गई तैनात

भारत नगर में दो परिवारों में खूनी संघर्ष, एक की मौत, कई घायल

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

नॉर्थ वेस्ट डिस्ट्रिक्ट के भारत नगर क्षेत्र में मामूली विवाद में दो पड़ोसियों के बीच जमकर चाकू चलें। इस घटना में एक शख्स की मौत हो गई जबकि कई घायल बताये जाते हैं। दोनों परिवार अलग अलग धर्म से संबंधित होने के कारण इलाके में तनाव की स्थिति बनी हुई है। एहतियातन पर्याप्त संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। मृतक का नाम राधेश्याम बताया गया है। पड़ोसी जमाल के परिवार से झगड़ा हुआ था। घायलों में दोनों पक्षों के लोग शामिल हैं।

मिली जानकारी के अनुसार झगड़े की शुरुआत राधेश्याम और जमाल के बच्चों के बीच मामूली कहासुनी से हुई थी। शिकायत पर दोपहर को पुलिस भी मौके पर पहुंची थी और दोनों परिवारों का समझौता करा दिया था। लेकिन शाम करीब छह बजे राधेश्याम के छोटे बेटे ने ड्यूटी से आते ही जमाल की पत्नी मुन्नी के सिर पर हेलमेट से वार कर दिया। इसके बाद दोनों पक्षों में पथराव शुरू हो गया। इस दौरान राधेश्याम के दोनों बेटे ने चाकू से जमाल और उसके बेटे पर चाकू हमला कर दिया। राधेश्याम की पत्नी ने कहा कि इरशाद ने उनके पति राधेश्याम के सीने में चाकू मारा था। वहीं, इरशाद की मां मुन्नी ने बताया कि जब राधेश्याम के बेटे चाकूबाजी कर रहे थे तो राधेश्याम बचाने के लिए बीच में आया था। बेटे से ही राधेश्याम के सीने में गलती से चाकू लग गया। इस चाकूबाजी में कमला के पति राधेश्याम की मौत हो गई। जबकि पड़ोसी मुन्नी उनके पति और एक बेटे को चाकू लगा है। मुन्नी के होंठ पर चाकू लगा था। उसे अस्पताल से छुट्टी मिल गई है। जबकि बेटे और पति का अस्पताल में इलाज चल रहा है।

इस घटना को लेकर जिले के डीसीपी भीष्म सिंह का कहना है कि 21 मार्च को रात 22:58 बजे वजीरपुर जेजे कॉलोनी के पत्थर वाला बाग में चाकूबाजी की घटना के बारे में एक पीसीआर कॉल प्राप्त हुई थी। बच्चों को लेकर दो समूहों के बीच विवाद हिंसा में बदल गया, जिसके परिणामस्वरूप राधे श्याम (65) सहित पांच लोग घायल हो गए। राधेश्याम को दीप चंद बंधु अस्पताल में मृत घोषित कर दिया गया। घायलों का इलाज चल रहा है। मृतक के शव को बाबू जगजीवन राम अस्पताल में पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। यह बच्चों को लेकर एक सामान्य झगड़ा था और इसमें कोई सांप्रदायिक कोण शामिल नहीं है। भारत नगर थाने में हत्या और हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया गया है। मामले में आगे की जांच चल रही है।

जूतों के 'शोरूम' में लगी भीषण आग

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

■ कोई हताहत नहीं, आधा दर्जन गाड़ियों ने पाया आग पर काबू

शाहीन बाग इलाके में शनिवार सुबह जूतों के एक शोरूम में भीषण आग लग गई। इस वजह से इलाके में यातायात भी बाधित हुआ। इस घटना में किसी के हताहत होने की जानकारी नहीं मिली है। दमकल विभाग की आधा दर्जन गाड़ियों ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया।

दमकल निदेशक अतुल गर्ग ने बताया कि आग लगने की सूचना सुबह 11 बजकर 17 मिनट पर मिली। उन्होंने बताया कि 'बाटा' के 'शोरूम' में आग लगी थी। दूर से ही शोरूम से काला धुआं निकलता दिखाई दे रहा था। दमकल विभाग की छह गाड़ियां घटनास्थल पर भेजी गई। आग बुझाने का काम शाम तक जारी था। इस कारण इलाके की घेराबंदी कर दी गई है ताकि कोई बाहरी शख्स आग की चपेट में ना आ जाए। अधिकारी ने कहा कि हमने इमारत ढहने की आशंका के मद्देनजर प्रोटोकॉल का पूरा पालन किया। अग्निशमन कर्मी यह भी सुनिश्चित करते रहे कि आग अन्य इमारतों तक न फैले। आग बुझाने की मशक्कत के चलते इलाके में यातायात भी काफी हद तक बाधित हुआ। एक राहगीर ने बताया कि इलाके के पास तीन किलोमीटर तक यातायात जाम की समस्या पैदा हो गई थी। पुलिस के अधिकारियों का कहना है कि आग के बारे में जानकारी मिलते ही विभिन्न पुलिस थानों से टीमें घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस टीमों ने अग्निशमन कर्मियों के साथ मिलकर मोर्चा संभाला। आग लगने का कारण जांच के बाद पता चल पाएगा।

14 बांग्लादेशी घुसपैठिये आठ भारतीय मददगारों सहित पकड़े

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

■ दक्षिण जिले की पुलिस का ऑपरेशन

दक्षिणी जिला पुलिस ने अवैध रूप से दिल्ली में रह रहे बांग्लादेशियों पर बड़ी कार्रवाई की है। अवैध रूप से रह रहे 14 बांग्लादेशियों को पकड़ा गया है। इनके आठ भारतीय मददगार भी अरेस्ट किये गये हैं। पुलिस ने इनके ठिकानों से 23 वोटर कार्ड, 19 पैन कार्ड, 17 आधार कार्ड, सीपीयू, 11 जन्म प्रमाण पत्र और छह बलैंक वोटर आइडी कार्ड बरामद किए गये। आरोपियों के खिलाफ विदेशी अधिनियम सहित भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं में केस दर्ज किया गया है।

डीसीपी अंकित चौहान के अनुसार दक्षिण जिले की टीम ने 18 बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ा। इनमें आठ को गिरफ्तार किया गया। आधा दर्जन बांग्लादेशियों को एफआरआरओ के जरिये निर्वासित किया गया है। अभी चार संदिग्ध बांग्लादेशी स्कैनर के तहत हैं। इसके साथ पकड़े गये आठ भारतीय सहयोगियों पर फर्जी आईडी के साथ अप्रवासियों को शरण देने, उन्हें काम पर रखने व हथियार देने का आरोप है। पुलिस ने न सिर्फ फर्जी आईडी सिंडिकेट का भंडाफोड़ किया बल्कि मनी लॉन्ड्रिंग व हवाला रैकेट का भी पर्दाफाश किया। पुलिस के पास पुख्ता सबूत है कि हवाला स्टाइल रैकेट में यूपीआई एप (गूगल पे, पेटीएम और फोन पे) के जरिए बांग्लादेश में पैसे भेजे गए थे। लोधी कॉलोनी पुलिस और एएटीएस की संयुक्त टीमों ने इस नेटवर्क को ध्वस्त किया है। पकड़े गये अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों के नाम मोहम्मद ज्वेल इस्लाम, मोहम्मद आलमगीर, मोहम्मद लतीफ खान, मोहम्मद नदीम शेख, मोहम्मद मिजानुर रहमान, रबीउल, मोहम्मद रेजाउल और कमरुज्जमां है। बुक किए गए भारतीय सुविधादाताओं के नाम मोहम्मद मोइनुद्दीन, मोहम्मद शाहीन, जुल्फिकार अंसारी, जावेद, फरमान खान, मनवर हुसैन, निमाई कर्माकर और गौरंगा है। गौरंगा एक लाइसेंस प्राप्त विदेशी मुद्रा एजेंट है और अवैध बांग्लादेशी अप्रवासियों के पैसे को उनके रिश्तेदारों को बांग्लादेश भेजता था।

हत्या और डकैती के वांटेड समेत दो बदमाश मुठभेड़ में गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

उत्तर-पश्चिम जिले की एएटीएस टीम ने अशोक विहार थाना इलाके के हत्या और डकैती केस में वांछित आरोपी समेत दो बदमाशों को मुठभेड़ के बाद धर दबोचा। मुखर्जी नगर इलाके में पुलिस के हत्थे चढ़े आरोपियों के नाम विशाल उर्फ बादल और अमित उर्फ कन्हैया है। कन्हैया कुख्यात गैंगस्टर जितेंद्र गोगी गिरोह से संबंध रखता था। विशाल के दाहिने पैर में गोली लगी है। इनके पास से दो पिस्टल, दो कारतूस और एक चोरी की स्कूटी बरामद हुई।

पुलिस के अनुसार पकड़ा गया विशाल उर्फ बादल राजीव नगर, भलस्वा डेयरी इलाके का रहने वाला है। कन्हैया उर्फ अमित बाकौली, अलीपुर का निवासी हैं। 21 मार्च की मध्य रात्रि एएटीएस के एसआई रवि सैनी को हत्या, डकैती और लूट के मामलों में शामिल अपराधियों के ठिकाने के बारे में गुप्त सूचना मिली थी। पता चला था कि वे अपने साथियों से मिलने के लिए डीडीए ग्राउंड, निरंकारी भवन के पास पहुंचेंगे। सूचना पर जाल बिछाया गया। पुलिस टीम ने ग्रे रंग के स्कूटर पर दो संदिग्धों को आते देखा। जब उन्हें रुकने और आत्मसमर्पण करने का संकेत दिया गया, तो संदिग्धों ने भागने की कोशिश में पुलिस टीम पर गोलियां चला दी। आत्मरक्षा में पुलिस ने जवाबी फायरिंग की जिसके परिणामस्वरूप एक आरोपी के पैर में गोली लग गई। इसके बाद दोनों संदिग्धों को सफलतापूर्वक पकड़ लिया गया। घायल आरोपी को तुरंत चिकित्सा सहायता प्रदान की गई और इलाज के लिए जहांगीरपुरी स्थित बीजेआरएम अस्पताल ले जाया गया।

रंगदारी के आरोप में गैंगस्टर की पत्नी समेत चार अरेस्ट

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

द्वारका जिले की पुलिस ने बाबा हरिदास नगर इलाके के रंगदारी मामले में गैंगस्टर की पत्नी व नाबालिग समेत चार लोगों को पकड़ा है। आरोपियों के नाम विकास उर्फ विक्की, रोहित उर्फ रॉकी, गीतिका उर्फ गीतू है। गीतिका संदीप उर्फ काला जठेड़ी गिरोह से जुड़े गैंगस्टर सचिन उर्फ भांजा की पत्नी है।

डीसीपी अंकित सिंह के अनुसार चार लोग झाड़ौदा कलां इलाके में 10 मार्च को शिकायतकर्ता के घर पहुंचे और उसे बंदूक दिखाकर धमकाया। उन्होंने गैंगस्टर सचिन के नाम पर रुपयों की मांग की थी। शिकायतकर्ता और उनके व्यावसायिक साझेदारों को लगातार धमकी भरे फोन आने लगे। इस संबंध में बाबा हरिदास नगर थाने में मामला दर्ज किया गया। जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी निगरानी की मदद से आरोपियों की पहचान हुई। गीतिका को हरियाणा के झज्जर जिले के दुल्हेड़ा गांव से पकड़ा गया। इसके बाद विक्की, रॉकी और नाबालिग को भी दबोच लिया गया। जांच में सामने आया कि विक्की हाल में पैरोल पर जेल से बाहर आया था और वह तिहाड़ जेल में बंद गैंगस्टर सचिन से मिला था। वहां पर गीतिका भी गई थी। सचिन ने विक्की को रंगदारी देना बंद करने वाले स्थानीय कारोबारियों को कथित तौर पर धमकाने का निर्देश दिया था। योजना के अनुसार विक्की ने एक वेन्यू कार का इंतजाम किया और तीन साथियों को अपने साथ लेकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिये पीड़ितों को फोन किया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि विक्की पर रोहतक और सोनीपत में हत्या के तीन मामले दर्ज हैं जबकि रोहित भी हत्या के दो मामलों में शामिल रहा है। पुलिस ने अपराध में इस्तेमाल की गई कार और दो मोबाइल फोन जब्त किए हैं।

राजनिवास में मनाया गया अरुणाचल, बिहार और मिजोरम राज्य दिवस, एलजी ने दी शुभकामनाएं

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली राजनिवास में शनिवार को तीन राज्यों अरुणाचल, बिहार और मिजोरम राज्य दिवस पर कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस अवसर पर उपराज्यपाल सहित तीनों राज्यों के आला अधिकारी, नेता व अन्य कार्यक्रम में शामिल हुए। अपने संदेश में एलजी ने तीनों राज्यों के लोगों को बधाई और शुभकामनाएं दी। इस मौके पर तीनों राज्यों के प्रतिनिधियों ने उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना का सम्मान करते हुए उन्हें अपने राज्य से जुड़े पारंपरिक प्रतीक चिन्ह भेंट किए। इस अवसर पर सर्वप्रथम बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने वीडियो कांफ्रेंसिंग द्वारा संदेश दिया। वहीं अरुणाचल प्रदेश के राज्यपाल सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल के टी कैवल्य त्रिविक्रम परनाईक ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए मौजूद लोगों को प्रदेश के स्थापना दिवस पर बधाई और शुभकामनाएं दी। वहीं मिजोरम के राज्यपाल सेवानिवृत जनरल डायरेक्टर विजय कुमार सिंह ने भी वीडियो कांफ्रेंसिंग द्वारा अपना संदेश लोगों तक पहुंचाया। अपने संदेश में उपराज्यपाल सक्सेना ने कहा कि तीनों राज्यों के स्थापना दिवस पर वहां के संबंधित निवासियों को बहुत बहुत बधाई। तीनों राज्य अपने भौगोलिक व सांस्कृतिक रूप से बेशक अलग है, लेकिन यहां रहने वाले सभी भारतीय है। यहां के लोगों का भारत की प्रगति में अहम भूमिका है। इन राज्यों की अपनी एक विरासत है जिसे वर्तमान में आगे बढ़ाना जरूरी है। भारत की एकता अखंडता में तीनों राज्यों का योगदान अविस्मरणीय है। उन्होंने कहा कि बिहार, अरुणाचल व मिजोरम के लोग आज विश्व में भारत का नाम रोशन कर रहे है। इस अवसर पर समारोह में तीनों राज्यों से आए कलाकारों ने अपने अपने पारंपरिक गीत संगीत व नृत्य की सुंदर प्रस्तुति से लोगों का मन मोह लिया। सनद रहे कि तीनों राज्यों का गठन अलग अलग समय हुआ लेकिन राजनिवास में एक साथ आयोजन किया गया।

दिल्ली बना नेशनल ई-विधान एप्लिकेशन प्लेटफॉर्म से जुड़ने वाला 28वां राज्य

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

■ केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्रालय और दिल्ली सरकार के साथ नेवा के क्रियान्वयन के लिए किया समझौता

दिल्ली विधानसभा ने डिजिटल गवर्नेंस की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बढ़ाते हुए केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्रालय (एमओपीए) और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के साथ नेशनल ई-विधान एप्लिकेशन (नेवा) के क्रियान्वयन हेतु त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। इस एमओयू के बाद दिल्ली नेशनल ई-विधान एप्लिकेशन (नेवा) प्लेटफॉर्म से जुड़ने वाला 28वां राज्य बन गया है। एमओयू के अवसर पर भारत सरकार के संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू और दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता उपस्थित रहे। इस समझौते पर डॉ. सत्य प्रकाश, अपर सचिव, एमओपीए एवं मिशन लीडर (नेवा), रंजीत सिंह, सचिव, दिल्ली विधानसभा, और रितेश सिंह, प्रधान सचिव (कानून), दिल्ली सरकार ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर उमंग नरूला, सचिव, एमओपीए भी उपस्थित रहे। यह समझौता दिल्ली विधानसभा की पेपरलेस और अधिक पारदर्शी विधायी प्रणाली की ओर बढ़ने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जो एक राष्ट्र, एक एप्लीकेशन की प्रधानमंत्री की परिकल्पना के अनुरूप है। उल्लेखनीय है कि नेवा प्लेटफॉर्म, संसदीय कार्य मंत्रालय के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है, जो विधायी कार्यों को डिजिटलीकरण, वास्तविक समय में दस्तावेजों की उपलब्धता और सदस्यों व सचिवालय के बीच सुगम समन्वय स्थापित करके अधिक कुशल, सुलभ और सतत बनाने का लक्ष्य रखता है। इस प्रणाली को अपनाने से दिल्ली विधानसभा कागज की खपत में भारी कमी, कार्यप्रवाह को सरल बनाने और विधायक सदस्यों को डिजिटल संसाधनों से सशक्त करने में सक्षम होगी। इस अवसर पर केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्रालय के सचिव उमंग नरूला ने दिल्ली विधानसभा की इस पहल की सराहना की और नेवा के सुचारू कार्यान्वयन, प्रशिक्षण और सभी संबंधित पक्षों की सफल ऑनबोर्डिंग में मंत्रालय के पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

महिला सम्मान निधि को लेकर आप फिर सड़कों पर उतरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

महिला सम्मान निधि को लेकर एक बार फिर आम आदमी पार्टी सड़कों पर उतर गई है। शनिवार को नए बने दिल्ली प्रदेश संयोजक सौरभ भारद्वाज के नेतृत्व में आप की महिला कार्यकर्ताओं ने सड़कों पर उतर कर प्रदर्शन किया। इस दौरान महिलाओं को 'बैंक ऑफ जुमला' नाम से 2500 रुपए का चेक देकर भाजपा के किए गए वादे को याद दिलाया गया।

सौरभ भारद्वाज और नेता विपक्षआतिशी ने गोविंदपुरी, कालकाजी, पूर्व मेयर डॉ. शैली ओबेरॉय व विधायक विशेष रवि ने करोलबाग, विधायक कुलदीप कुमार ने कोंडली और जरनैल सिंह ने तिलक नगर में प्रदर्शन किया। पार्टी का कहना है कि महिलाओं को यह चेक देने का उद्देश्य यह है कि भाजपा को थोड़ी शर्म आएगी और वह दिल्ली की माताओं-बहनों को 2500 रुपए प्रतिमाह देकर अपना वादा पूरा करेगी। इस दौरान सौरभ भारद्वाज ने कहा कि पीएम का वादा था कि आठ मार्च को दिल्ली की हर महिला को हर महीने 2500 रुपए मिलने शुरू हो जाएंगे, लेकिन 8 मार्च आकर निकल भी गई, दिल्ली की महिलाएं इंतजार कर रही हैं।

वर्ल्ड आवर डेः दिल्ली ने एक घंटे तक बचाई बिजली

नई दिल्ली। पूरी दुनिया में मनाए गए वर्ल्ड आवर डे पर शनिवार 22 मार्च 2025 को दिल्ली ने भी अपनी भूमिका निभाई। दिल्ली के अधिकांश क्षेत्रों में लोगों ने अपने घरों, प्रतिष्ठानों आदि के गैर जरूरी बिजली उपकरणों को एक घंटे के लिए बंद कर पर्यावरण संरक्षण में सहयोग दिया। वहीं दिल्ली की निजी बिजली वितरण कंपनी बीएसईएस और टाटा पावर डीडीएल ने भी अपने कार्यालयों में रात 8:30 बजे से 9:30 बजे तक बिजली बंद रखी। दोनों कंपनी ने दावा किया कि हमने अपने कर्मचारियों, ग्राहकों, निवासी संघों, उद्योग संघों के साथ मिलकर इस अभियान को सफल बनाने की मुहिम शुरू की थी। जिसमें लोगों को अर्थ आवर में सहयोग करने हेतु जागरूक करने के लिए व्हाट्सएप, ग्राहक सेवा केंद्रों, आवासीय सोसाइटियों, वेबसाइट और सोशल मीडिया जैसे माध्यमों का उपयोग किया। कंपनियों ने कहा कि हमारा लक्ष्य अधिक से अधिक बिजली उपभोक्ताओं तक वर्ल्ड आवर डे के तहत एक घंटे के लिए बिजली ऑफ करने का संदेश पहुंचाना था जिसमें कामयाब भी हुए है। अर्थ आवर डे के तहत दिल्ली में शनिवार के कितनी बिजली की बचत हुए इसकी जानकारी तत्काल नहीं मिल सकी।

दीक्षांत समारोह में देश और विदेश के 399 छात्रों ने प्राप्त की डिग्रियां

किसानों तक पहुंच रही हैं पूसा संस्थान की विकसित प्रौद्योगिकियां : शिवराज

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

भारत को कृषि के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर कृषि महाशक्ति बनाने में भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (पूसा) के कृषि वैज्ञानिकों की सराहनीय भूमिका रही है और संस्थान द्वारा विकसित प्रौद्योगिकियां किसानों तक पहुंच रही हैं। बतौर मुख्य अतिथि भारत सरकार के कृषि और किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पूसा कृषि संस्थान के 63वें दीक्षांत समारोह के दौरान यह संबोधन दिया। इस अवसर पर उन्होंने आत्मनिर्भर भारत के लिए उद्यमिता विकास और स्टार्ट-अप्स पर जोर दिया। उन्होंने कृषि उपकरणों में नवाचार को बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया और कहा कि पूसा संस्थान के वैज्ञानिक कृषि उत्पादन बढ़ाने के लिए कठिन परिश्रम कर रहे हैं। उन्होंने प्राकृतिक खेती और रासायनिक उर्वरकों के न्यूनतम उपयोग की आवश्यकता पर भी जोर दिया। अपने संबोधन में, स्नातकोत्तर और डॉक्टोरल डिग्रियां प्राप्त करने वालेसभी छात्रों, शोध तथा अकादमिक में उत्कृष्टता के लिए पुरस्कार प्राप्त करने वाले प्रतिष्ठित संकाय को, शिवराज सिंह चौहान ने हार्दिक शुभकामनाएं दी। इस दीक्षांत समारोह में कुल 399 छात्रों ने, जिनमें भारत और अन्य देशों के छात्र शामिल हैं, स्नातकोत्तर और डॉक्टोरल डिग्रियां प्राप्त की।

बता दें कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद - भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (पूसा) ने राष्ट्रीय कृषि विज्ञान परिसर के भारत रत्न सी. सुब्रह्मण्यम सभागार में अपना 63वां दीक्षांत समारोह आयोजित किया। इस अवसर पर भारत सरकार के कृषि और किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मुख्य अतिथि के रूप में गरिमामयी उपस्थिति से समारोह की शोभा बढ़ाई। इस कार्यक्रम में कृषि और किसान कल्याण राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी और रामनाथ ठाकुर ने सम्मानित अतिथि के रूप में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इस अवसर पर देवेन्द्र चतुर्वेदी, सचिव डेयर और महानिदेशक पूसा संस्थान, डॉ. सी एच. श्रीनिवास राव, निदेशक, डॉ. अनुपमा सिंह, अधिष्ठाता एवं संयुक्त निदेशक (शिक्षा), डॉ. विश्वनाथन चिन्नुसामी, संयुक्त निदेशक (अनुसंधान) तथा डॉ. रवीन्द्रनाथ पडारिया, संयुक्त निदेशक (प्रसार) पूसा संस्थान भी उपस्थित रहे।

इस दीक्षांत समारोह में कुल 399 छात्रों ने, जिनमें भारत और अन्य देशों के छात्र शामिल हैं, स्नातकोत्तर और डॉक्टोरल डिग्रियां प्राप्त की। दीक्षांत समारोह के दौरान, कृषि और किसान कल्याण राज्य मंत्री, भागीरथ चौधरी और रामनाथ ठाकुर ने 5 एम.एस.सी.छात्रों और 5 डॉक्टरेट डिग्री प्राप्त करने वाले छात्रों को पूसा संस्थान के मेरिट पदक प्रदान किए। इसके अलावा, उन्होंने रुद्र गौदा, डॉक्टोरल छात्र, कीट विज्ञान संभाग को सर्वश्रेष्ठ छात्र पुरस्कार (नाबार्ड)-2024 तथा सर्वश्रेष्ठ एम.एस.सी. छात्र पुरस्कार, एम.एस.सी. छात्रा, स्नेहा भारद्वाज, सस्य विज्ञान संभाग को प्रदान किया गया। इसके साथ ही, डॉ. एच.के. जैन मेमोरियल युवा वैज्ञानिक पुरस्कार 2024 डॉ. विकेश मुथुसामी, वरिष्ठ वैज्ञानिक, आनुवंशिकी संभाग को, 28वां हूकर पुरस्कार 2022-23 द्विवार्षिक वर्ष के लिए डॉ. ज्ञान प्रकाश मिश्रा, प्रधान वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, बीज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संभाग को और चौथा नाबार्ड अनुसंधानकर्ता पुरस्कार 2024, डॉ. गिरीजेश सिंह महरा, वैज्ञानिक, कृषि प्रसार संभाग को प्रदान किए गए।

केंद्रीय कृषि मंत्री ने अनाज आदि की जारी की किस्में

यहां कृषि और किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने गेहूं, मक्का, चना, मूंगफली, आम आदि के विभिन्न किस्मों को जारी किया। साथ ही उन्होंने पूसा संस्थान के स्नातक विद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट-2024, स्नातक विद्यालय शिक्षा पत्रिका, "कृषि अभियांत्रिकी में प्रगति खंड-एक (6वीं अधिष्ठाता समिति की सिफारिशों के अनुसार)" और "रैपिड सीड वायबिलिटी टेस्टिंग किट" नामक तीन प्रकाशित सामग्री का विमोचन किया।

किस्में कुल विदेशी मुद्रा का 90 प्रतिशत योगदान करती है : निदेशक

पूसा संस्थान के निदेशक डॉ. सी एच. श्रीनिवास राव ने पूसा संस्थान द्वारा विकसित गेहूं की किस्मों के बारे में बताया जो लगभग 15 मिलियन हेक्टेयर में उगाई जाती हैं और देश के गेहूं भंडार में लगभग 60 मिलियन टन का योगदान करती हैं। उन्होंने यह भी बताया कि पूसा बासमती धान की किस्में कुल विदेशी मुद्रा का 90 प्रतिशत योगदान करती हैं। वहीं, डॉ. अनुपमा सिंह, डीन एवं संयुक्त निदेशक (शिक्षा) ने बताया कि 2024-25 के शैक्षणिक वर्ष में 1027 छात्रों को प्रवेश मिला, जिनमें 377 स्नातक, 313 स्नातकोत्तर और 337 डॉक्टोरल कार्यक्रम के छात्र शामिल हैं।

नई दिल्ली, रविवार 23 मार्च 2025 ■ चैत्र मास कृष्ण पक्ष, 09 ■ वर्ष : 28, अंक : 342 ■ पृष्ठ : 12 मूल्य : 2.00 * मौसम अधि. 32 न्यून.16 haribhoomi.com

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

कोलकाता के ईडन गार्डन्स स्टेडियम में लगा बॉलीवुड का तड़का

शाहरुख ने बांधा समां...श्रेया के ढोलना वाले गाने पर पूरा स्टेडियम ही झूम उठा

10 टीमें खेलेंगी 74 मैच, चौकों व छक्कों की होगी बरसात

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

आईपीएल के 18वें सीजन की ओपनिंग सेरेमनी धूम-धड़ाके वाली हुई। इसे बॉलीवुड स्टार शाहरुख खान ने होस्ट किया। उन्होंने पठान फिल्म के डायलॉग- 'पार्टी पठान के घर में रखोगे... तो मेहमान नवाजी के लिए पठान तो आएगा, और साथ में पटाखे भी लाएगा...' से सेरेमनी की शुरुआत की। कोलकाता के ईडन गार्डन्स स्टेडियम में पहली प्रस्तुति श्रेया घोषाल ने दी। उन्होंने 'भूल भुलैया' फिल्म के गाने 'मेरे ▶▶ शेष पेज 5 पर

तेजस मार्क-1ए की प्रचंड हवाई उड़ान से गुंजायमान होगा भारत का आसमान, कांपेंगे दुश्मन

24 महीने की देरी के बाद एचएएल को जीई से मिलेगा पहला 'एफ-404 इंजन'!

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

'देर आए दुरुस्त आए' वाली कहावत तो सभी ने सुनी है। लेकिन वर्तमान में यह भारतीय वायुसेना पर पूरी तरह से फिट बैठती हुई नजर आ रही है।

क्योंकि अमेरिका की रक्षा उत्पादों के लिए इंजन बनाने वाली बहुराष्ट्रीय कंपनी जनरल इलेक्ट्रिक (जीई) ने हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) को मार्च अंत तक तेजस मार्क-1ए लड़ाकू विमान के लिए पहले 'एफ-404' इंजन की आपूर्ति करने के लिए अपनी कमर कस ली है। हालांकि दोनों पक्षों के ▶▶ शेष पेज 5 पर

एचएएल से मिलेंगे 83 तेजस मार्क-1ए

जीई से इंजन की आपूर्ति की शुरुआत होने से वायुसेना को काफी राहत मिलेगी और तेजस के उन्नत संस्करण माने जाने वाले तेजस मार्क-1ए लड़ाकू विमान की मारक हवाई उड़ान भी संभव हो सकेगी। एचएएल को वायुसेना को कुल 83 मार्क-1ए विमान सौंपने हैं। जिनकी वायुसेना में तैनाती के साथ ही दुश्मन भारत के खिलाफ किसी तरह की गुस्ताखी करने से पहले सौ बार सोचेंगे। जीई एचएएल को मौजूदा वर्ष 2025 में दर्जनभर एफ-404 इंजन सौंप सकती है। इसके बाद समझौता पूरा होने तक 20 इंजनों की सालाना ▶▶ शेष पेज 5 पर

निजी क्षेत्र की भागीदारी पर जोर

उधर, रक्षा मंत्रालय ने रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह की अध्यक्षता में एक समिति गठित की है। जिसे पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान (एफजीएफए) के लिए एक बिजनेस मॉडल प्रस्तुत करना है। यह समिति पहले से प्रस्तावित और रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा विकसित किए जा रहे एडवांस मल्टीरोल कॉम्बेट एयरक्राफ्ट (एएमसीए) से जुड़े तकनीकी पहलुओं पर नहीं जाएगी। लेकिन एक ऐसा मॉडल जरूर तैयार करेगी जिसमें पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान ▶▶ शेष पेज 5 पर

सह सरकार्यवाह अरुण कुमार ने कहा- प्रताड़ना की धार्मिक वजह भी

संघ ने कहा: बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के 'मानवाधिकारों' का हो रहा उल्लंघन

संघ ने कहा कि हमें ये नहीं मानना चाहिए कि इस हिंसा की वजह सत्ता में बदलाव के चलते राजनीतिक ही है बल्कि इसका धार्मिक कारण भी है। अल्पसंख्यकों और हिंदुओं को लगातार निशाना बनाया जा रहा है।

एजेंसी ▶▶ बेंगलुरु

यहां चल रही संघ की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की बैठक में बांग्लादेश का मुद्दा उठा और वहां अल्पसंख्यकों खासकर हिंदुओं के खिलाफ हो रही हिंसा पर चिंता जाहिर की गई। सह-सरकार्यवाह अरुण कुमार ने एक बयान में कहा कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के मानवाधिकारों का उल्लंघन हो रहा है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हो रही हिंसा की वजह राजनीतिक ही नहीं बल्कि धार्मिक ▶▶ शेष पेज 5 पर

■ साल 1951 में बांग्लादेश में हिंदू जनसंख्या 22 प्रतिशत थी, जो अब घटकर 7.95 प्रतिशत रह गई

कई प्रस्ताव होंगे पारित

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की तीन दिवसीय अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की बैठक बेंगलुरु में शुक्रवार से चल रही है। यह संघ की निर्णय लेने वाली सर्वोच्च संस्था है। इस बैठक के दौरान बांग्लादेश हिंसा के साथ ही मणिपुर, भाषा विवाद और संघ के शताब्दी समारोह को लेकर प्रस्ताव पारित किए जाएंगे।

भाजपा अध्यक्ष चुनने की प्रक्रिया जारी

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव को लेकर पूछे गए सवाल पर अरुण कुमार ने कहा कि संघ के तहत 32 से ज्यादा संगठन काम करते हैं। हर संगठन अपने आप में स्वतंत्र है और उसकी फैसले लेने की स्वतंत्र प्रक्रिया है। हर संगठन के अपने सदस्य, चुनाव और उनकी पूरी प्रक्रिया अलग है। भाजपा और संघ के बीच कोई मतभेद नहीं है। हम देश और समाज के लिए मिलकर काम करते हैं। संगठन की प्रक्रिया चल रही है और जिले और राज्य स्तर पर समीतियां गठित कर दी गई हैं। भविष्य में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव होगा।

'दीवार में एक खिड़की रहती थी' जैसी कृतियां लिखी

साहित्यकार विनोद कुमार शुक्ल को 'ज्ञानपीठ पुरस्कार'

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

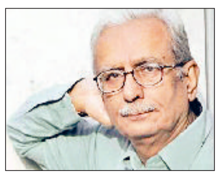

हिंदी साहित्य के सुप्रसिद्ध लेखक विनोद कुमार शुक्ल (88) को देश के सर्वोच्च साहित्यिक सम्मान ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। वे यह प्रतिष्ठित पुरस्कार पाने वाले छत्तीसगढ़ के पहले लेखक होंगे। शुक्ल अपनी कहानियों, कविताओं और लेखों के लिए जाने जाते हैं और समकालीन हिंदी साहित्य के सबसे प्रभावशाली ▶▶ शेष पेज 5 पर

सुप्रीम कोर्ट के 5 जजों का मणिपुर दौरा

जस्टिस गवई : हम आपके साथ, मणिपुर समृद्ध होगा

एजेंसी ▶▶ इंफाल

सुप्रीम कोर्ट के पांच जजों जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस एमएम सुंदरेश, जस्टिस केवी विश्वनाथन और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह वाला प्रतिनिधिमंडल शनिवार को मणिपुर पहुंचा। प्रतिनिधिमंडल ने चुराचांदपर में मणिपुर की जातीय ▶▶ शेष पेज 5 पर

‘विकसित दिल्ली बजट’ के लिए 10 हजार से अधिक सुझाव हुए प्राप्त

महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण, यमुना सफाई, जल निकासी पर केंद्रित होगा दिल्ली का बजट: रेखा

हरिभूमि न्यूज, नई दिल्ली

दिल्ली की नई भाजपा सरकार का विकसित दिल्ली बजट महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण, बेहतर शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा, बेहतर बुनियादी ढांचे, प्रदूषण नियंत्रण और जल निकास पर केंद्रित होगा। यह बात दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को प्रैसवार्ता में कही। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने प्रैसवार्ता में बताया कि विकसित दिल्ली बजट के लिए 10 हज़ार से अधिक सुझाव और अपेक्षाए वाट्सएप और ईमेल के द्वारा दिल्लीवासियों से प्राप्त हुए है।

विकसित दिल्ली बजट के लिए महिलाओं, शिक्षाविदों, व्यापारियों, औद्योगिक संगठनों, किसानों, विधायकों, सांसदों, युवाओं, डॉक्टर, सीए ,नगर निगम पार्षद एवं कर्मचारी, झुग्गी वासियों और इन्फ्लुएंसर्स आदि के साथ संवाद किया गया। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर दिल्ली के नागरिकों की सक्रिय भागीदारी और उनके द्वारा भेजे गए बहुमूल्य सुझावों के लिए आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने बताया कि यह बजट दिल्लीवासियों का बजट होगा। जनता ने अपने सुझावों और विचारों से यह स्पष्ट कर दिया है कि वे दिल्ली को एक विश्वस्तरीय राजधानी बनाने के लिए पूरी तरह से सरकार के साथ है। मुख्यमंत्री ने बताया कि सरकार बनने के तुरंत बाद से हमारा एक ही ध्येय है कि दिल्ली को विकसित और आधुनिक बनाने के लिए काम किया जाए। दिल्ली सरकार ने विकसित दिल्ली संकल्प पत्र में दिल्ली को विश्व की सर्वश्रेष्ठ राजधानी बनाने के साथ महिलाओं, गरीबों, छात्रों,युवाओं और श्रमिकों आदि के जीवन स्तर को सुधारने का वादा किया है। इस बार विधानसभा का बजट सत्र 24 मार्च से 28 मार्च तक चलेगा। सरकार ने विकसित दिल्ली बजट 2025 का प्रारूप तैयार करने के लिए दिल्लीवासियों से ईमेल और व्हाट्सएप के द्वारा सुझाव देने की अपील की थी। जिसमें दिल्लीवासियों से 3303 ईमेल के जरिये सुझाव और 6982 वाट्सएप के माध्यम से सुझाव और अपेक्षाएं प्राप्त हुई हैं। कुल मिलाकर, 10 हजार से अधिक सुझाव दिल्ली के लोगों ने ईमेल और वाट्सएप के जरिए साझा किए हैं।

दिल्लीवासियों से प्राप्त हुए सुझावों को दी जाएगी प्राथमिकता

सीएम रेखा गुप्ता ने बताया कि इतने बड़े पैमाने पर दिल्लीवासियों से मिले सुझावों के लिए सरकार उनका धन्यवाद करती है। और यह साबित करता है कि यह बजट वास्तव में जनता का बजट होगा। सरकार ने ईमेल, वाट्सएप और संवाद के माध्यम से जनता से जुड़ने का प्रयास किया है और हमें इस प्रक्रिया में जनता की सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। विकसित दिल्ली बजट में दिल्लीवासियों से प्राप्त हुए सुझावों को प्राथमिकता दी जाएगी और इसका प्रारूप दिल्लीवासियों की जरुरतों और आकांक्षाओं को ध्यान में रखकर तैयार किया जा रहा है। इस बजट में दिल्ली के आम नागरिक को प्राथमिकता दी जाएगी, जिसमें विशेष रूप से महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण,बिजली और पानी की सुचारू आपूर्ति, बरसात में जलभराव की समस्या का निदान, वायु प्रदूषण पर नियंत्रण, यमुना की सफाई, शिक्षा के विस्तार, बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं, बुनियादी ढांचे के विकास और रोजगार के अवसरों को प्रमुखता से शामिल किया जाएगा।

खीर समारोह के साथ होगी बजट सत्र की शुरुआत

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जो विकसित दिल्ली का सपना है उसको पूरा करने के लिए सरकार हर पहलू पर कार्य कर रही है। और यह बजट सत्र दिल्ली का विकास और खीर की मिठास के साथ शुरू होगा। सोमवार को विधानसभा परिसर में विकसित दिल्ली बजट संवाद से जुड़े लोगों को आमंत्रित किया जाएगा और खीर समारोह के साथ उनका मुंह मीठा करके बजट सत्र की शुरुआत की जाएगी। दिल्लीवासियों ने हमें जो सुझाव और समस्याएं बताई हैं, उस पर अमल करना और उन्हें हल करना हमारी प्राथमिकता है। हर सुझाव हमारे लिए अमूल्य है। हमारा उद्देश्य है कि यह बजट दिल्ली को स्वच्छ, समृद्ध और विश्वस्तरीय राजधानी बनाने के हमारे लक्ष्य को और मजबूत करे।

खबर संक्षेप

जॉइंट रिप्लेसमेंट मरीजों ने लिया कार्यक्रम में भाग

नई दिल्ली। जॉइंट हेल्थ एंड रिकवरी के प्रति जागरूकता बढ़ाने की एक महत्वपूर्ण पहल के तहत, शालीमार बाग स्थित मैक्स सुपर स्पेशलिटी अस्पताल के ऑर्थोपेडिक्स और जॉइंट रिप्लेसमेंट विभाग ने दिल्ली पुलिस जीओ मेस, सिविल लाइंस, दिल्ली के फ्रंट लॉन में जॉइंट रिप्लेसमेंट सपोर्ट ग्रुप बैठक का सफल आयोजन किया। मजबूत जोड़, मजबूत समुदाय' थीम पर आधारित इस आयोजन में दिल्ली, गुरुग्राम, नोएडा, फरीदाबाद, हरियाणा आदि स्थानों से आए 300 से अधिक मरीजों ने भाग लिया, जिन्होंने डॉ. साइमन थॉमस और उनकी विशेषज्ञ टीम के कुशल मार्गदर्शन में सफल जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी करवाई थी। इस विशेष अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि रहे दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने पूरी टीम के प्रयासों की सराहना की, जिन्होंने विश्वस्तरीय ऑर्थोपेडिक देखभाल प्रदान करने के साथ-साथ मरीजों में सामुदायिक भावना को भी विकसित किया है। वहीं, अस्पताल के रोबोटिक जॉइंट रिप्लेसमेंट एवं ऑर्थोपेडिक्स विभाग के डायरेक्टर डॉ. साइमन थॉमस ने कहा कि इस बैठक में पहली बार हमने दो अलग-अलग मरीज समूहों का अवलोकन किया।

डीएमआरसी ने बच्चों के लिए आयोजित किया स्टोरी टेलिंग कार्यक्रम

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) ने शनिवार को पटेल चौक स्थित मेट्रो संग्रहालय में बच्चों के लिए एक स्टोरी टेलिंग (कहानी कहो) कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में 5 से 12 वर्ष के आयु तक करीब 100 बच्चों के साथ उनके अभिभावकों ने भी हिस्सा लिया। कार्यक्रम का आयोजन दिल्ली मेट्रो ने साहित्य अकादमी के सहयोग से किया। कार्यक्रम में प्रसिद्ध कथावाचक स्तुति एवं जयश्री ने बच्चों को दिलचस्प व प्रेरणादायक कहानियाँ सुरुचिपूर्ण तरीके से सुनाई। उनकी कहानियों पर बच्चे हंस हंसकर लोटपोट भी हुए और गंभीर भी हुए। कार्यक्रम के बाद साहित्य अकादमी की तरफ से सभी बच्चों को कहानियों की हिंदी व इंग्लिश भाषा की पुस्तकें भी बांटी गईं।

भाजपा मंत्री अगर कमीशन मांग रहे हैं तो आतिशी ने पुलिस में क्यों नहीं करवाई एफआईआर दर्ज : यादव

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी से सवाल पूछा है कि अगर भाजपा के मंत्री अधिकारियों से 10 प्रतिशत कमीशन मांग रहे है और आपको पता है तो अभी तक उनके खिलाफ एफआईआर क्यों नहीं करवाई। आतिशी अगर दावा करती है कि उनके आरोप सही है तो उन्हें चाहिए कि वह बतौर नेताविपक्ष कमीशन लेने और देने के सोर्स का विधानसभा में खुलासा करें। हम मांग करते है कि अगर भाजपा मंत्रियों पर लगाए गए आरोप सही है तो आतिशी ने तुरंत उनके खिलाफ एफ.आई.आर. दर्ज कराएं। सरकार में अगर कहीं भ्रष्टाचार या अपराध हो रहा है, और कोई उसे जानबूझकर छिपाता है तो वह भी एक अपराध है। आतिशी को कानून की जानकारी होनी चाहिए कि यदि अपराध के बारे में किसी को पता चलता है और उसका खुलासा करना चाहिए, नही तो उस व्यक्ति के खिलाफ मुकदमा दर्ज होता है। यादव ने कहा कि मंत्री प्रवेश वर्मा का अधिकारियों के प्रति अपशब्दों वाला व्यवहार प्रशासनिक प्रक्रिया को नुकसान पहुंचाने वाला है। उन्होंने कहा कि भाजपा मंत्रीमंडल कमीशन छोड़ काम पर ध्यान दें तभी विकसित दिल्ली के मोदी के नारे को पूरा करने में कुछ हो सकता है। यादव ने पूछा कि क्या आतिशी के पास 10 प्रतिशत कमीशन लेन-देन की पूरी जानकारी है कि अफसर परेशान होकर ट्रांसफर मांग रहे है। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों के आम आदमी पार्टी के शासन में शिक्षा व्यवस्था, स्वास्थ्य व्यवस्था और दिल्ली के विकास की बदहाली किसी से छिपी नहीं है।

पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश वर्मा ने स्वच्छता और जल निकासी परियोजनाओं का किया निरीक्षण

एजेंसी. नई दिल्ली

दिल्ली लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) मंत्री प्रवेश वर्मा ने शनिवार को कई निर्वाचन क्षेत्रों का निरीक्षण किया और गर्मी एवं मानसून के मौसम से पहले स्वच्छता और जल निकासी परियोजनाओं की समीक्षा की। वर्मा ने सार्वजनिक शिकायत निवारण को सरल बनाने के लिए चार अंकों के एक हेल्पलाइन (1908) नंबर की भी घोषणा की। वर्मा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि उनकी पहली विभागीय बैठक के दौरान वरिष्ठ अधिकारियों को मौजूदा 10 अंकों वाला हेल्पलाइन नंबर याद करने में कठिनाई हो रही थी। उन्होंने कहा, इतनी लंबी संख्या कौन याद रख सकता है? शायद इसीलिए पिछली सरकार ने इसे चुना था - ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि शिकायतें दर्ज न हों। इसके बाद उन्होंने केंद्र सरकार से चार अंकों का विकल्प मांगा, जिसने 1908 को मंजूरी दे दी। मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि लोग अब आसानी से पीडब्ल्यूडी से संबंधित समस्याओं की शिकायत कर सकते हैं। स्थानीय विधायक तिलक राम गुप्ता के साथ त्रिनगर निर्वाचन क्षेत्र के अपने दौरे के दौरान वर्मा ने पिछले एक दशक में क्षेत्र में विकास की कमी पर निराशा व्यक्त की। उन्होंने अधिकारियों को सीवर सफाई का काम तुरंत शुरू करने और मानसून से पहले इसे पूरा करने का निर्देश दिया। विधायक कैलाश गंगवाल के साथ मादीपुर में साहिबी नदी और नजफगढ़ नाले के एक अन्य निरीक्षण में वर्मा ने क्षेत्र में जारी सफाई अभियान की समीक्षा की।

राशन कार्ड वितरण को सुचारू बनाने के लिए ई-सत्यापन कर रही है सरकार : सिरसा

नई दिल्ली। दिल्ली के खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने शनिवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार जरूरतमंद लोगों को राशन कार्ड के वितरण को सुचारू बनाने के लिए इनका ई-सत्यापन कर रही है। सिरसा ने कहा कि इस प्रक्रिया से यह पता लगाने में मदद मिलेगी कि कितने और लाभार्थियों को इसके दायरे में लाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार जरूरतमंद लोगों को राशन कार्ड उपलब्ध कराने पर काम कर रही है। सिरसा ने कहा कि सरकार ने इस संबंध में एक सप्ताह पहले बैठक की थी और अब ई-सत्यापन कराया जा रहा है। उन्होंने हाल ही में कहा था कि सत्यापन के बाद हम आकलन करेंगे कि कितने स्लॉट उपलब्ध हैं और कितने लोगों को राशन कार्ड आवंटित किए जा सकते हैं। एक बार यह तय हो जाए तो हम राशन कार्ड वितरित करना शुरू कर देंगे। दिल्ली की सत्ता में 26 साल बाद लौटी भाजपा ने पहले आरोप लगाया था कि पिछली सरकार ने नये लाभार्थियों को राशन कार्ड जारी करना बंद कर दिया था।

अर्थ व्यवस्था को मजबूत कर रहे हैं बिहार के भाई-बहन : सचदेवा

हरिभूमि न्यूज नई दिल्ली

- बिहार दिवस पर भाजपा नेताओं ने बिहारवासियों को दी शुभकामनाएं

देश के हर राज्य में चाहे वह कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने का अगर कोई काम कर रहा है तो वह हमारे बिहार के भाई-बहन हैं। दिल्ली में भी बिहार और पूर्वांचल के साथी हर उद्योग और व्यापार में देखने को मिलते हैं। दिल्ली भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा और बिहार भाजपा अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने शनिवार को बिहार दिवस पर आयोजित संयुक्त प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए यह बातें कही। उन्होंने सभी को बिहार दिवस की शुभकामनाएं दी और कहा कि बिहार की गौरवशाली इतिहास और उसके उपलब्धियों को अगर आगे बढ़ाने का किसी ने काम किया है तो वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया है। इस मौके पर राष्ट्रीय मीडिया सह-संयोजक संजय मयूख, बिहार प्रदेश उपाध्यक्ष सिद्धार्थ शंभू, दिल्ली प्रदेश उपाध्यक्ष दिनेश प्रताप सिंह, दिल्ली पूर्वांचल मोर्चा अध्यक्ष संतोष ओझा, प्रदेश प्रवक्ता डॉ अनिल गुप्ता, विधायक चंदन चौधरी उपस्थित थे। वहीं, दिलीप जायसवाल ने कहा कि बिहार लालटेन युग से आज बिजली युग में पहुँच चुका है। भाजपा ऐसे लोगों का विरोध करती है जो क्षेत्रवाद, भाषा के नाम पर बांटने का काम करते हैं।

दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष ने 14 विधायकों को एमसीडी के लिए किया मनोनीत

हरिभूमि न्यूज, नई दिल्ली

दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) में प्रतिनिधित्व करने हेतु 14 विधायकों को नामित किया है। इस अवसर पर विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि नामित विधायकों की भूमिका एमसीडी को बजट निर्माण, नागरिक प्रशासन और शहरी शासन में सहयोग देने की होगी। ये विधायक स्वच्छता, बुनियादी ढांचे के विकास और अन्य नगर निगम से जुड़ी चुनौतियों के समाधान में अहम भूमिका निभाएंगे, जिससे दिल्लीवासियों के जीवन स्तर को बेहतर बनाया जा सके। एमसीडी में मनोनीत भाजपा विधायकों में अनिल शर्मा, चंदन चौधरी, जितेंद्र महाजन, करनैल सिंह, मनोज कुमार शौकीन, नीलम पहलवान, प्रद्युम्न सिंह राजपूत, राज कुमार भाटिया, रविकांत, संजय गोयल और तरविंदर मारवाह हैं। 'आप' विधायकों में प्रवेश रत्न, सुरेंद्र कुमार और राम सिंह नेताजी शामिल हैं।

मनोनीत विधायक कर सकेंगे महापौर और उपमहापौर चुनाव में मतदान

मनोनीत विधायक अप्रैल में होने वाले महापौर और उपमहापौर पद के चुनाव में मतदान करेंगे। पार्षदों के अलावा, दिल्ली के सात लोकसभा सदस्य (सभी भाजपा के), तीन राज्यसभा सदस्य (सभी ‘आप' के) और 14 मनोनीत विधायक दिल्ली नगर निगम के महापौर और उपमहापौर के लिए होने वाले चुनाव में मतदाता हैं। ‘आप' ने नवंबर 2024 में हुए पिछले महापौर चुनाव में तीन मतों के अंतर से जीत हासिल की थी।

भाजपा महापौर का पद हासिल करके ‘ट्रिपल इंजन' की सरकार बनाने की कर रही उम्मीद

पिछले महीने विधानसभा चुनावों में शानदार जीत हासिल करने वाली भाजपा महापौर का पद हासिल करके दिल्ली में ‘ट्रिपल इंजन' सरकार बनाने की उम्मीद कर रही है। अधिकारियों के अनुसार, एमसीडी में ‘आप' के 121 पार्षदों में से तीन ने विधानसभा चुनाव जीता, जबकि भाजपा के 120 पार्षदों में से आठ सदन के लिए चुने गए। ‘आप' ने 2022 के एमसीडी चुनावों में 134 वार्ड, भाजपा ने 104, कांग्रेस ने नौ और निर्दलीय ने तीन वार्ड जीते थे। भाजपा नेताओं ने जोर देकर कहा कि दिल्ली के सात लोकसभा सदस्यों, ‘आप' पार्षदों के पाला बदलने की संभावना और पार्टी के 11 विधायकों के मनोनीत सदस्य होने सहित पार्टी के मतों की संख्या से यह स्पष्ट है कि भाजपा महापौर पद का चुनाव जीतेगी। ‘आप' के तीन पार्षदों के भाजपा में शामिल होने के बाद 15 फरवरी को भाजपा एमसीडी में सबसे बड़ी पार्टी बन गई।

लोगों को आवागमन के दौरान करना पड़ रहा दिक्कतों का सामना

सीवर लाइन कार्य के दौरान सड़कों की मरम्मत में हो रही खानापूर्ति, जगह-जगह धंस रही हैं सड़कें

दया राम ⏭ नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी की दिल्ली सरकार द्वारा शुरू किया गया सीवर लाइन का कार्य इन दिनों लोगों के लिए परेशानी का सबब बना हुआ है। इन दिनों कहीं सड़के धंस रही हैं तो कहीं खुलाई के बाद सड़क बनी ही नहीं रही है और कहीं सीवर लाइन दब चुकी है तो सीवरलाइन के ढ़क्कन टूटने लगे हैं। बता दें कि बुराड़ी विधानसभा, बवाना विधानसभा और नरेला विधानसभा क्षेत्र में जहां जहां सीवरेज लाइन डाली जा रही है, वहां कुछ ही दिनों बाद सड़क धंसने की शिकायतें मिल रही है और कई जगह तो गली को खोद दिया गया और लोगों को आवागमन के दौरान काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। बता दें कि बुराड़ी विधानसभा क्षेत्र के इब्राहिमपुर गांव में मुख्य गलियों की हालत बहुत ही दयनीय नजर आई। यहां के स्थानीय निवासी सुनीत कुमार, देवेंद्र त्यागी ने बताया कि दिल्ली जल बोर्ड द्वारा इब्राहिमपुर गांव में सीवर लाइन बिछाई जा रही है और यहां सड़क मरम्मत के नाम पर खानापूर्ति की जा रही है। कोई भी भारी वाहन आ जाए तो सड़क धंस जाती है और वाहन फंस जाता है जिसके चलते रास्ता बंद हो जाता है और फिर यातायात जाम भी लग जाता है। इसके चलते जनता बेहद परेशान है। आसपास के सभी निवासी, राहगीर इसकी शिकायत जनप्रतिनिधियों से भी कर चुके हैं लेकिन जनता की सुनने वाला कोई नहीं है। यह सड़क इब्राहिमपुर से नंगली पूना जाती है।

बड़ी संख्या में लोगों का इस मार्ग पर आना जाना है। लोगों का कहना है कि दिल्ली की नई सरकार जल्द इस तरफ ध्यान दे और लापरवाह अधिकारियों पर समय रहते एक्शन ले ताकि कार्य की गुणवत्ता से खिलवाड़ ना हो सके और लोगों को परेशानी से राहत मिल सके। इसके अलावा बवाना के बेगमपुर इलाके के बेगम विहार स्थित सोम बाजार और हरदोई कॉलोनी, नरेला के सिंघू गांव में सीवेज लाइन की बदहाली से लोग परेशान है।

टूट गए सीवरेज ढक्कन

बता दें कि नरेला विधानसभा के सिंघू गांव में वाहनों के आवागमन के चलते जगह जगह सीवेज लाइन के ढक्कन टूट गए हैं और कई जगह तो हालात ऐसे हैं कि बारिश में जलभराव के चलते दुर्घटना भी हो सकती है। दिल्ली जल बोर्ड को इसकी जानकारी भी दी गई है लेकिन हालात जस के तस हैं और स्थानीय निवासी परेशान हैं।

निगम शिक्षक ने बचायी डूबते हुए दो बच्चों की जान

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

- सतपाल को किया जाएगा सम्मानित : उपायुक्त

दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के नरेला जोन के अंतर्गत आने वाले निगम के एक स्कूल शिक्षक सतपाल द्वारा नहर में डूबते हुए दो बच्चों की जान बचाने का मामला सामने आया है। इसके बाद निगम के अन्य शिक्षक भी खुद को गर्वांवित महसूस कर रहे है। नरेला जोन के उपायुक्त पवन यादव ने इस मामले की पुष्टि करते हुए शिक्षक सतपाल को बहादुर बताया है और आगामी सप्ताह शिक्षक को सम्मानित करने की बात कही है, साथ ही कहा है कि निगम मुख्यालय में भी इसकी जानकारी दी जाएगी।

शिक्षक न्याय मंच नगर निगम के अध्यक्ष कुलदीप सिंह खत्री से मिली जानकारी के अनुसार कि नरेला जोन में कार्यरत शिक्षक सतपाल सिंह शुक्रवार को जब ड्यूटी से वापिस घर जा रहे थे तो नाहरी वाले पुल से पहले बहुत सारी गाड़ियां रुकी हुई थीं। पूछने पर पता चला कि दो बच्चे डूबते हुए बहते जा रहे थे। उसके साथ बच्चे आवाज लगाते चल रहे थे। बताया गया कि उसी समय शिक्षक सतपाल ने यह मंजर देखा तो तुरंत अपनी गाड़ी रोकी और सीधे नहर में कूद गए और दोनों बच्चों को अकेले ही बड़ी मुश्किल से एक एक करके बाहर निकाला। उसके बाद पेट से पानी निकालने के बाद दोनों बच्चों को थोड़ी देर बाद होश आ गया। अपनी जान पर खेलकर सतपाल ने दोनों बच्चों को बचा लिया। शिक्षकों ने बताया कि इस नेक, बहादुर व सराहनीय कार्य के लिए और बच्चों को नया जीवन प्रदान करने के लिए सतपाल को समस्त शिक्षक समाज की और से दिल से नमन है। उन्होंने कहा कि सतपाल का यह नेक कार्य हम सभी के लिए प्रेरणादायक है। हम सबको सतपाल ने गौरवान्वित किया है।

नई दिल्ली
रविवार, 23 मार्च 2025
चैत्र मास कृष्ण पक्ष,
नवमी वर्ष : 28, अंक : 342
पृष्ठ 12 मूल्य 2.00

मौसम
अधि. 32
न्यून. 16

हरिभूमि
मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

10 महाभारत के भीम की गदा के समान दुश्मन को चारों खाने चित करेगा 'तवास्य' युद्धपोत

haribhoomi.com

खबर संक्षेप

नवी मुंबई के शिरावने में लगी भीषण आग

मुंबई। नवी मुंबई के शिरावने के महाराष्ट्र औद्योगिक विकास निगम इलाके में भीषण आग लग गई।

अधिकारी ने कहा कि औद्योगिक विकास निगम (एमआईडीसी) इलाके में लगी भीषण आग पर काबू पाने के प्रयास जारी हैं। फायर डिपार्टमेंट के अधिकारी एसएल पाटिल ने कहा कि वे जल्द आग पर काबू पाने की कोशिश कर रहे हैं।

कई नेताओं ने दी बिहार दिवस की शुभकामनाएं

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी ने शनिवार को बिहार दिवस के मौके पर राज्य के लोगों को शुभकामनाएं

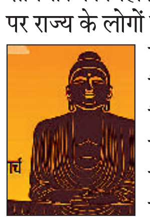

दी। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार बिहार के सर्वांगीण विकास के लिए हर संभव प्रयास करेगी। बिहार दिवस पर सभी बिहारवासियों को हार्दिक बधाई! इस पावन भूमि ने भारतीय इतिहास को गौरवान्वित किया है।

पहाड़गंज में सेक्स रैकेट का भंडाफोड़, 22 अरेस्ट

नई दिल्ली। दिल्ली के पहाड़गंज में देह व्यापार के एक बड़े रैकेट का खुलासा हुआ है। यहां लड़कियों को

ऑर्डर पर होटलों में पहुंचाया जा रहा था। जोमैटो और स्विगी की तर्ज पर यह कारोबार संचालित हो रहा था। डिलीवरी बॉय स्कूटी पर लड़कियों को होटलों तक पहुंचाकर वापस लाने का काम कर रहा था।

हरियाणा में जजपा नेता को गोली से उड़ाया

पानीपत। हरियाणा के पानीपत में जननायक जनता पार्टी (जजपा) नेता की गोली मारकर हत्या कर दी

गई। युवा नेता रविंद्र उर्फ मीना की शुक्रवार शाम करीब साढ़े सात बजे उसी के पड़ोसी ने गोली मारकर हत्या कर दी। साथ में 2अन्य लोगों को भी गोली मारी गई है। जांच में साली और उसके पति के बीच अनबन के कारण वारदात को अंजाम देने की बात सामने आई है।

प्राचीन गणेश व काली मंदिर पर चला बुलडोजर

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में अतिक्रमण हटाने का काम भी चल रहा है। शनिवार तड़के यमुना नगर

में पुराने मंदिरों पर प्रशासन का बुलडोजर चल गया। इससे लोगों में काफी नाराजगी है। यमुना बाजार में सिंदूरी गणेश ,काली मंदिर को बुलडोजर से तोड़ दिया गया।

विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने लोकसभा में दी जानकारी

चीन का अवैध कब्जा स्वीकार नहीं, राजनयिक स्तर पर जताया विरोध, संप्रभुता पर नहीं असर

सीमावर्ती क्षेत्रों के आर्थिक विकास को गति दी जा रही | सामरिक और सुरक्षा जरूरतों को पूरा कर रहे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने शुक्रवार को संसद में बताया कि भारत को चीन के दो नए काउंटी (कस्बे) बनाने की जानकारी मिली है, जिसका कुछ हिस्सा लद्दाख में आता है। सरकार ने कहा कि इसका राजनयिक माध्यमों से 'कड़ा' विरोध दर्ज कराया गया है। विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा कि भारत सरकार ने उक्त क्षेत्र में भारतीय भू-भाग पर चीन के अवैध कब्जे को कभी स्वीकार नहीं किया है। नई काउंटी बनाए जाने से न तो इस क्षेत्र पर भारत की संप्रभुता के संबंध में हमारे दीर्घकालिक रुख पर कोई असर पड़ेगा और न ही इससे चीन के अवैध और जबरन कब्जे को वैधता मिलेगी। उन्होंने कहा कि सरकार ने 'राजनयिक माध्यमों से इन घटनाक्रमों पर अपना कड़ा विरोध दर्ज कराया है।'

सीमा के करीब बुनियादी ढांचे में तेजी से सुधार किए जा रहे

विदेश मंत्रालय से पूछा गया था कि क्या सरकार को लद्दाख में भारतीय क्षेत्र को शामिल करते हुए होटन प्रांत में चीन द्वारा दो नई काउंटी बनाने के बारे में जानकारी है, यदि हां, तो सरकार ने इस मुद्दे को हल करने के लिए क्या रणनीतिक और कूटनीतिक उपाय किए हैं। इसके जवाब में विदेश राज्य मंत्री सिंह ने कहा कि भारत सरकार चीन के होतान प्रांत में तथाकथित दो नई काउंटी की स्थापना से संबंधित चीन की घोषणा से अवगत है। इन तथाकथित काउंटी के अधिकार क्षेत्र के कुछ हिस्से भारत के केंद्र-शासित प्रदेश लद्दाख में आते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार इस बात से भी अवगत है कि चीन सीमावर्ती क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे का विकास कर रहा है। भारत सरकार सीमावर्ती क्षेत्रों के विकास के लिए बुनियादी ढांचे में सुधार पर सावधानीपूर्वक और विशेष ध्यान दे रही है, ताकि इन क्षेत्रों के आर्थिक विकास को गति दी जा सके और साथ ही भारत की सामरिक और सुरक्षा आवश्यकताओं को भी पूरा किया जा सके।

सड़क-पुल और सुरंगों के नेटवर्क में इजाफा

विदेश राज्य मंत्री ने कहा कि पिछले दशक (2014-2024) में सीमा के पास के इलाकों में इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलप करने के लिए बजट आवंटन में इजाफा हुआ है। उन्होंने कहा कि अकेले सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) ने पिछले दशक की तुलना में तीन गुना ज्यादा खर्च किया है। उन्होंने कहा कि सड़क नेटवर्क, पुलों और सुरंगों की संख्या में पहले की तुलना में काफी ज्यादा इजाफा हुआ है। इससे स्थानीय आबादी को कनेक्टिविटी देने और सैनिकों को बेहतर रसद पहुंचाने में मदद मिली है।

चीन की काउंटी भारत में नगरपालिका जैसी

लद्दाख के करीब शिनजियान में होतान इलाके में दो नई काउंटी बनाई गई हैं। चीन में काउंटी एक प्रशासनिक इकाई है। इसे 'श्येन' कहा जाता है। काउंटी नगर पालिकाओं के नीचे की इकाई है, इसे कस्बा कहा जा सकता है। किसी काउंटी में ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्र आ सकते हैं। चीन ने पिछले साल दिसंबर में होतान प्रांत में दो नई काउंटी हेआन और हेकांग बनाने का ऐलान किया था। तब भारत ने साफ-साफ कहा था इन काउंटियों में मौजूद कुछ इलाके भारत के केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख का हिस्सा हैं और चीन का दावा पूरी तरह से अवैध है। तब चीन ने ब्रह्मपुत्र नदी पर एक डैम बनाने की भी घोषणा की थी।

इस साल शुरू होगी कैलाश मानसरोवर यात्रा

विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि कैलाश मानसरोवर यात्रा इस साल फिर से शुरू करने पर सहमति बन गई है, लेकिन इसके तौर-तरीकों को अब भी तय किया जाना बाकी है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रंधीर जायसवाल ने साप्ताहिक प्रेस वार्ता के दौरान इस तीर्थयात्रा के बारे में पूछे गए एक सवाल के जवाब में यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि कहा यह सहमति बन गई है कि यात्रा 2025 में फिर से शुरू होगी। हालांकि, यह फिर से कैसे शुरू होगी और इसके तौर-तरीके क्या होंगे, इस पर अभी चर्चा होनी बाकी है। सरकार हर साल जून से सितंबर के बीच उत्तराखंड में लिपुलेख दर्रा (1981 से) और सिक्किम में नाथू ला (2015 से) के दो आधिकारिक मार्गों से कैलाश मानसरोवर यात्रा का आयोजन करती है।

कुरुक्षेत्र 1000 कुंडी यज्ञ में बवाल

फायरिंग में एक को लगी गोली, बाउंसरों ने 'पीटा'

ब्राह्मणों को बासा खाना परोसने को लेकर विवाद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कुरुक्षेत्र

केशव पार्क में चल रहे 1000 कुंडीय महायज्ञ में शनिवार को खाने को लेकर विवाद इतना बढ़ गया कि माहौल तनावपूर्ण हो गया। आरोप है कि ब्राह्मणों को बासी खाना परोसने को लेकर कहासुनी हो गई, जिसके बाद स्थिति बिगड़ गई। विवाद के दौरान एक सुरक्षाकर्मी ने गोली चला दी, जो आशीष तिवारी नामक ब्राह्मण को लगी। उन्हें गंभीर हालत में लोकनायक जयप्रकाश नागरिक अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। जिसके बाद ब्राह्मणों ने जमकर हंगामा किया। ऐसा कहा जा रहा है कि इसमें 23 लोग घायल हो गए हैं। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

ब्राह्मणों ने बैनर होर्डिंग फाड़े

नाराज ब्राह्मण महायज्ञ स्थल से बाहर निकले और तोड़फोड़ व पथराव शुरू कर दिया। गुस्साए ब्राह्मणों ने महायज्ञ की यज्ञशाला का मुख्य द्वार तोड़ दिया। डंडे-पत्थरों से रोड पर लगे बैनर-होर्डिंग भी फाड़ दिए। फिर उन्होंने थीम पार्क के बाहर कुरुक्षेत्र-कैथल रोड पर जाम लगा दिया। वहां से गुजरने वाली गाड़ियों को जबरन रोकना शुरू कर दिया।

बाउंसरों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई हो

इसके बाद पुलिस ने लाठीचार्ज करके ब्राह्मणों को रोकने की कोशिश भी की, लेकिन बड़ी संख्या में ब्राह्मण सड़कों पर जमे रहे। ब्राह्मण का कहना है कि बाउंसरों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। फिलहाल मामला तनावपूर्ण किंतु नियंत्रण में है। आयोजकों और पुलिस प्रशासन ने मामले को शांत किया है। पुलिस प्रशासन ने घटना की जांच शुरू कर दी है।

यज्ञ नष्ट करने की साजिश: आयोजक

इस बवाल के बाद यज्ञ आयोजक स्वामी हरिओम दास ने कहा कि हमारे ऊपर आरोप-प्रत्यारोप जो लगाते है, ठीक है, लेकिन यज्ञ को संपूर्ण करें, मेरी ये प्रबल इच्छा है। किसी भी प्रकार से कोई त्रुटि हुई होगी, उसकी जांच कर उचित दंड दिया जाए। इतने लोग है, अब हम हर आदमी को नहीं जानते। कौन बहरूपिया किस रूप में आकर फायरिंग करता है, मैं कैसे कहूं। कुछ षडयंत्रकारी यज्ञ को किसी भी तरह नष्ट करना चाहते हैं।

विश्व जल दिवस पर प्रधानमंत्री ने कहा

जल संरक्षण और इसके सतत विकास के प्रति सरकार प्रतिबद्ध

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पीएमनरेंद्र मोदी ने विश्व जल दिवस पर जल संरक्षण और सतत विकास के प्रति

सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने पानी बचाने पर जोर दिया और जल सुरक्षा के लिए चल रहे प्रयासों को उजागर किया। हर साल 22 मार्च को मनाया जाने वाला विश्व जल दिवस 1993 से शुरू हुआ था। इसका उद्देश्य ताजे पानी के महत्व को उजागर करना और सतत विकास लक्ष्य 6 को पूरा करना है।

यह जीवन का आधार और अहम संसाधन

पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा, विश्व जल दिवस पर हम जल संरक्षण और सतत विकास को बढ़ावा देने के अपने संकल्प को दोहराते हैं। जल ही जीवन का आधार है। जल जीवन का आधार और दुनिया का सबसे अहम संसाधन है। पीएम मोदी ने जल संकट को देश के विकास के लिए भी खतरा बताया।

श्री सांवलिया सेठ मंदिर को मिला 29 करोड़ का चढ़ावा

मेवाड़। यहां के सुप्रसिद्ध कृष्णधाम सांवलियाजी में भगवान श्री सांवलिया सेठ के भंडार से 29 करोड़ 09 लाख 63 हजार 292 की रिकॉर्ड भेंट राशि निकली है। प्रतिमाह कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को ठाकुरजी का भंडार खोला जाता है, लेकिन इस बार गुरुवार को होलिका दहन के दिन डेढ़ महीने में खोला गया। भंडार से प्राप्त राशि की गणना गुरुवार को पहले चरण के रूप में की गई। पहले चरण में 07 करोड़ 55 लाख, दूसरे चरण में ठाकुरजी के भंडार से 04 करोड़ 97 लाख 20 हजार, तीसरे चरण की गणना में 04 करोड़ 72 लाख 75 हजार, चौथे चरण की गणना में 04 करोड़ 75 लाख 20 हजार और अंतिम पांचवें चरण की गणना में ठाकुरजी के भंडार से 02 करोड़ 44 लाख 79 हजार 700 रुपए की राशि प्राप्त हुई।

सेम डायरेक्शन... मैं केवल भुवनेश्वर के लिए सहयात्री था

थरूर-पांडा की सेल्फी पर सवाल

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

कांग्रेस सांसद शशि थरूर एक बार फिर सेल्फी को लेकर चर्चाओं में हैं।

इस बार सेल्फी में शशि थरूर भाजपा सांसद बैजयंत जय पांडा के साथ दिख रहे हैं। कुछ समय कांग्रेस और शशि थरूर के बीच आपसी मतभेद की खबरें हैं। थरूर की नई सेल्फी कई तरह के सवाल पूछ जरूर खड़े कर रही है। इस बार की ये सेल्फी पांडा ने साझा किया है।

हम एक ही दिशा में यात्रा कर रहे थे

पांडा ने शुक्रवार रात फोटो शेयर किया। मेरे मित्र और सहयात्री ने मुझे यह कहने पर शरारती कहा कि हम अंततः एक ही दिशा में यात्रा कर रहे हैं। पांडा के इस पोस्ट का जवाब देते हुए थरूर ने लिखा कि यात्रा के दौरान की सेल्फी थी। मैं सिर्फ एक सहयात्री था। केवल भुवनेश्वर के लिए सहयात्री! मैं सुबह कलिंग लिटफेस्ट को संबोधित कर रहा हूं।

अमृत उद्यान में 'पर्पल फेस्ट' का किया गया आयोजन

सामाजिक न्याय, गरिमा और समानता रहे अक्षुण्ण

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को 'सुगम्य भारत अभियान' सहित विभिन्न पहलों के माध्यम से दिव्यांग लोगों को सशक्त बनाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर दिया, जो भौतिक और डिजिटल दोनों तरह की पहुंच पर केंद्रित है। उन्होंने सामाजिक न्याय मंत्रालय द्वारा राष्ट्रपति भवन में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम 'पर्पल फेस्ट 2025' को संबोधित करते हुए सामाजिक न्याय, गरिमा और समानता के भारत के संवैधानिक मूल्यों को दोहराया। इस उत्सव का उद्देश्य दिव्यांग व्यक्तियों को सशक्त बनाना है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने महोत्सव का किया दौरा, संबोधन भी दिया

सामाजिक मानव के आदर्श का पालन करें

राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि देवियों और सज्जनो, भारत का संविधान हमें आदर्श सामाजिक मानव प्रदान करता है। हमारे संविधान की प्रस्तावना सामाजिक न्याय, प्रतिष्ठता, क्षमता और व्यक्ति की गरिमा की बात करती है। 'सबका साथ, सबका विकास' के दृष्टिकोण से प्रेरित होकर सरकार विकलांग व्यक्तियों को सशक्त बनाने और उनकी समान भागीदारी सुनिश्चित करने की दिशा में काम कर रही है।

कौशल दिखाने का अहम मंच बताया

राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि करुणा, समावेशिता और सद्भावना भारतीय सभ्यता का अभिन्न अंग हैं। राष्ट्रपति भवन में दिव्यांग लोगों का स्वागत करते हुए राष्ट्रपति मुर्मू ने उन्हें आश्वासन दिया कि हमारे दरवाजे हमेशा उनके लिए खुले हैं और पर्पल फेस्ट को कौशल और प्रतिभा दिखाने का एक अवसर बताया।

खबर संक्षेप

जीडीए ने 47 भूखण्डों को ध्वस्त किया

गाजियाबाद। अवैध निर्माण पर जीडीए का प्रहार शनिवार को भी जारी रहा। जीडीए के बुलडोजर ने

पांच कॉलोनियों में 47भूखंडों को ध्वस्त कर दिया गया। प्रवर्तन जोन-8 के प्रभारी के नेतृत्व मे उप्र नगर नियोजन एवं विकास अधिनियम 1973 की धारा-14 व 15 के प्राविधानों के अन्तर्गत निस्तौली, असालतपुर फारूखनगर गाजियाबाद में पूर्व निर्मित 05 कॉलोनियों में लगभग 47 भूखण्डों की बाउण्ड्रीवाल का ध्वस्तीकरण किया गया।

अवैध हथियार रखने के आरोपी पुलिस गिरफ्त में

फरीदाबाद। अपराध शाखा सेक्टर-85 ने घर में चोरी करने के मामले में एक आरोपी उज्जवल को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि गांधी कालोनी में रहने वाली एक महिला ने 27 मई 2024

को थाना एनआईटी फरीदाबाद में दी अपनी शिकायत में बताया कि घर पर ताला लगाकर काम पर गए थे, जब शाम को वापिस आए तो देखा कि कमरे का ताला टूटा हुआ था और घर मे समान बिखरा पड़ा था।

फरीदाबाद में हत्या कर भागी महिला गिरफ्तार

फरीदाबाद। लोहे के पाइप से 31 वर्षीय युवक को मौत के घाट उतारने वाली महिला को नवीन

नगर चौकी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी महिला को 8 महीने बाद कानपुर से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने महिला को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया है। बीते 30 जून को रोशन नगर फरीदाबाद की रहने वाली रुखसाना ने पुलिस चौकी नवीन नगर को शिकायत दी थी। जिसमें रुखसाना ने बताया कि 29 जून की शाम को वह डयूटी अपने घर पर पहुंची थी।

योजनाओं को धरातल पर लाने के लिए चल रहे कार्यों की आयुक्त के समक्ष दी प्रस्तुति

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

प्रमुख सचिव नगर विकास अमृत अभिजात ने शनिवार को गाजियाबाद नगर निगम मुख्यालय पहुंचकर शहर हित में चल रहे विभागों के कार्यों की समीक्षा बैठक की। बैठक में नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक को निगम के कार्यों की प्रेजेंटेशन दी गई जिसमें विशेष रूप से इंदिरापुरम के कार्यों, शासन की योजनाओं को धरातल पर लाने के लिए चल रहे कार्यों की प्रेजेंटेशन दी। साथ ही गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अतुल वत्स ने वर्ष 2025 2026 और 2027 की योजनाओं को साझा किया गया। मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल द्वारा शहर हित में चल रही योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी। गाजियाबाद को ग्रीन गाजियाबाद बनाने के लिए अमृत अभिजात ने उपस्थित जी डी ए, नगर निगम तथा प्रशासनिक विभागों को संयुक्त रूप से योजना बनाने के लिए कहा गया। साथ ही गाजियाबाद नगर निगम के पार्कों तथा गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के पार्कों को पूर्ण रूप से विकसित और सुंदर बनाने के निर्देश दिए गए।

खास बातें

- गाजियाबाद को ग्रीन बनाने के लिए जीडीए, निगम तथा प्रशासन संयुक्त रूप से योजना बनाएंगे
- सीएम ग्रिड के चल रहे कार्यों का लिया जायजा स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत शौचालय का किया गया

ननि मुख्यालय पहुंचे प्रमुख सचिव नगर विकास, जीडीए, ननि तथा प्रशासन के कार्यों को लेकर की समीक्षा बैठक

टीम को मोटिवेट किया

समीक्षा बैठक से पूर्व अमृत अभिजात प्रमुख सचिव नगर विकास सीएम ग्रिड योजना के अंतर्गत चल रहे कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया गया, कार्यों की रफ्तार में तेजी देखकर टीम को मोटिवेट किया। इसके अलावा स्वास्थ्य विभाग द्वारा वायु गुणवत्ता सुधार के लिए खरीदी जा रही आधुनिक एंटी स्मोक गण तथा वॉटर स्प्रिंकलर का डेमो लिया। सेल्फ प्रोपलड रोड शिपिंग मशीन का डेमो भी लिया गया, स्वच्छ भारत मिशन के क्रम में प्रमुख सचिव तथा नगर आयुक्त ने नवयुग मार्केट स्थित नवनिर्मित शौचालय का उद्घाटन भी किया गया जिसमें शौचालय को पूर्ण रूप से व्यवस्थित रखने के लिए प्रमुख सचिव द्वारा टीम को मोटिवेट किया गया इंटीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम के अंतर्गत गाजियाबाद नगर निगम मुख्यालय में बनाई जा रही

बिल्डिंग का निरीक्षण किया। कार्य को गुणवत्ता पूर्वक तेजी से करने के निर्देश निर्माण विभाग को दिए गए। नगर आयुक्त ने बताया कि गाजियाबाद नगर निगम द्वारा ग्रीन म्युनिसिपल बौंड के अंतर्गत अंतिम रूप से चल रहे कार्यों, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन हरित वेस्ट मैनेजमेंट पर चल रहे कार्यों का प्रमुख सचिव महोदय के समक्ष प्रेजेंटेशन दिया गया, जिसमें पार्कों से ग्रीन बेल्ट से उद्यान संबंधित उत्सर्जित वेस्ट के निस्तारण की प्लानिंग को साझा किया गया।

यह लोग उपस्थित रहे

समीक्षा बैठक में गाजियाबाद नगर निगम से अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार, मुख्य अभियंता निर्माण नरेंद्र कुमार चौधरी, प्रभारी प्रकाश कामाख्या प्रसाद आनंद प्रभारी उद्यान डॉक्टर अनुज उपस्थित रहे।

'उन्नत बिहार, विकसित बिहार' की थीम पर होगा कार्यक्रम

आज फरीदाबाद में धूमधाम से मनाया जाएगा बिहार दिवस, स्नेह मिलन कार्यक्रम का होगा आयोजन

समारोह में केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल, मंत्री विपुल गोयल, विधायक मूलचंद शर्मा, सतीश फागना, धनेश अदलक्खा, पूर्व विधायक, सभी वरिष्ठ भाजपा नेता, जिला अध्यक्ष, बिहार दिवस कार्यक्रम के संयोजक व सह संयोजक, भाजपा पदाधिकारी एवं भाजपा कार्यकर्ता और फरीदाबाद में रहने वाले बिहार के लोग उपस्थित रहेंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

भाजपा बिहार के प्रदेश मंत्री सरोज झा ने भाजपा जिला कार्यालय अटल कमल पर आयोजित प्रेस वार्ता में बताया कि बिहार दिवस के उपलक्ष्य पर आज 23 मार्च को देश के 75 शहरों में स्नेह मिलन कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे फरीदाबाद के सेक्टर-15 स्थित सामुदायिक भवन में भी बिहार दिवस पर स्नेह मिलन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। फरीदाबाद के केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर, हरियाणा सरकार में मंत्री विपुल गोयल, राजेश नागर, विधायक मूलचंद शर्मा, सतीश फागना, धनेश अदलक्खा, पूर्व विधायक, सभी वरिष्ठ भाजपा नेता, जिला अध्यक्ष, बिहार दिवस कार्यक्रम के संयोजक व सह संयोजक, भाजपा पदाधिकारी एवं भाजपा कार्यकर्ता और फरीदाबाद में रहने वाले बिहार के लोग उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम में भाजपा के राष्ट्रीय मीडिया सह प्रभारी व प्रवक्ता एवं बिहार से एमएलसी संजय मायूख और भाजपा बिहार प्रदेश मंत्री सरोज झा मुख्य तौर पर उपस्थित रहेंगे। प्रेस वार्ता में भाजपा जिला अध्यक्ष पंकज पूजन रामपाल, बल्लभगढ़ जिला अध्यक्ष सोहनपाल सिंह और बिहार दिवस कार्यक्रम के जिला संयोजक राजकुमार वोहरा, जिला महामंत्री सुरेन्द्र जांगड़ा आदि।

10-12 वर्षों के कार्यकाल में बिहार की तस्वीर में बदलाव आया

सरोज झा ने कहा कि क्रांति और शांति की धरती बिहार ने भारतीय इतिहास में कई महत्वपूर्ण योगदान दिए हैं। बोधगया में भगवान बुद्ध ने ज्ञान प्राप्त किया, प्राचीन काल में ज्ञान का केंद्र नालंदा विश्वविद्यालय विश्व का सबसे पुराना विश्वविद्यालय है। बिहार को चंद्रगुप्त मौर्य और अशोक जैसे महान सम्राटों की कर्म स्थली के रूप में भी जाना जाता है। महान गणितज्ञ और खगोलशास्त्री आर्यभट्ट का जन्म भी बिहार में ही हुआ। अपनी गौरवशाली धरोहर के कारण बिहार ने न केवल भारत, बल्कि पूरी दुनिया में अपनी पहचान बनाई है। एनडीए सरकार के 10-12 वर्षों के कार्यकाल में बिहार की तस्वीर में बहुत बदलाव आया है। शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़कों और बुनियादी ढांचे में निरंतर सुधार हो रहे हैं और बिहार एक अति पिछड़े राज्य से आगे बढ़कर एक उन्नत और विकसित राज्य के रूप में भी अपनी पहचान बना रहा है।

देश की एकता एवं श्रेष्ठता में बिहार का योगदान सर्वोत्तम : राधामोहन सिंह

गाजियाबाद। पूर्व केंद्रीय मंत्री व रक्षा संबंधी स्थाई समिति के सभापति राधामोहन सिंह ने शनिवार को यहां कि देश की एकता एवं श्रेष्टता में बिहार का सर्वोत्तम योगदान है। राधामोहन आरडीसी स्थित कृष्णा सागर होटल में प्रेस को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत सिर्फ जमीन का टुकड़ा नहीं है, बल्कि जीता-जागता राष्ट्र पुरुष है, ऐसा हमारे नेता भारत रत्न अटल जी कहा करते थे । इसी विचार को आगे बढ़ाते हुए 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' अभियान की संकल्पना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के 140 करोड़ जनता के सामने रखा है। यह अभियान राष्ट्र की एकात्मता एवं श्रेष्टता को समर्पित है, ताकि विभिन्न राज्यों के बीच बेहतर समन्वय बन सके एवं राष्ट्रीय एकता को मजबूत किया जा सके। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विगत वर्षों में देश तेज गति से प्रगति कर रहा है और इस प्रगति को मजबूत करने में बिहार के लोगों का पसीना सबसे ज्यादा बहा है, क्योंकि बिहार सदियों से सृजनकर्ता राज्य रहा है, जो स्वयं तपता तो है लेकिन उसका लाभ समाज के हर संभव वर्ग तक पहुँचता है। भारत के गौरवशाली इतिहास को गढ़ने में बिहार की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। राजनीतिक, सामाजिक, शैक्षणिक, आध्यात्मिक गतिविधियों का केंद्र बिहार रहा है। भारत के उत्तरोत्तर प्रगति के वाहक के रूप में बिहार के लोगों की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वयं कई बार प्रशंसा की है जो बिहार के साथ उनके जुड़ाव एवं बिहार के प्रति चिंता/सोंच को दर्शाती है। यह यथार्थ है कि, बिहार के लोगों ने शिक्षा, शिक्षण, आईटी, नौकरशाही, व्यवसाय जगत, मीडिया, लघु एवं मध्यम निर्माण इकाइयों, कल-कारखानों के कामगार, अवसंरचना निर्माण कामगार से लेकर हर प्रकार के काम से अपनी पहचान बनायी है तथा देश के लगभग हर कोने को अपने श्रम से उसे सजाया है और सुंदर बनाया है। उन्होंने सभी प्रवासी भाईयों बहनों एकजुट होकर अपनी कर्मभूमि गाजियाबाद केअनंत रॉयल डायमंड फॉर्म हाउस कनावनी में 23 मार्च 2025 को 4 बजे दिन रविवार को एकत्र होकर अपने जन्मभूमि बिहार में बहार लाने का संकल्प लें।

▶ पूर्व केंद्रीय मंत्री ने की प्रवासी लोगों से विहार दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने की अपील

ससुर करता था आरोपी के साथ छेड़छाड़

ससुर की क्रिकेट बैट से हमला कर हत्या करने वाली पुत्रवधु गिरफ्तार, बैट बरामद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

शुक्रवार की रात कविनगर थाना क्षेत्र के गोविंदपुरम में हुई स्वास्थ विभाग से रिटायर 63वर्षीय बुजुर्ग की हत्या का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने मरने वाले की पुत्रवधु को गिरफ्तार किया है। पुलिस का कहना है कि मृतक अपनी विधवा पुत्रवधू से छेड़छाड़ करता था। जिसके चलते बहू ने उसकी हत्या की। पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल क्रिकेट बेट भी बरामद कर लिया है।

डीसीपी नगर राजेश कुमार ने बताया कि ग्राम चौकीदार मलखान सिंह निवासी ग्राम हरसांव कविनगर से सूचना मिली कि मकान शांतिकुंज गोविंदपुरम के मालिक पाती सिंह की हत्या कर दी गई है। सूचना पर थाना कविनगर पुलिस टीम मौके पर पहुँची और जाँच पड़ताल की। जांच में पता चला कि घर के अंदर कमरे में व अंदर वाले गेट के बाहर खून पड़ा है। गेट को खोलकर देखा तो एक व्यक्ति जिसका नाम पाती सिंह उम्र 63 वर्ष है, अर्धनग्न अवस्था में खून से लथपथ मृत अवस्था में पड़ा था। आस-पड़ोस के लोगों व दौराने जाँच सीसीटीवी फुटेज और मृतक की पुत्रवधु आरती पत्नि जितेन्द्र सिंह को गिरफ्तार किया गया। पुलिस को आरती ने पूछताछ में बताया कि मेरे पति की 4 साल पहले मौत हो गई थी। मेरा अपने ससुर से विवाद चल रहा था। अभी एक महीना पहले मुझे कोर्ट के आदेश पर प्रथम तल पर कब्जा मिला है, क्योंकि मेरे ससुर मुझे जायदाद में हिस्सा नहीं देना चाहते थे। पूछताछ में आरती ने बताया कि मेरे ससुर का कुछ स्त्रियों से अनैतिक संबंध था। मेरे ससुर अपनी जायदाद इस स्त्रियों के नाम करना चाहते थे। जबकि मेरा ससुर मेरे साथ छेड़खानी करता था।

आरोपी आरती ने बताया कि शुक्रवार सुबह झाड़ू लगाते समय ससुर ने उसके प्राईवेट अंगों को पकड़ा था। सुबह उसने कुछ नहीं कहा। लेकिन वो बहुत ज्यादा गुस्से में थी। ससुर एक्टिवा से शाम के समय घर आए और गेट का ताला खोलने लगे।

हरियाणा बिजली पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन जिला फरीदाबाद की बैठक आयोजित

पेंशन पेमेंट ऑर्डर बुक जारी करवाने और कैशलेश मेडिकल फैसिलिटी पर हुई चर्चा

कम्यूटेशन की रिकवरी घटाकर 10 साल 8 महीने करने की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

हरियाणा बिजली पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन जिला फरीदाबाद के तत्वाधान में फरीदाबाद के बिजली पेंशनर्स की बैठक का आयोजन जैन स्थानक सेक्टर-7 फरीदाबाद में किया गया। सभा की अध्यक्षता विजय पाल भाटी एवं प्रधान देवी दयाल दिसोदिया व संचालन सचिव बीएस भंडारी व सुभाष त्यागी द्वारा किया गया। मीटिंग में कम्यूटेशन रिकवरी की कटौती का समय घटाने, जुलाई में लगने वाली वेतन वृद्धि, कैशलेश मेडिकल फैसिलिटी, पेंशन पेमेंट ऑर्डर बुक जारी करवाने, रिविजन ऑफ पेंशन की अदायगी व ट्रेनी भर्ती होने वाले आई टी आई ट्रेनीज, डिप्लोमा ट्रेनीज, जीटीए/ एई ट्रेनीज को एक जनवरी 1986 से नोशनल आधार पर संशोधित रेगुलर वेतनमान की पे का लाभ दिलवाने सहित अन्य समस्याओं के समाधान पर विचार विमर्श किया गया। केंद्रीय परिषद के नेता बीर सिंह ने कहा कि सातवें वेतन आयोग की सिफारिशों के मुताबिक अभी तक अभी पेंशनर्स को संशोधित पेंशन का एरियर का भुगतान अभी तक नहीं हो पाया है।

लाखन सिंह ने बताया कि जनवरी 2016 से न्यनतम पेंशन/फैमिली पेंशन 900 रुपए मिलती हैं। बी एस भंडारी ने कैशलेश सुविधा के बारे नए फॉर्म भरने की जानकारी सांझा की। एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष देवी दयाल दिसोदिया ने अपने विचार रखते हुए बताया कि सरकार पिछले पांच साल से नगदी रहित चिकित्सा सुविधा देने का वायदा तो कर रही है परंतु जमीनी स्तर पर इसका लाभ मिलने में कठिनाइयां आ रही हैं। सरकार को इस सुविधा को सुनिश्चित करने के आदेश जारी करने चाहिए। इसी तरह से कम्यूटेशन की रिकवरी के लिए हरियाणा पेंशन नियम में 15 साल को घटा कर 10 साल 8 महीने करने की अपील की है। हरियाणा सरकार की तर्ज पर बिजली पेंशनर्स फैमिली पेंशनर्स को भी पति-पत्नी के ज्वाइंट फोटो के साथ पीपीओ बुक दी जानी चाहिए। पेंशन पेमेंट ऑर्डर बुक ज्वाइंट फोटो के साथ पेंशनर्स का मूल दस्तावेज है। मुख्य अभियंता थर्मल पानीपत कार्यालय द्वारा एसोसिएशन को मीटिंग देने पर भी ढुल मुल रवैया अपनाया जा रहा है। जबकि सरकार अधिकारियों को जनता के मद्दे सुनने व समाधान के दावे कर रही हैं। यही नहीं भारतीय संसद के दोनों सदनों से पारित रोजगार कार्यालय कंपलसरी नोटिफिकेशन ऑफ वेकेंसीज एक्ट 1959 के तहत भर्ती एवं तरक्की नीति में टेक्नीशियन, जे ई, फोरमैन, ए ई के पदों पर अपाइंटमेंट से पहले ट्रैनिंग पीरियड का प्रावधान तो कर दिया गया है परंतु महामहिम राष्ट्रपति के स्पष्टीकरण आदेश व चौथे वेतन आयोग की सिफारिशों के मुताबिक 1 जनवरी 1986 को या उसके बाद ट्रैनिंग कंप्लीट करने वाले कर्मचारियों को नोशनल आधार पर रेगुलर पोस्ट के पे स्केल के वेतन का लाभ नहीं दिया।

कैदी एवं उनके परिवार के लिए नि:शुल्क परामर्श पैनल का गठन किया गया

फरीदाबाद की इंस्पेक्टिंग जज को ऑल इंडिया लायर्स फोरम ने सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

ऑल इंडिया लायर्स फोरम के वाइसचेयरमैन विकास वर्मा एडवोकेट एवं राजेश खटाना एडवोकेट ने पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट की जज एवं फरीदाबाद की इस्पेक्टिंग जज श्रीमती लीजा गिल को एक ज्ञापन सौंपा गया। जिसमें जिला जेल में विचाराधीन कैदी एवं उनके परिवार के लिए निःशुल्क परामर्श एवं कानूनी सहायता के लिए एक पैनल का गठन किया गया। जिसमें जिला अदालत फरीदाबाद से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक अधिवक्ता शामिल हैं। इस पैनल में मुख्य रूप से हरियाणा के पूर्व सहायक एडवोकेट जनरल एवं सुप्रीम कोर्ट में एडवोकेट ऑन रिकार्ड विकास वर्मा तथा पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट के लिए वरूण शर्मा एवं संजय वर्मा, फरीदाबाद जिला अदालत के लिए

मनीष वर्मा एडवोकेट तथा राजेश खटाना एडवोकेट, मुकेश कुमार, महेश यादव, शिखा शर्मा, एवं संदीप खटाना एडवोकेट को शामिल किया गया है जोकि ऑल इंडिया लायर्स फोरम के पैनल पर कार्यरत रहेंगे। यह एक सामाजिक न्याय को मजबूत करने की पुरजोर पहल है जिससे कैदियों के परिवार वाले कई बार परेशान होते हैं तथा अन्य बाहरी राज्य होने के कारण उनको न्याय के लिए भटकना पड़ता है, यह पैनल उनके कानूनी पैरवी एवं अधिकारों के हितों की रक्षा करने के लिए प्रयासरत रहेगा।

राजेश खटाना एडवोकेट ने हाई कोर्ट न्यायाधीश से निवेदन किया कि फरीदाबाद जिला अदालत कोर्ट में युवा अधिवक्ताओं के कोर्ट में पेश होने पर उन सभी के नाम ऑर्डर शीट में शामिल होने चाहिए ताकि युवा अधिवक्ताओं को भी सम्मानजनक महसूस हो सके। न्यायाधीश ने इन प्रस्तावों की सराहना की ताकि सभी लोगों को उनके मौलिक अधिकार एवं कानूनी हितों की रक्षा होना अत्यंत आवश्यक है।

नए कानूनों की जानकारी दें

ऑल इंडिया लायर्स फोरम के वाइसचेयरमैन विकास वर्मा ने माननीय न्यायाधीश के फरीदाबाद आगमन पर उनका स्वागत किया एवं उनको पुष्प गुच्छ भेंट किया। विकास वर्मा ने आग्रह किया कि फरीदाबाद के सभी युवा अधिवक्ताओं के लिए सेमीनार तथा नए कानूनों की जानकारी प्रदान करने के लिए समय-समय पर कार्यशाला आयोजित होना आवश्यक है।

अवैध खनन पर फरीदाबाद प्रशासन की कार्रवाई तेज

खनन सहित अन्य विभागों की संयुक्त टीम अवैध खनन की जांच के लिए देर रात फील्ड पर उतरी

अवैध खनन को रोकने के लिए निरंतर सख्त अभियान जारी रहेगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

हरियाणा सरकार अवैध खनन के खिलाफ कड़े कदम उठा रही है और खनन विभाग लगातार इस पर नजर बनाए हुए है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देशानुसार विभाग के महानिदेशक केएम पांडुरंग खुद खनन विभाग की गतिविधियों पर मॉनिटरिंग कर रहे हैं और जरूरी दिशा-निर्देश जारी कर रहे हैं। सरकार का मुख्य लक्ष्य खनन प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी बनाना और अवैध खनन को जड़ से खत्म करना है। खनन विभाग के महानिदेशक केएम पांडुरंग के आदेशानुसार विभागीय टीम पूरी सजगता व मुस्तैदी से अपना दायित्व निभाते हुए हर पहलू पर फोकस कर रही है।

जिला खनन अधिकारी कमलेश बिधलान ने जानकारी देते हुए बताया कि गत शुक्रवार को देर रात खनन विभाग सहित अन्य विभागों की संयुक्त टीम ने सेक्टर 59 बाईपास, बड़खल क्रेशर जोन आदि स्थानों का औचक निरीक्षण करते हुए वाहनों की जांच की। उन्होंने बताया कि जांच के दौरान सभी वाहनों के पास वैध ई-रवाना बिल पाए गए। उन्होंने बताया कि चेकिंग के दौरान फिलहाल कहीं भी कोई अवैध खनन होना नहीं पाया गया है और यदि कहीं नियमों की अवहेलना पाई जाती है तो वे तुरंत प्रभाव से आगामी आवश्यक कार्रवाई अमल में लाएंगी।

उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार अवैध खनन पर रोक लगाने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है और विभागीय स्तर पर निरंतर निगरानी रख रहे है। उन्होंने कहा कि महानिदेशक पांडुरंग व डीसी विक्रम सिंह के दिशा निर्देशों अनुरूप जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अवैध खनन को रोकने के लिए निरन्तर सख्त अभियान जारी रहेगा। इसके तहत जिले के विभिन्न क्षेत्रों में औचक निरीक्षण किए जा रहे हैं और दोषियों पर कठोर कार्रवाई की जा रही है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य खनन गतिविधियों को पारदर्शी बनाना और प्राकृतिक संसाधनों के अनियमित दोहन को रोकना है। हरियाणा सरकार का संकल्प है कि राज्य में अवैध खनन किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और इसके लिए जिम्मेदार लोगों पर कड़ी कानूनी कार्रवाई होगी।

विधान परिषद की संसदीय अध्ययन समिति की बैठक संपन्न

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश विधान परिषद की संसदीय अध्ययन समिति के सभापति सुरेन्द्र चौधरी ने शनिवार को यहां कहा कि केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित सभी योजनाओं को शत-प्रतिशत धरातल पर उतारा जाए। चौधरी दुर्गावती देवी सभागार, विकास भवन में गाजियाबाद, गौतमबुद्धनगर एवं बागपत के अधिकारियों के साथ बैठक रहे थे। इससे पहले सभापति समिति के विकास भवन पहुंचने पर गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। सुरेन्द्र चौधरी ने कहा कि केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित सभी योजनाओं को शत प्रतिशत धरातल पर उतारा जाए। इसके लिए समय-समय पर विशेष जागरूकता अभियान चलाया जाएं और जन-जन तक योजना का प्रचार करते हुए अंतिम पात्र व्यक्ति तक लाभ पहुंचाया जाए। उन्होने सभी विभागों को निर्देशित किया।

नवनियुक्त सीएमओ डॉ. आहूजा ने अस्पताल का निरीक्षण किया

मरीजों को समय पर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

जिला फरीदाबाद के नवनियुक्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ. जयंत आहूजा ने पदभार संभालते ही जिला नागरिक अस्पताल बीके का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान सीएमओ डॉ. आहूजा ने अस्पताल में भर्ती मरीजों एवं उनके परिजनों से वार्तालाप कर फीडबैक लिया। उन्होंने अस्पताल में आने वाले मरीजों को समय पर बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने तथा मरीजों के लिए पर्याप्त मात्रा में सभी जरूरी दवाओं को उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए।

सीएमओ डॉ. आहूजा ने सभी चिकित्सकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्धारित समय पर अपनी ड्यूटी पर उपस्थित रहने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अस्पताल में अनियमितता और गैरहाजिरी को गंभीरता से लिया जाएगा और नियमानुसार कार्यवाही भी की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अस्पताल परिसर में साफ-सफाई, मरीजों के परिजनों की बैठने की व्यवस्था, पेयजल आदि सुविधाओं का खास ख्याल रखने के निर्देश भी दिए।

113 साल का हुआ बिहार

तीन दिन रंगारंग कार्यक्रम, मुख्यमंत्री नीतीश ने किया शुभारंभ

एजेंसी ▶▶ पटना

बिहार शनिवार को 113 साल का हो गया है। वर्ष 1912 में 22 मार्च को बंगाल से अलग होकर बिहार प्रांत बना था। पटना के गांधी मैदान में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मुख्य समारोह का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर और गुब्बारे उड़ाकर किया। मुजफ्फरपुर, पूर्णिया, भागलपुर, मधेपुरा, गया समेत सभी शहरों में बिहार दिवस पर आयोजन रखे गए हैं। विदेश में भी प्रवासियों द्वारा बिहार दिवस मनाया जा रहा है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत अन्य नेताओं ने प्रदेश वासियों पीएम मोदी ने दी बिहार दिवस की बधाई।

खास बातें

- बिहार के लोगों के लिए खास रहेगा तीन दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रम
- परिश्रमी और प्रतिभाशाली बिहारवासियों की कार्यक्रमों में अहम भागीदारी

तीन दिवसीय बिहार दिवस के मुख्य समारोह की शुरुआत पटना के गांधी मैदान में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने की। पटना समेत सभी जिलों में इस मौके पर रंगारंग कार्यक्रम हो रहे हैं। तीन दिनों तक समृद्ध कला, संस्कृति, परंपरागत उद्योगों और आत्म निर्भर बिहार की झलक दिखेगी। गांधी मैदान के अलावा रवींद्र भवन व श्रीकृष्ण मेमोरियल हाल में सांस्कृतिक कार्यक्रम लोगों के लिए खास रहा।

पीएम मोदी ने बिहारवासियों को दी बधाई

पीएम मोदी ने शनिवार को सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, 'वीरों और महान विभूतियों की पावन धरती बिहार के सभी भाई-बहनों को बिहार दिवस की ढेरों शुभकामनाएं। भारतीय इतिहास को गौरवान्वित करने वाला हमारा यह प्रदेश आज अपनी विकास यात्रा के जिस महत्वपूर्ण दौर से गुजर रहा है, उसमें यहां के परिश्रमी और प्रतिभाशाली बिहारवासियों की अहम भागीदारी है। हमारी संस्कृति और परंपरा के केंद्र-बिंदु रहे अपने इस राज्य के चौतरफा विकास के लिए हम कोई कोर-कसर नहीं छोड़ेंगे।'

सरकारी भवन जगमग, गांधी मैदान में अभिजीत सहित अन्य गायकों ने बांधा समां

बिहार दिवस के मौके पर अगले तीन दिनों तक राज्यभर में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम रहेगी। सरकारी भवन नीली रोशनी से जगमग रहेंगे। पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में तीन दिवसीय मुख्य समारोह होगा। श्रीकृष्ण मेमोरियालय हॉल, रवींद्र भवन और प्रेमचंद रंगशाला में भी सांस्कृतिक कार्यक्रम और नाटक की प्रस्तुति है। गांधी मैदान में पहले दिन गायक अभिजीत भट्टाचार्य समां बांधा। प्रेमचंद रंगशाला में विशेष रूप से महिला थीम पर आधारित नाट्य उत्सव , जिसमें सभी पात्र महिलाएं थीं। नुक्कड़ नाटकों का मंचन भी हुआ।

पेज एक का शेष

शाहरुख ने बांधा समां...

ढोलना सुन'...पहला गाना गाया। उसके बाद मेरे ढोलना सुन..., घूमर-घूमर और कर हर मैदान फतह गाया। बॉलीवुड एक्ट्रेस दिशा पाटनी ने मलंग-मलंग में डांस किया। पंजाबी सिंगर करण औजला ने महौल पूरा बेवी-बेवी..., हुसन तेरा तौबा-तौबा गया...गया। औजला की प्रस्तुति में दिशा पाटनी ने डांस भी किया। आईपीएल 18 वें सीजन में 10 टीमें 74 मैच खेलेंगी। 12 दिन 2-2 मैच हैं।

24 महीने की देरी...

बीच वर्ष 2021 में हुए 716 मिलियन डॉलर के समझौते के बाद अमेरिकी कंपनी को एचएएल को कुल 99 एफ-404 इंजनों की सप्लाई का आगाज दो साल पहले यानी 2023 में ही कर देना चाहिए था। लेकिन वैश्विक कोरोना महामारी की वजह से सप्लाई चेन में आई दिक्कतों और अन्य देशों के साथ पूर्व निर्धारित समझौतों की समयबद्ध आपूर्ति की वजह से एचएएल को दो साल की देरी के बाद आखिरकार जनरल इलेक्ट्रिक से जी-404 की जल्द सप्लाई शुरू की जाएगी। मामले से जुड़े हुए अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एचएएल को सौंपा जाने वाला यह पहला जीई-404 इंजन फिलहाल परीक्षण के स्तर पर है। मार्च के अंत तक इसकी एचएएल को डिलीवरी कर दी जाएगी।

तेजस की देरी से नाखुश वायुसेनाप्रमुख: गौरतलब है कि जीई से इंजन न मिलने की वजह से एचएएल द्वारा वायुसेना को तेजस विमानों की आपूर्ति में हो रही देरी को लेकर बीते दिनों खुद वायुसेनाप्रमुख एयरचीफ मार्शल ए.पी.सिंह गंभीर रूप से नाराजगी जता चुके हैं। पिछले फरवरी महीने में बेंगलुरु में हुए अंतरराष्ट्रीय स्तर के वैमानिकी शो एयरो इंडिया-2025 में उन्होंने तेजस विमानों की समयबद्ध आपूर्ति न करने को लेकर एचएएल के समक्ष अपनी नाराजगी जताई थी। पूर्व में भी वह कई बार सार्वजनिक मंचों से एचएएल द्वारा वायुसेना को सौंपे जाने वाले सैन्य हथियारों की समयसीमा के बार-बार टूटने को लेकर भी चिंता जता चुके हैं।

32 स्क्वाड्रन से दो मोर्चों पर जंग असंभव: रक्षा विशेषज्ञ बताते हैं कि एयरचीफ मार्शल सिंह की एचएएल के प्रति उक्त नाराजगी के पीछे की मुख्य वजह वायुसेना में तेजी से घट रही लड़ाकू विमानों की स्क्वाड्रन की संख्या है। वर्तमान में उसके पास कुल करीब 32 स्क्वाड्रन हैं। जिनमें से प्रत्येक में कुल 16 से 18 लड़ाकू विमान होते हैं। लेकिन चीन और पाकिस्तान से दिनों दिन दो मोर्चों पर बढ़ते जा रहे युद्ध के साझा खतरे के बीच वायुसेना के पास लड़ाकू विमानों की अधिकृत कुल 42 स्क्वाड्रन होनी चाहिए। अगले लगभग 12 साल में वायुसेना अपने बेड़े में मौजूद जगुआर, मिराज-2000 और मिग-29 जैसे लड़ाकू विमानों को सेवानिवृत कर बाहर कर देगी। ऐसे में एचएएल से तेजस मिलने में हो रही देरी वास्तव में बल की चिंता बढ़ाने वाला एक गंभीर मामला है। जिस पर त्वरित कार्रवाई की जानी चाहिए।

भारत को इंजन देने का इच्छुक फ्रांस: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा के दौरान अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत को पांचवीं पीढ़ी का लड़ाकू विमान एफ-35 देने की पेशकश की थी। लेकिन भारत इसी के साथ-साथ फ्रांस के विकल्प पर भी विचार कर रहा है। जिसमें राफेल विमान निर्माता आत्मनिर्भर भारत मार्ग से भारत को एम-88 इंजन देने के इच्छुक हैं।

एचएएल से मिलेंगे...

आपूर्ति की जाएगी। पहले तेजस मार्क-1ए विमान ने मार्च-2024 में अपनी पहली उड़ान भरी थी। लेकिन तब उसमें नया इंजन नहीं बल्कि रिजर्व में मौजूद पुराने इंजन का प्रयोग किया गया था।

निजी क्षेत्र की...

कार्यक्रम में निजी क्षेत्र की भागीदारी संभव हो सकेगी। इस विचार के पीछे उद्देश्य एचएएल के अलावा देश की राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी हुई भावी जरूरतों को पूरा करने के लिए लड़ाकू विमानों का उत्पादन करने के लिए अन्य विकल्पों की मौजूदगी होना है। एचएएल, जीई-414 इंजन के तकनीक हस्तांतरण के जरिए देश में उत्पादन के लिए अमेरिकी कंपनी के साथ काम कर रही है। जिसमें भारत और अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों द्वारा निर्धारित इनिशिएटिव ऑन क्रिटिकल एंड इमरजिंग टेक्नोलॉजी (आईसीईटी) का अहम योगदान है। जीई-414 इंजन एएमसीए को ताकत प्रदान करेगा।

साहित्यकार विनोद कुमार ...

रचनाकारों में शुमार हैं। यह पुरस्कार 11 लाख रुपए की राशि, मां सरस्वती की कांस्य प्रतिमा और प्रशस्ति पत्र के साथ दिया जाता है। इस सम्मान को पाकर उन्होंने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा कि उन्होंने कभी इसकी कल्पना भी नहीं की थी। विनोद कुमार शुक्ल की रचनाओं में दीवार में एक खिड़की रहती थी (जिसके लिए उन्हें 1999 में साहित्य अकादमी पुरस्कार मिला), नौकर की कमीज (1979, जिस पर मणि कौल ने फिल्म बनाई), और कविता संग्रह सब कुछ होना बचा रहेगा (1992) प्रमुख हैं। ज्ञानपीठ पुरस्कार की शुरुआत 1961 में हुई थी और यह पहली बार 1965 में मलयालम कवि जी. शंकर कुरुप को दिया गया था। यह पुरस्कार केवल भारतीय लेखकों को ही प्रदान किया जाता है।

रचनात्मकता और अनूठी लेखन शैली: ज्ञानपीठ चयन समिति की बैठक में विनोद कुमार शुक्ल के नाम को अंतिम रूप दिया गया। इस बैठक की अध्यक्षता ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित लेखिका प्रतिभा राय ने की। चयन समिति ने अपने बयान में कहा कि यह सम्मान विनोद कुमार शुक्ल को हिंदी साहित्य में उनके विशिष्ट योगदान, रचनात्मकता और अनूठी लेखन शैली के लिए दिया जा रहा है। समिति के अन्य सदस्य माधव कौशिक, दामोदर माउजो, प्रभा वर्मा, अनामिका, ए. कृष्णा राव, प्रफुल्ल शिलेदार, जानकी प्रसाद शर्मा और ज्ञानपीठ निदेशक मधुसूदन आनंद भी इस बैठक में उपस्थित थे।

जस्टिस गवई...

हिंसा के विस्थापितों से मुलाकात की। राहत शिविरों का दौरा भी किया। इसके बाद प्रतिनिधिमंडल बिष्णुपुर के मोइरांग कॉलेज पहुंचा। चुराचांदपुर में 295 विधिक सेवा शिविर, स्वास्थ्य शिविर और विधिक सहायता क्लिनिक का जस्टिस गवई ने उद्घाटन किया। उन्होंने कहा- हमारे संविधान का उद्देश्य सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय पहुंचाना है। वहीं, जस्टिस कोटिश्वर सिंह ने कहा- मेरा मानना है एक दिन मणिपुर समृद्ध होगा। हमें अपने संविधान पर भरोसा रखना चाहिए। मणिपुर में एक दिन शांति स्थापित होगी और वह सफल होगा। हमें मिलकर यहां राहत पहुंचाने का काम करना चाहिए।

जस्टिस गवई ने कहा- हमारा नैतिक और संवैधानिक जिम्मेदारी है कि विस्थापित लोग हमसे पीछे न छूटें। उनकी आईडेंटिटी, डॉक्यूमेंट्स, संपत्ति का अधिकार या फिर मुआवजे के मामलों में पूरा अधिकार प्राप्त हो। उन्होंने कहा कि मणिपुर राज्य और मणिपुर राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण ने 265 कानूनी सहायता क्लीनिक स्थापित किए हैं। विस्थापित समुदायों के भीतर स्थापित कानूनी सहायता क्लीनिक मुफ्त कानूनी सहायता प्रदान करेंगे।उन्होंने कहा कि मैं सभी विस्थापित व्यक्तियों से इन सेवाओं का लाभ उठाने का आग्रह करता हूं। उन्हें आश्वस्त करता हूं कि हम उनके जीवन के पुनर्निर्माण की दिशा में उनके साथ खड़े हैं।

संघ ने कहा...

भी है। अरुण कुमार ने बयान में कहा कि हम बांग्लादेश के हिंदू वर्ग के साथ एकजुटता दिखाते हैं। हमने बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के प्रति एकजुटता दिखाते हुए मानवाधिकारों के उल्लंघन पर चिंता जताई है। हमें ये नहीं मानना चाहिए कि इस हिंसा की वजह सत्ता में बदलाव के चलते राजनीतिक ही है बल्कि इसका धार्मिक कारण भी है। अल्पसंख्यकों और हिंदुओं को लगातार निशाना बनाया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि बांग्लादेश में बीते साल शेख हसीना सरकार के सत्ता से बाहर होने के बाद से ही वहां अल्पसंख्यकों खासकर हिंदुओं के खिलाफ बड़े पैमाने पर हिंसा हुई। हिंसा की इन घटनाओं पर कई देशों ने चिंता जाहिर की। भारत ने भी इस पर कड़ी आपत्ति जताई। हालांकि इसके बावजूद बांग्लादेश में अल्पसंख्यक समुदाय लगातार कट्टरपंथियों के निशाने पर बना हुआ है।

भारत और पड़ोसी देशों के बीच अविश्वास पैदा करने की कोशिश: अरुण कुमार ने कहा कि धार्मिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा कोई नई नहीं है। साल 1951 में बांग्लादेश में हिंदू जनसंख्या 22 प्रतिशत थी, जो अब घटकर 7.95 प्रतिशत रह गई है। यह बड़ी गिरावट है। इस बार जो हिंसा हो रही है, उससे ऐसा लग रहा है कि इसे सरकार और सरकारी संस्थानों का भी समर्थन है। वहां भारत विरोध बढ़ रहा है। अपने प्रस्ताव में हमने अंतरराष्ट्रीय ताकतों को लेकर भी चिंता जाहिर की है। भारत और इसके पड़ोसी देश सिर्फ देशों का समूह नहीं हैं बल्कि इनका साझा इतिहास है। हमारे बीच बहुत कुछ समान है। कई वैश्विक शक्तियां भारत और इसके पड़ोसी देशों के बीच अविश्वास पैदा करने की कोशिश कर रही हैं।

टेक्सटाइल में बांग्लादेश दुनिया भर में छाया, भारत क्यों नहीं

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में शनिवार को पीएम मित्र पार्क इन्वेस्टर्स मीट का आयोजन किया गया। इसमें सीएम योगी आदित्यनाथ, कैबिनेट मंत्री राकेश सचान समेत कई व्यापारियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में उद्यमियों और मंत्री ने अपनी-अपनी बातें रखीं। यूपी में इन्वेस्ट करने पर चर्चा की गई। इस अवसर पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री ने भारत को टेक्सटाइल हब के रूप में स्थापित करने का मिशन बनाया है। सीएम रहते उन्होंने गुजरात को टेक्सटाइल हब बनाया। अब इस विजन को देश में सात पार्क स्थापित करके बढ़ाया। यूपी देश का एकमात्र राज्य है जहां पार्क राजधानी में स्थित है।

पुलिस का पहरा व बैरिकेडिंग, कई सड़कें पूरी तरह बंद

एजेंसी ▶▶ रांची

रांची में केंद्रीय सरना स्थल के पास फ्लाईओवर रैंप बनाने के विरोध में आज शहर बंद का ऐलान किया गया है। संयुक्त आदिवासी संगठनों द्वारा बुलाए गए रांची बंद का असर पूरे शहर में देखने को मिल रहा है। शहर के चप्पे-चप्पे पर पुलिस के जवान तैनात किए गए हैं। इस दौरान जगह-जगह बैरिकेडिंग के कारण पूरा शहर कैद सा हो गया है। हालांकि, किसी तरह की हिंसा की घटना अभी तक सामने नहीं आई है, लेकिन लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बंद के दौरान अरगोड़ा कटहल मोड रोड से दीपा टोली चौक होते हुए अरगोड़ा चौक आने-जाने वाले मार्ग को बंद समर्थकों ने पूरी तरह से बंद कर दिया है। इस रास्ते से किसी भी वाहनों को आने-जाने नहीं दिया जा रहा है। इसके साथ ही संत फ्रांसिस रोड से हरमू की ओर जाने वाली सड़क को पूरी तरह से बंद कर दिया है।

बंद समर्थक सुबह से ही सड़क पर उतर आए

रांची के सिरम टोली फ्लाईओवर के रैंप के विरोध में शनिवार को बंद समर्थक सुबह से ही सड़क पर उतार आए। पिस्का मोड़, कटहल मोड, बहू बाजार, कमरे, मैंन रोड, आदि जगहों पर बंद समर्थकों ने सड़क जाम किया और टायर जलाकर प्रदर्शन किया। इधर बंद समर्थकों से निपटने के लिए बड़ी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई है। उत्पात मचाने वालों के साथ पुलिस सख्त बरत रही है। बंद समर्थक जहां-जहां से गुजर रहे हैं उनकी वीडियोग्राफी भी करवाई जा रही है। बता दें कि सरना समिति के द्वारा रांची बंद का ऐलान किया गया है। इस बंद के कारण लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

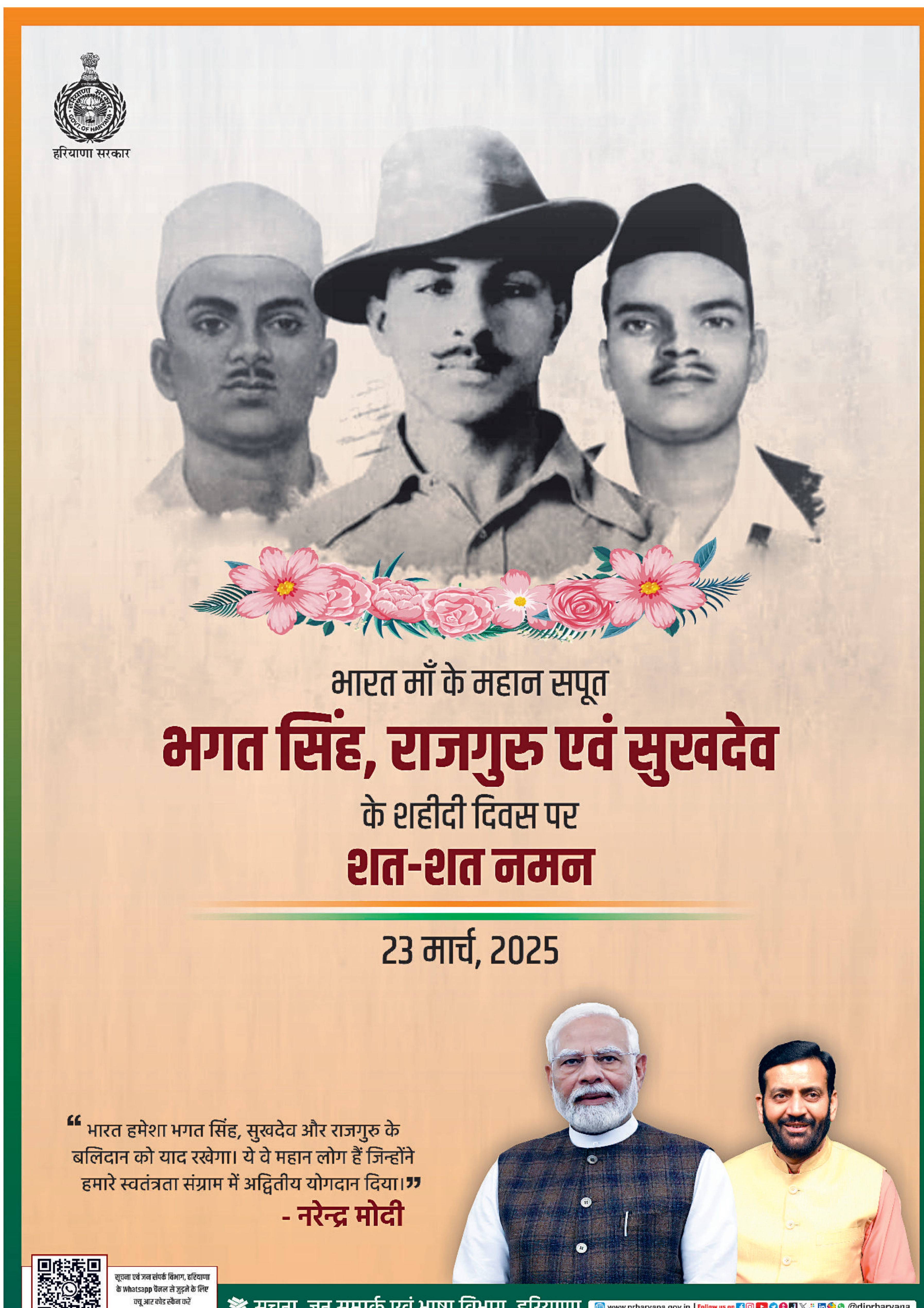

फिल्म छावा के बाद से शुरू औरंगजेब विवाद की आंच में नागपुर झुलस गया। अमूमन शांत रहने वाली संतरा नगरी में औरंगजेब की कब्र और सोशल मीडिया पर अफवाह को लेकर हुई हिंसा चिंता पैदा करती है। असदुद्दीन ओवैसी जैसे सुलझे नेता ने बयान दे दिया कि हरे कपड़े पर पवित्र कुरान शरीफ की आयतें लिखकर जलाई गई हैं। इस तरह की अफवाह फैलाने वाले कौन हो सकते हैं? नागपुर में हिंसा के दौरान भीड़ जगह-जगह उन्मादित और कुछ भी करने पर उतारू थी तो इसका कारण न सामान्य हो सकता है और न इसे तत्कालिक रूप से उत्पन्न संघर्ष मानना चाहिए। अगर पुलिस वालों से मोर्चाबंदी कर रहे हैं, उनको घायल कर रहे हैं तो इसका गहराई से विश्लेषण करना होगा। इसके पीछे कौन लोग हैं, किनकी साजिश है? यह विचार करने वाली बात है कि पूरे देश में जगह-जगह इस तरह की हिंसा के पैटर्न क्यों पैदा हो रहे हैं? इतने ईंट, पत्थर, पेट्रोल बम आदि तत्काल पैदा नहीं हो सकते। इसकी पूरी तैयारी करनी होती है। महू, संभल से लेकर नागपुर तक मोटा- मोटी एक ही तरह का पैटर्न दिखा, जिसमें हमलावर पूरी तरह तैयार थे तथा सबके पास हमले की पर्याप्त सामग्रियां थीं। इतिहासजीवी बनकर भविष्यदृष्टा नहीं बना जा सकता। औरंगजेब की कब्र, आयत अफवाह के पीछे की साजिश व राजनीति का आंकलन करता आजकल का यह अंक...

नागपुर हिंसा के पीछे की सोच को समझें

विश्लेषण

अवधेश कुमार

वरिष्ठ स्तंभकार

नागपुर पुलिस की प्राथमिकी, अभी तक की छानबीन तथा हिंसा के पैटर्न बताते हैं कि यह त्वरित उत्तेजना और गुस्से की परिणति नहीं थी। तत्काल अगर किसी मुद्दे, विषय या बयान से उत्तेजना हो तो छिटपुट समूह निकलकर हल्की-फुल्की हिंसा कर सकता है। वीडियो फुटेज में हमलावर चेहरे ढंके हुए हैं, नकाबपोश हैं, कई के पत्थरबाजी, तोड़फोड़ करते समय चेहरे से नकाब उतार रहे हैं, फिर वे लगा रहे हैं। पेट्रोल बम तक चलने के प्रमाण हैं। आप भाजपा की आलोचना और विरोध करिए किंतु इतने बड़े साफ मन के रहते खतरे की अनदेखी कर आप कैसे तत्वों को प्रोत्साहित कर रहे हैं और इसका परिणाम क्या होगा, इस पर भी अवश्य विचार कर लीजिए।

नागपुर के दृश्य निस्संदेह फिर देश को भयभीत कर रहे हैं। केवल तत्कालीन गुस्से में हुई त्वरित प्रतिक्रिया में इस तरह की हिसा संभव नहीं। 33 से ज्यादा पुलिसकर्मियों का घायल होना, भारी संख्या में वाहनों की तोड़फोड़ या जलाना, जगह-जगह घरों और दुकानों का क्षतिग्रस्त होना बताता है कि हमले सुनियोजित थे। विधानसभा में मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस ने बयान भी दिया कि यह एक सुनियोजित हमला लगता है। नागपुर पुलिस की प्राथमिकी, अभी तक की छानबीन तथा हिंसा के पैटर्न बताते हैं कि यह त्वरित उत्तेजना और गुस्से की परिणति नहीं थी। तत्काल अगर किसी मुद्दे, विषय या बयान से उत्तेजना हो तो छिटपुट समूह निकलकर हल्की-फुल्की हिंसा कर सकता है। वीडियो फुटेज में हमलावर चेहरे ढंके हुए हैं, नकाबपोश हैं, कई के पत्थरबाजी, तोड़फोड़ करते समय चेहरे से नकाब उतार रहे हैं, फिर वे लगा रहे हैं। पेट्रोल बम तक चलने के प्रमाण हैं। वैसे भी इतने व्यापक क्षेत्र में बगैर पूर्व योजना और षड्यंत्र के वैसी हिंसा संभव ही नहीं है। इन पंक्तियों के लिखे जाने तक नागपुर हिंसा मामले में 13 प्राथमिकी दर्ज हो चुकी हैं तथा 100 से ज्यादा लोगों की गिरफ्तारी भी।

औरंगजेब की कब्र हटाने के लिए विरोध

संक्षेप में घटनाक्रम को देखिए। विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल ने 17 मार्च को औरंगजेब की कब्र हटाने के लिए विरोध प्रदर्शन किया और छत्रपति शिवाजी महाराज चौक पर प्रतीकात्मक पुतला जलाया। एक तरफ यह हो रहा था और दूसरी तरफ माइनॉरिटी डेमोक्रेटिक पार्टी के शहर अध्यक्ष फ़हीम अहमद लगभग 50-60 लोगों को लेकर गणेशपेठ पुलिस थाना पहुंचे और लिखित प्राथमिकी दर्ज कराई कि हरे कपड़े पर पवित्र कुरान की आयत लिखकर जलाया जा रहा है। इसके साथ सोशल मीडिया पर चारों तरफ इसकी अफवाह फैलाई गई कि पवित्र कुरान की आयतें जलाई गई हैं, लोगों को घर से निकलने की अपील की गई।

सोशल मीडिया पर झूठ फैलाया गया कि हिंसा में उनके दो लोगों की मृत्यु हो गई है। एक सोशल मीडिया अकाउंट बांग्लादेश से मिला है जिसमें लिखा गया कि यह छोटा दंगा था, इससे बड़ा दंगा आगे होगा। फहीम थाने से आकर 400-500 लोगों के साथ, जिनके हाथों में हथियार थे, ने छत्रपति शिवाजी महाराज चौक पर हथियार दिखाकर लोगों को डराना शुरू किया। पुलिस द्वारा भीड़ से वापस जाने के आग्रह को अनसुना करते हुए भड़काऊ और उकसाऊ नारे लगे। आप सोचिए, अगर कुछ निहत्थे लोग अपनी मांगों के लिए प्रदर्शन कर रहे हो, पुतले जल रहे हों और वहां कुल्हाड़ियों, पत्थरों, लाठी, रॉड और अन्य ऐसी सामग्रियां लेकर 400-500 लोग लहराने लगें तथा दृश्य ऐसे हों मानो अब इन पर टूट पड़ने वाले हैं तो

लोगों की कैसी मनोदशा होगी। भीड़ द्वारा भालदारपुरा में पुलिस पर पत्थरों से हमले की भी घटना हुई।

महिला पुलिस के साथ दुर्व्यवहार

सबसे शर्मनाक अंधेरे का लाभ उठाकर महिला पुलिस के साथ छेड़खानी और दुर्व्यवहार था। गीतांजलि चौक पर भीड़ ने पुलिस वाहनों पर पेट्रोल बम से हमला किया और पुलिस के दो वाहनों में आग लगा दी। गंजीपुरा में फ्लाईओवर निर्माण के लिए खड़ी दो क्रेन को पेट्रोल बम से आग लगा दी गई। ड्यूटी पर मौजूद पुलिस अधिकारियों पर पत्थरों और घातक हथियारों से हमलाकर घायल कर दिया गया। बड़ी संख्या में एक विशेष समुदाय के लोगों ने बिल्कुल आक्रामक तेवर और तैयारी में महल, कोतवाली, गणेशपेठ और चिटनिस पार्क समेत शहर के विभिन्न इलाकों में एकत्रित होकर हिंसा शुरू की। पुलिस द्वारा आंसू गैस के गोले दागे गए।

दुकानें सुबह से ही बंद क्यों रखी गईं

नागपुर के सीए रोड, भालदारपुरा, गंजी पेठ, हंसापुरी, गांधी बाग, चिटनवीस पार्क, आदि क्षेत्र में ज्यादातर दुकानें पुराने मोटरसाइकिल एवं ऑटो स्पेयर पार्ट्स की हैं। सभी दुकानें मुस्लिम समुदाय की है। सोमवार को दुकानें सुबह से ही बंद रखी गई थी। क्यों? मोबिनपुरा में 150 गाड़ियां इन्हीं लोगों की खड़ी रहती थी, वहां एक भी गाड़ी नहीं थी। क्यों? शाम की हिंसा में केवल हिंदू घर एवं दुकान ही निशाना बने। नागपुर के डीसीपी निकेतन कदम पत्थरबाजी की घटना में घायल हुए। उनका वक्तव्य देखिए, 'जिस तरह से हर तरफ से पत्थरबाजी हुई, उसमें कई अधिकारी घायल हो गए। एक घर में कुछ लोग छिपकर पत्थरबाजी कर रहे थे। टीम वहां गई तो दूसरी ओर से 100 से ज्यादा लोगों की भीड़ आई। मैंने उन्हें रोकने की कोशिश की तो एक ने कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। कई छतों से पत्थर फेंके जा रहे थे। पत्थर छत पर कैसे पहुंचे, कुछ तो प्लानिंग थी।' भीड़ जगह-जगह उन्मादित और कुछ भी करने पर उतारू थी तो इसका कारण न सामान्य हो सकता है और न इसे तत्कालिक रूप से उत्पन्न संघर्ष मानना चाहिए। अगर पुलिस वालों से मोर्चाबंदी कर रहे हैं, उनको घायल कर रहे हैं तो इसका गहराई से विश्लेषण करना होगा।

झूठा प्रचार कर भड़काई गई हिंसा

इस तरह की भयानक घटना को अगर हम सामान्य राजनीतिक और दलीय चश्मे से देखेंगे तो भविष्य में होने वाले भयावह परिणामों के भागीदार बनेंगे। सच को सच के रूप में समझ कर स्पष्ट नाम बोला जाए तो फिर परिणाम सतत भयावह से भयावहतम की ओर बढ़ेंगे। सामान्य सामाजिक व्यवहार की दृष्टि से देखें तो इस हिंसा का कोई कारण नहीं था।

कोई संगठन या संगठनों का समूह किसी विषय पर लोकतांत्रिक तरीके से विरोध प्रदर्शन कर रहा है तो उसे मजहब विरोधी कार्रवाई मानकर हमले करने की व्याख्या कैसे की जाएगी? साफ है कि ऐसा कुछ जलाया ही नहीं गया जिसका प्रचार किया गया। असदुद्दीन ओवैसी जैसे नेता ने बयान दे दिया कि हरे कपड़े पर पवित्र पाक कुरान शरीफ की आयतें लिखकर जलाई गई हैं। इस तरह के अफवाह फैलाने वाले कौन हो सकते हैं। भारी संख्या में सोशल मीडिया अकाउंट बंद किए गए और उनके आधार पर लोगों की गिरफ्तारियां हुई हैं।

इस तरह की हिंसा के पैटर्न क्यों

मानकर चलना चाहिए कि इसकी जांच केंद्रीय एजेंसी को दी जाती है तो केंद्र दोषियों को अंतिम सीमा तक दंड दिलाएगा। केवल दंड दिलाना ही ऐसी समस्याओं के निदान का आधार नहीं हो सकता । यह विचार करने वाली बात है कि पूरे देश में जगह-जगह इस तरह की हिंसा के पैटर्न क्यों पैदा हो रहे हैं? इतने ईंट, पत्थर, पेट्रोल बम आदि तत्काल पैदा नहीं हो सकते। इसकी पूरी तैयारी करनी होती है। महू, संभल से लेकर नागपुर तक मोटा- मोटी एक ही तरह का पैटर्न देखा, जिसमें हमलावर पूरी तरह तैयार थे तथा सबके पास हमले की पर्याप्त सामग्रियां थीं। आखिर कोई समूह औरंगजेब की कब्र हटाने की मांग कर रहा है तो उससे इतनी संख्या में किसी समुदाय के लोगों के अंदर गुस्सा क्यों पैदा हो गया? औरंगजेब जैसे आततायी, धर्मांध, बुरे शासक के लिए उसकी मृत्यु के 300 से ज्यादा वर्षों बाद इतने लोगों के अंदर उसे अपना या अपने इस्लाम का आदर्श मानने की इतनी संवेगी भावना कि मरने - मारने को उतारू हो जाएं, कहां से पैदा हो गई? पहले भी सोशल मीडिया पर औरंगजेब का महिमामंडन कर हिंसा फैलाने की कोशिश की गई है।

बुरे व्यवहार की विचारधारा को व्यापक स्वीकृति

केवल औरंगजेब नहीं, उत्तर प्रदेश से महमूद गजनवी और उसके भांजे सालार मसूद तक के प्रति इतना समर्थन कैसे कि उन पर प्रश्न उठाने के विरुद्ध खुलेआम बयानबाजी और हिंसा तक की घटनाएं हो रही हैं? क्या कल कोई नादिर शाह और अहमदशाह अब्दली को भी इस्लाम का ध्वजवाहक मानकर लड़ना शुरू कर देगा? कल्पना करिए कि कोई जनरल डायर, लॉर्ड क्लाइव आदि के पक्ष में खड़ा हो तो देश उसे किस दृष्टि से दिखेगा? यही दृष्टि औरंगजेब, महमूद गजनवी, सालार मसूद गाजी जैसों के प्रति क्यों नहीं पैदा होता? यह ऐसी विचारधारा है जिसमें इस्लाम के नाम पर काफिरों या विरोधियों के विरुद्ध हर तरह के अत्याचार, उनके पवित्रतम स्थलों को ध्वस्त कर इस्लामी ढांचा खड़ा करने को सही माना जाता है। इस्लाम को उच्च तथा काफिरों या विरोधियों के साथ हर तरह के बुरे व्यवहार की विचारधारा को व्यापक स्वीकृति मिलती दिख रही है। यह चिंतनीय है, सरकार देखे।

औरंगजेब अप्रासंगिक है और हिंसा अनुचित

यही आचरण दुनिया में आतंकवाद और अन्य प्रकार की हिंसा का कारण बना हुआ है तथा भारत विभाजन के पीछे भी यही था। इसलिए दलीय बयानबाजी द्वारा ऐसे तत्वों को परोक्ष समर्थन देना इनको हिंसा के लिए प्रोत्साहित करने के समान है जो भविष्य में सबके लिए आत्मघाती साबित होगा।

शिवसेना नेता संजय राऊत का बयान देखिए, 'नागपुर में हिंसा होने का कोई कारण नहीं है। यहीं पर आरएसएस का मुख्यालय है। यह देवेंद्र जी का निर्वाचन क्षेत्र भी है। यहां हिंसा फैलाने की हिम्मत कौन कर सकता है? हिंदुओं को डराने, अपने ही लोगों से उन पर हमला करवाने और फिर उन्हें भड़काकर दंगों में शामिल करने का यह एक नया पैटर्न है।' हिंसा कौन कर रहे थे यह साफ दिख रहा है और संजय राऊत को भाजपा और संघ ही दोषी नजर आ रहा है। इसी समय बेंगलुरु में संघ की प्रतिनिधि सभा से अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील अंबेडकर का बयान है कि औरंगजेब अप्रासंगिक है और हिंसा अनुचित।

सामना के संपादकीय में औरंगजेब की कब्र हटाने की मांग करने वालों को हिंदू तालिबान कहा गया। लिखा गया कि औरंगजेब की कब्र मराठों और शिवाजी के शौर्य का प्रतीक है और उसे खत्म करने की मांग करने वाले इतिहास को समझने की कोशिश नहीं कर रहे। जब अबू आजमी ने औरंगजेब को महान शासक बताया तो अखिलेश यादव ने एक्स पर सच्चाई छुप नहीं सकती जैसे पोस्ट कर दिया। संसद के अंदर और बाहर सारा विपक्ष हमलावरों की आलोचना की जगह केवल प्रदेश और केंद्र की भाजपा सरकार को घेरने पर लगा रहा। हमारा मानना है कि आप भाजपा की आलोचना और विरोध करिए किंतु इतने बड़े साफ मन के रहते खतरे की अनदेखी कर आप कैसे तत्वों को प्रोत्साहित कर रहे हैं और इसका परिणाम क्या होगा, इस पर भी अवश्य विचार कर लीजिए।

भविष्यदृष्टा नहीं हो सकती इतिहासजीवी राजनीति

दो टूक

राज कुमार सिंह

वरिष्ठ पत्रकार व राजनीतिक विश्लेषक

यह विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र और फिर से विश्व गुरु बनने को आतुर भारत की परिपक्वता पर सवालिया निशान भी है कि 21वीं शताब्दी में वह 17वीं शताब्दी के इतिहास का बंधक नजर आये। तात्कालिक संदर्भ 1707 में दुनिया से विदा हो चुके मुगल बादशाह औरंगजेब की कब्र का है, जिसे तोड़ने की मांग 21वीं शताब्दी में कुछ संगठनों का एजेंडा बन गयी है। लगभग 49 साल भारत पर शासन करने वाले औरंगजेब की क्रूरता के किस्से इतिहास में भी कम नहीं मिलते, पर उसकी कब्र से बदला लेकर गौरव बहाल करने की सोच विवादास्पद फिल्म छावा से उपजी है। विडंबना देखिए कि जवाब में औरंगजेब की महानता का बखान करने वाले भी पीछे नहीं रहना चाहते। एक आक्रांता में नायक देखने वाले या तो मानसिक विकृति से ग्रस्त हैं या किसी फिर साजिश का हिस्सा। बेशक औरंगजेब और उसकी कब्र पर विवाद नया नहीं है। ऑल इंडिया मजलिस-ए- इत्तेहादुल मुस्लिमीन के मुखिया, सांसद असदुद्दीन ओवैसी ही कम से कम दो बार औरंगजेब की कब्र पर फूल चढ़ाकर महाराष्ट्र में अपनी राजनीति चमकाने की कोशिश कर चुके हैं, लेकिन अक्सर शांति, सौहार्द और विकास के लिए चर्चा में रहने वाले नागपुर को झुलसा देने वाली सांप्रदायिक हिंसा को तीली दिखाने का काम सपा नेता अबू आजमी ने किया।

छावा का सांप्रदायिक धावा

अपनी बयानबाजी से अतीत में भी विवादों में रहे अबू आजमी ने इस बार औरंगजेब को 'अच्छा बादशाह' होने का प्रमाणपत्र देने का जिम्मा उठाया। यह बहस का विषय है कि अबू को यह मौका फिल्म छावा से औरंगजेब के विरुद्ध भड़कती भावनाओं और बयानबाजी ने दिया या उन्होंने स्वयं लपक लिया। लपकने की कला में ज्यादातर राजनेता कुशल होते हैं। आजमी ने मीडिया से बातचीत में कहा कि औरंगजेब क्रूर नहीं था। औरंगजेब द्वारा मंदिर तोड़े जाने के मुद्दे पर आजमी ने कहा कि उसने कई मंदिर बनवाये भी। आजमी ने दावा किया कि औरंगजेब 'महान प्रशासक' था, जिसकी सेना में कई हिंदू कमांडर भी थे। हालांकि विवाद बढ़ते देख विधानसभा से निलंबन के बाद आजमी ने अपना बयान वापस ले लिया। अबू आजमी ने सफाई भी दी कि उन्होंने तो असम के मुख्यमंत्री द्वारा राहुल गांधी की तुलना औरंगजेब से किये जाने पर प्रतिक्रिया दी और औरंगजेब की बाबत कई इतिहासकारों द्वारा लिखी गयी बातों को ही दोहराया था। कहना मुश्किल है कि बिना विवाद के छावा बॉक्स ऑफिस पर ऐसी सफलता हासिल कर पाती। छत्रपति शिवाजी महाराज के पुत्र संभाजी महाराज पर केंद्रित छावा में औरंगजेब की क्रूरता से महाराष्ट्र के बाहर भी भावनाएं भड़कने की खबरें आयीं। इतिहास में कई तरह के संदेह और सवालों से घिरे संभाजी तो छावा से नायक बन गये, लेकिन भारत और भारतीयों के दमन और शोषण से दागदार दामनवाले औरंगजेब की खलनायकी के जख्म ताजा हो गये।

देर से जागा पुलिस-प्रशासन

खुद महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस ने नागपुर हिंसा के लिए छावा फिल्म को जिम्मेदार

बताया। ऐसे में मराठी साहित्यकार शिवाजी सावंत के उपन्यास छावा पर बनी इस फिल्म को भाजपा शासित राज्यों में टैक्स फ्री करने की होड़ और उसके मंसूबों पर भी सवाल उठेंगे ही। फिल्म में चित्रित औरंगजेब की क्रूरता और उसके द्वारा संभाजी महाराज की यातनापूर्ण हत्या के मद्देनजर हिंदूवादी संगठनों ने उसकी कब्र तोड़ने की मांग उठायी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का मुख्यालय भी वहीं है। हिंसा के बाद पुलिस-प्रशासन जितना चुस्त नजर आया, अगर वैसा पहले से रहता तो नागपुर को झुलसने से बचाया जा सकता था। आम तौर पर मुगल बादशाहों की कब्र या मकबरे शानदार हैं, लेकिन औरंगजेब की कब्र अपवाद है। कहा जाता है कि खुद औरंगजेब चाहता था कि उसे आध्यात्मिक गुरु सूफी संत शेख जैनुद्दीन की दरगाह के पास ही दफना कर साधारण कब्र बनायी जाये। पहले यह मिट्टी की बनी साधारण कब्र थी, जिस पर अंग्रेज शासन के दौरान वायसराय लार्ड कर्जन ने संगमरमर और जाली लगवायी। इतिहास बताता है कि भारत में मुगल सल्तनत का सर्वाधिक विस्तार औरंगजेब के शासनकाल में ही हुआ, पर उसी के अंतिम दिनों में वह सिमटने भी लगा था। मराठा साम्राज्य का दबदबा बढ़ने लगा था। ताजा विवाद शुरू भले महाराष्ट्र से हुआ, लेकिन वहां तक सीमित नहीं रहा। आक्रांताओं का महिमा मंडन करने वालों को सबक सिखाने की धमकियां राष्ट्रव्यापी हैं। मनोविज्ञान को समझें तो इतिहास बेहद संवेदनशील जटिल चीज है। प्रतिशोध मानवीय स्वभाव है, जिसके चलते ज्यादातर विवाद और झगड़े होते हैं। इतिहासजीवी बनकर भविष्यदृष्टा भी नहीं बना जा सकता। इसलिए हमें व्यक्ति हो या राष्ट्र, सभी के जीवन में इतिहास की सही भूमिका समझनी चाहिए। निश्चय ही इतिहास से नजरें चुराकर उसे भूलना आत्मघाती भी साबित हो सकता है, लेकिन इतिहास से प्रतिशोध के बजाय सही सबक सीखने चाहिए।

प्रतिशोध नहीं, सबक जरूरी

औरंगजेब की 300 साल पुरानी कब्र खोदने से यह ऐतिहासिक सच तो नहीं मिट जायेगा कि भारत पर लंबे समय तक मुगलों ने राज किया और उसमें भी सबसे लंबा शासनकाल औरंगजेब का रहा। कब्र तोड़ देने से औरंगजेब की क्रूरता के जख्मों का एहसास भी नहीं चला जायेगा। हां, अगर हम उन परिस्थितियों और कारणों का विश्लेषण कर सही सबक सीखें, जिनके चलते कभी सोने की चिड़िया कहा गया भारत एक-के-बाद-एक अनेक आक्रांताओं का गुलाम बना, तो शायद हमें अपना गौरव बहाल करने में मदद मिल पाये। बेशक यह कह देने जितना आसान भी नहीं है। यह तभी संभव है, जब हम बार-बार इतिहास के जख्म दिखाकर अपनी सत्ता राजनीति चमकाने के खेल के खतरों को समझें और यह काम कोई एक पक्ष नहीं कर सकता। कुछ दशकों से जिस तरह इतिहास या वर्तमान के जरिये भी सांप्रदायिक ध्रुवीकरण की राजनीति जोर पकड़ रही है, उसमें कई बार तो सुनियोजित मिलीभगत भी लगती है। अगर औरंगजेब के जरिये हताश असदुद्दीन ओवैसी और अबू आजमी अपनी राजनीतिक जमीन तलाश रहे हैं तो उसकी कब्र खोदने की बात कहने वाले भी हिंदुत्व और राष्ट्रवाद की जवाबी भावनाओं के जरिये अपनी चुनावी बिसात ही बिछा रहे हैं। लगभग साढ़े तीन दशक पहले देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश से शुरू सांप्रदायिक ध्रुवीकरण का खेल पूरे देश में कारगर चुनावी रणनीति बन गया है। सम्भल, बहराइच से लेकर कर्नाटक में ठेकेदारी में भी अल्पसंख्यकों के लिए आरक्षण तक के पीछे यही मानसिकता काम कर रही है कि विकास से ज्यादा धार्मिक भावनाएं सत्ता राजनीति में संभावनाएं बेहतर बनाती हैं। जब तक राष्ट्र हित में समाज जागरूक नहीं होगा, तब तक जीवित लोगों के बेहतर भविष्य के बजाय मुर्दा लोगों के नाम पर सत्ता राजनीति परवान चढ़ती रहेगी।

छावा विवाद से किसका नफा या नुकसान

विमर्श

उमेश चतुर्वेदी

वरिष्ठ पत्रकार

विक्की कौशल और रश्मिका मंदाना अभिनीत फिल्म 'छावा' फिल्म के चलते मुगल बादशाह औरंगजेब इन दिनों चर्चा में है। औरंगजेब भी चर्चा में तब आया, जब मुंबई के एक विधायक अबू आजमी ने उसकी प्रशंसा कर दी। इसके बाद विवाद इतना बढ़ा कि महाराष्ट्र से लेकर देश की राजनीति सुलगने लगी। वामपंथी और राष्ट्रवादीय ऐतिहासिक दृष्टि तो पहले से ही औरंगजेब को लेकर बंटी हुई है, ऐसे में राजनीति नहीं बंटती तो हैरत ही होती। राजनीति के इस बंटवारे पर निगाह जमाए बैठी भारत विरोधी ताकतों को मौका मिला और नागपुर में दंगा फैल गया। अब दंगे की जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, पता चल रहा है कि औरंगजेब को लेकर जैसे-जैसे विवाद बढ़ा, धार्मिक आधार पर वैचारिक ध्रुवीकरण बढ़ा। इसने सामाजिक समरसता के पथ के नीचे जैसे बारूद बिछा दी। इस बारूद के इंतजार में बैठी भारत विरोधी ताकतों को मौका माकूल लगा और उन्होंने अफवाह की माचिस धीरे से जलाकर बारूद के ढेर पर फेंक दी। नागपुर के दंगों में बांग्लादेशी कनेक्शन के संकेत तो यही हैं।

राष्ट्रविरोधी ताकतों को फायदा

समाजशास्त्री और चुनाव शास्त्री मानते हैं कि धार्मिक ध्रुवीकरण का फायदा राजनीति के उस हिस्से को होता है, जो मध्यमार्गी नहीं होती। उन्हें इसमें एक और तथ्य भी जोड़ देना चाहिए कि ध्रुवीकरण का फायदा राष्ट्रविरोधी ताकतों को भी मिलता है। तीन सौ साल पुराने शहर नागपुर का दंगों की आग में झुलसना तो यही बताता है। यह भी ध्यान देने की बात है कि नागपुर में अब तक कभी दंगा नहीं हुआ। बाबरी ध्वंस के बाद महाराष्ट्र के कई इलाके जब सुलग रहे थे, तब भी नागपुर शांत था। लेकिन औरंगजेब के चरित्र पर जब 'छावा' फिल्म ने सवाल उठाए तो नागपुर जल उठा। इतिहासकार अपने-अपने वैचारिक खेमे के लिहाज से अपनी सरपरस्त राजनीतिक धारा को फायदा पहुंचाने को लेकर ऐतिहासिक चरित्रों को पेश करता है। औरंगजेब के चरित्र को लेकर लिखे गए इतिहास की भी यही कहानी है।

यह बताने की जरूरत नहीं कि औरंगजेब को वामपंथी इतिहासकार महान शासक बताते रहे हैं। स्कूली पाठ्यक्रमों में औरंगजेब के बारे में पढ़ाया ही जाता रहा है कि बादशाह होने के बावजूद वह टोपी सीलकर और कुरान बेचकर अपना खर्च चलाता था। इस तथ्य को स्कूली स्तर से ही भारत की दो पीढ़ियों में इस कदर घोलकर पिला दिया गया है, उसके अन्य क्रूर कार्यों की छाप कहीं नेपथ्य में चली जाती है।

सीएम के बयान पर भी विवाद

यह भी सच है कि उसने सल्तनत अपने नाम करने के लिए अपने ही भाई दाराशिकोह की हत्या करा दी थी, अपने ही पिता शाहजहां और माता को आगरा के किले में कैद कर रखा था। औरंगजेब के खाते में अपने शासन के दौरान हिंदुओं पर तरह-तरह के अत्याचार भी दर्ज हैं। नागपुर के दंगों को लेकर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस ने जो कहा है, उसे लेकर भी विवाद हो रहा है। फड़णवीस ने कहा है कि छावा फिल्म को लेकर

मुस्लिम समुदाय में गुस्सा था। वैसे नागपुर में अफवाह फैलाई गई कि कुरान को जलाया जा रहा है। इसके बाद नागपुर का मुस्लिम समुदाय आक्रामक हो उठा और देखते ही देखते संतरा उत्पादन इलाके की राजधानी के रूप में विख्यात नागपुर धधक उठा। जब से शिवसेना के रास्ते बीजेपी से अलग हुए हैं, तब से उद्धव ठाकरे वाली शिवसेना बीजेपी और उसके मराठी अगुआ देवेंद्र फड़णवीस पर हमले और तंज कसने का कोई मौका नहीं छोड़ती। मराठी मानुष की नजर में हिंदू हृदय सम्राट रहे बाला साहब देवरस की वैचारिक उत्तराधिकारी होने का दावा करने वाली शिवसेना के लिए देवेंद्र फड़णवीस का बयान बढ़िया अवसर लगा। उसने देवेंद्र फड़णवीस पर हमला बोल दिया। उद्धव की शिवसेना इस बहाने देवेंद्र को यह साबित करने में जुटी रही कि दरअसल वे सिर्फ हिंदुओं के वोट के लिए हिंदुत्व की राजनीति करते हैं, अलबत्ता उनका नजरिया दूसरा है। यह बात और है कि बीजेपी की ओर से शिवसेना के बयानों पर वैसी प्रतिक्रियाएं नहीं आई हैं, जैसी उसकी प्रतिक्रिया अबू आजमी के बयान के बाद आई थी, जिसमें आजमी ने औरंगजेब की प्रशंसा की थी। अगर हम मान लेते हैं कि छावा की वजह से मुस्लिम समुदाय में गुस्सा था, क्योंकि इस फिल्म में औरंगजेब के चरित्र को उनके जेहनी छवि से अलग रूप में पेश किया गया है, तो इसका मतलब यह है कि फिल्म किताब की तुलना में कहीं ज्यादा प्रभावी माध्यम है। यह फिल्म मराठी के मशहूर उपन्यासकार शिवाजी सावंत के इसी नाम के उपन्यास पर आधारित है। दिलचस्प यह है कि यह उपन्यास करीब 46 साल पहले 1979 में प्रकाशित हुआ था, जिसका हिंदी समेत कई अन्य भाषाओं में अनुवाद हो चुका है। छावा का मतलब बच्चा या बेटा होता है। यह उपन्यास शिवाजी के बेटे संभाजी के जीवन पर केंद्रित है। इस उपन्यास में छत्रपति संभाजी के साथ औरंगजेब के युद्ध और मराठा साम्राज्य पर औरंगजेब के अत्याचार की कहानियां हैं। फिल्म में इसे ही उभारा गया है। वैसे एक सवाल यह भी उठता है कि ऐतिहासिक चरित्रों को लेकर कोई समुदाय इस कदर क्यों खुद की भावनाओं को जोड़ लेता है? औरंगजेब के चरित्र को लेकर इतना गुस्से में भरने की जरूरत ही क्यों पड़े कि अपने आज के पड़ोसियों के साथ विवाद खड़ा करना पड़े। अगर किसी चरित्र का ऐतिहासिक स्वरूप क्रूरता से भरा है तो क्रूरता का बचाव ही क्यों करना? सवाल राजनीति से भी पूछे जा सकते हैं कि राजनीतिक लाभ-हानि के हिसाब को कब परे रखकर ऐतिहासिक चरित्रों का समग्रता से मूल्यांकन करेगी?

सवाल यह भी उठ सकता है कि क्या हम इतिहास को लेकर रोज-रोज के अपने रिश्तों को इतना बिगाड़ लेंगे कि हम वर्तमान में अपने साथियों और पड़ोसियों के साथ सुकून के साथ बैठ नहीं सकें, दो बोल बोल नहीं सकें। सवाल इतिहासकारों से भी पूछा जाना चाहिए कि वे कब अपनी वैचारिक खेमेबाजी से उठकर किसी ऐतिहासिक घटना और चरित्र का आकलन करेंगे और कब तक अपने वैचारिक आकाओं के राजनीतिक मोहरे बनते रहेंगे? दिलचस्प यह है कि छावा फिल्म के जरिए फिल्मकार की मोटी कमाई हो रही है। अब तक यह फिल्म साढ़े सात सौ करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई कर चुकी थी। यानी विवादों ने फिल्म को आर्थिक फायदा खूब पहुंचाया है।

खेमेबंदी को त्यागना जरूरी

इस पूरे विवाद में अगर नुकसान हुआ है तो सिर्फ और सिर्फ भारत के लोक का, जो लोकतंत्र का आधार है। जो आपस में ही लड़ने को उतारू है। उसे ऐतिहासिक चरित्रों को लेकर अपनी खेमेबंदी अपने वैचारिक आधारों की बुनियाद पर खड़ी करने की बजाय समग्रता में करनी होगी। अन्यथा उसकी भावनाओं के जरिए कारोबार भी होगा और राजनीति भी होती रहेगी। भारतवासियों को अपनी तकदीर खुद लिखनी होगी।

जेएसी की बैठक में सीएम स्टालिन ने दी कानूनी कार्रवाई की चेतावनी

परिसीमन को स्वीकार नहीं करेगा दक्षिण भारत, हम अपना 'हक' नहीं छीनने देंगे

एजेंसी ▶▶ चेन्नई

परिसीमन के मुद्दे पर शनिवार को विपक्षी पार्टियों के मुख्यमंत्रियों की चेन्नई में बैठक हुई। इस बैठक को ज्वाइंट एक्शन कमेटी (जेएसी) नाम दिया गया। इस बैठक का आयोजन तमिलनाडु सीएम एमके स्टालिन ने किया। स्टालिन ने साफ किया कि वे परिसीमन के मुद्दे पर कानूनी लड़ाई भी लड़ेंगे।

उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने बिना किसी से चर्चा के परिसीमन के मुद्दे पर कदम बढ़ाया। बस्टालिन ने कहा कि विशेषज्ञों का एक पैनल गठित किया जाना चाहिए, जो इस मुद्दे पर लड़ाई लड़ने के लिए राजनीतिक और कानूनी दोनों योजनाओं पर सुझाव दे। उन्होंने इस मुद्दे पर राजनीतिक लड़ाई के साथ-साथ कानूनी लड़ाई लड़ने का समर्थन किया।

स्टालिन ने कही कानूनी लड़ाई लड़ने की बात

...तो 8 सीटें खो जाएंगी

स्टालिन ने कहा कि मणिपुर दो साल से जल रहा है और इसके लोगों की मांगों को नजरअंदाज किया जा रहा है। स्टालिन ने तर्क दिया जनसंख्या के आकार के आधार पर पुनः आवंटन प्रगतिशील राज्यों के लिए सजा के समान होगा जबकि उत्तर-दक्षिण असमानताओं को गहरा करेगा। उन्होंने कहा कि अगर वे योजना के अनुसार परिसीमन करते हैं तो कम से कम 8 सीटें खो जाएंगी। प्रतिनिधित्व कम करना केवल संख्या के बारे में नहीं है बल्कि राज्यों के अस्तित्व के बारे में है।

हमें शाह के आश्वासन पर यकीन नहीं

स्टालिन ने परिसीमन दक्षिण भारतीय राज्यों को राजनीतिक रूप से कमजोर कर सकता है। स्टालिन ने स्पष्ट किया कि विपक्ष परिसीमन के खिलाफ नहीं है बल्कि एक अनुचित फॉर्मूले के खिलाफ है, जो उन राज्यों पर प्रतिकूल प्रभाव डालेगा। स्टालिन ने गृह मंत्री अमित शाह के इस आश्वासन पर संदेह जताया कि परिसीमन से दक्षिण भारतीय राज्य संसदीय सीटें नहीं खोएंगे।

प्रस्तावित परिसीमन अस्वीकार्य : रेड्डी

तेलंगाना के सीएम रेवंत रेड्डी ने कहा कि आज देश गंभीर चुनौती का सामना कर रहा है। भाजपा जनसंख्या नियंत्रण की सजा दे रही है। हम एक देश हैं और हम इसका सम्मान करते हैं। यह परिसीमन अस्वीकार्य है।

यह जनसंख्या नियंत्रण कर रहे राज्यों के लिए गलत: नवीन

बीजद प्रमुख और ओडिशा के पूर्व सीएम नवीन पटनायक ने कहा कि बैठक राज्यों में रहने वाले लोगों के अधिकारों और लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व को सुनिश्चित करने के लिए हो रही है। देश के विकास के लिए जनसंख्या नियंत्रण अहम है, लेकिन जनसंख्या के आधार पर परिसीमन कुछ राज्यों के प्रति गलत है।

यह संविधान के खिलाफ: विजयन

केरल के मुख्यमंत्री पी विजयन ने कहा,लोकसभा सीटों का परिसीमन का मुद्दा हमारे सिर पर लटकती तलवार जैसा है। इसे संविधान के सिद्धांतों के खिलाफ बताया।

कई प्रस्ताव पारित

ट्रांसपेरेंसी की जरूरत: प्रस्ताव दिया कि लोकतंत्र को बेहतर बनाने के लिए केंद्र सरकार द्वारा किए जाने वाले किसी भी परिसीमन की प्रक्रिया को ट्रांसपेरेंट रखें

संविधान संशोधन पर जोर: 1971 की जनगणना पर आधारित संसदीय क्षेत्रों की सीमा को 25 और वर्षों के लिए बढ़ाया जाना चाहिए।

दंगाइयों से करेंगे नुकसान की भरपाई बुलडोजर चलेंगे और कुर्की भी होगी

एजेंसी ▶▶ नागपुर

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शहर में कानून व्यवस्था के संबंध में नागपुर पुलिस मुख्यालय में समीक्षा बैठक की। नागपुर हिंसा के बाद फडणवीस ने कहा कि सोशल मीडिया पर अफवाह की वजह से हालात बिगड़े। हमने दंगाइयों की पहचान कर ली है। हम नुकसान की भरपाई उनसे ही करेंगे। जिन लोगों ने भी पुलिस को निशाना बनाया, उन उपद्रवपियों को अब परिणाम भुगतने होंगे। सोशल मीडिया पर भड़काऊ पोस्ट पर भी शिकंजा कसा जा रहा है। ऐसी पोस्ट करने वाले भी आरोपी ही माने जाएंगे। अब तक हम कई ऐसे पोस्ट हटा चुके हैं। हम दोषियों को नहीं बख्शेंगे।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने कानून व्यवस्था के संबंध में की समीक्षा बैठक

पुलिस अधिकारियों के साथ नागपुर में की घटना की समीक्षा

फडणवीस ने कहा कि मैंने पुलिस अधिकारियों के साथ नागपुर में हुई घटना की समीक्षा की। औरंगजेब की कब्र की प्रतिकृति को सुबह जला दिया गया था। इस पर एफआईआर दर्ज की गई थी, लेकिन इस पर कुरान की आयत लिखी होने की अफवाह फैलने के बाद लोग इकट्ठा हो गए। भीड़ ने पथराव और आगजनी की। पुलिस ने एहतियाती कार्रवाई की।

12 नाबालिग समेत 104 उत्पाती गिरफ्तार

अब तक 12 नाबालिगों समेत 104 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस और लोगों को गिरफ्तार करेगी। जो लोग दंगे में शामिल हैं या दंगाइयों की मदद कर रहे हैं, उनके खिलाफ पुलिस कार्रवाई की जाएगी। सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वालों को भी सह-आरोपी बनाया जाएगा। अब तक 68 सोशल मीडिया पोस्ट की पहचान कर उन्हें हटाया गया है। उन्होंने कहा कि दंगाइयों से हिंसा में हुई नुकसान की भरपाई की जाएगी। उनकी प्रोप्टी भी जब्त की जाएगी। फडणवीस ने बुलडोजर एक्शन को लेकर कहा कि जहां चलाने की आवश्यकता होगी, वहां बुलडोजर चलाया जाएगा। अब सीसीटीवी फुटेज के आधार पर दंगा करने वालों को गिरफ्तार किया जा रहा है। जो लोग दंगे में शामिल हैं या मदद कर रहे हैं, वेभी नहीं बचेंगे।

कहा, हरियाणा को पानी की कमी से निजात दिलाने के लिए केंद्र और हरियाणा सरकार मिलकर संकल्पबद्ध तरीके से करेंगे काम

हरियाणा को मिलेगा उसके हिस्से का पानी और संबंधित राज्यों के साथ की जाएगी बैठक: पाटिल

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने कहा है कि हरियाणा को उसके हिस्से का पानी दिलाने के लिए अंतरराज्यीय मुद्दों को हल करने राज्यों के मुख्यमंत्रियों की बैठक की जाएगी। हरियाणा को उसके हक का पानी मिलेगा। पाटिल शनिवार को जिला पंचकूला के ताऊ देवीलाल स्टेडियम में आराष्ट्रव्यापी अभियान जल शक्ति अभियान कैच द रेन-2025 के शुभारंभ के उपरांत संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और सिंचाई एवं जल संसाधन मंत्री श्रुति चौधरी भी उपस्थित रही। पाटिल ने कहा, हरियाणा प्रगतिशील राज्य है, जो पानी की आपूर्ति के लिए दूसरे राज्यों पर निर्भर है। यहां बारिश भी कम होती है, ऐसे राज्य में आने वाले दिनों में पानी कमी न हो, इसकी चिंता सरकार के साथ-साथ नागरिकों को भी करने की आवश्यकता है। इसलिए जनभागीदारी के साथ-साथ केंद्र और हरियाणा सरकार मिलकर राज्य को पानी की कमी की समस्या से निजात दिलाने के लिए संकल्पबद्ध तरीके से काम करेंगे।

बारिश के पानी का संचय करना आवश्यक: पाटिल ने कहा कि जल जीवन मिशन के तहत नल से जल योजना के तहत प्रति व्यक्ति 55 लीटर पानी दिया जाता है। उन्होंने कहा कि जो जमीन में पानी है उसे पूरा प्रयोग कर लिया जाएगा तो आने वाली पीढ़ी के लिए पानी नहीं बचेगा, इसलिए बारिश के पानी का संचय करना आवश्यक है। कार्यक्रम में मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी, जल शक्ति मंत्रालय के सचिव अशोक मीणा, हरियाणा जल संसाधन प्राधिकरण की अध्यक्षा केशनी आनंद अरोड़ा, सांसद कार्तिकेय शर्मा और भारतीय जनता पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष मोहन लाल बड़ोली सहित अन्य अधिकारी व गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

विश्व जल दिवस पर मुख्यमंत्री नायब का आह्वान, पानी की एक एक बूंद बचाएं: सैनी ने विश्व जल दिवस के अवसर पर आह्वान किया कि सभी हरियाणावासी मिलकर ये संकल्प लें कि पानी की एक एक बूंद बचाएंगे। 'जल मित्र' बनकर जलशक्ति अभियानः कैच द रेन 2025 को सफल बनाएंगे। यह अभियान जल संरक्षण की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। पाटिल को हरियाणा के 2 करोड़ 80 लाख लोगों की ओर से विश्वास दिलाया कि जल संरक्षण की इस मुहिम को सफल बनाएंगे।

सिरसा क्षेत्र में अंडर ब्रिज को लेकर सांसद कुमारी सैलजा ने रेलमंत्री को पत्र लिखा

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

सांसद कुमारी सैलजा ने अश्विनी वैष्णव केंद्रीय रेल मंत्री को पत्र लिखकर कहा है कि उनके संसदीय क्षेत्र के सिरसा जिला के गांव फूलकां की पंचायत ने उन्हें ज्ञापन सौंपते हुए कहा है कि गांव फूलकां और गांव मोरीवाला के बीच मार्ग में रेलवे लाइन आती है, गांव फूलकां के किसानों की अधिकांश भूमि रेल लाइन के पार मोरीवाला साइड में है ऐसे में किसानों और ग्रामीणों को आने जाने में परेशानी होती है, यह रास्ता साढ़े 27 फीट का है। अगर इस पर सड़क और अंडर ब्रिज बनवा दिया जाए तो किसानों की समस्या का समाधान होने के साथ साथ दोनों गांव एक दूसरे से जुड़ जाएंगे। इसके साथ ही आसपास के 25-30 गांव भी एनएच-9 से जुड़ जाएंगे। उन्होंने मंत्री से अनुरोध है कि उपरोक्त गांवों के ग्रामीणों की परेशानी को ध्यान में रखते हुए अंडर ब्रिज का निर्माण करवाया जाए।

बजट की अधिकतर राशि तो वेतन, पेंशन, ब्याज में चली जाएगी तो विकास कार्यों का क्या होगा ?: सैलजा ने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार ने जो बजट पेश किया है उसमें से करीब 50 प्रतिशत धनराशि ब्याज में चला जाता है और बचता है उसकी 70 प्रतिशत राशि वेतन और सामाजिक पेंशन में चली जाती है ऐसे में जो राशि शेष बचती है। उसमें विकास कार्य करवाए जाने संभव नहीं है। ऐसे में कामों को एक बजट से दूसरे बजट की ओर सरका दिया जाता है, ऐसे में अधिकतर काम नहीं पाते। सरकार जनता को बताए कि उसकी ओर से जो घोषणाएं की जाती है और जनता जिन कामों की मांग करती है आखिर वे कहां से करवाए जाएंगे?

सैलजा ने कहा कि सरकार कमाई का पैसा इंफ्रास्ट्रक्चर, विभागों की योजनाओं, कर्ज का ब्याज चुकाने, वेतन-भत्तों पर खर्च करती है। इस बार सरकार का दावा है कि वह सबसे ज्यादा 32.84 प्रतिशत खर्च सामाजिक सेवाओं पर कर रही है। सामाजिक सेवाओं में एजुकेशन पर 10.39 प्रतिशत, समाज कल्याण पर 9.67 , हेल्थ एंड फैमिली वेलफेयर पर 4.72 और पब्लिक हेल्थ पर 2.40 प्रतिशत खर्च किया जा रहा है। आर्थिक सेवाओं पर सरकार 21.53 प्रतिशत खर्च किया जा रहा है जिसमें सबसे ज्यादा एग्रीकल्चर पर 10.67 प्रतिशत रकम खर्च की जा रही है। ग्रामीण विकास और ट्रांसपोर्ट, एयर कनेक्टिविटी और सड़कों-पुल पर सरकार लगभग बराबर पैसा खर्च कर रही है। इस बजट की अधिकतर राशि कर्मचारियों के वेतन, पेंशन, ब्याज पर खर्च की जाएगी। सरकार ने कर्मचारियों के वेतन के लिए 41672 करोड़ और पेंशन के लिए 27162 करोड़ रखे हैं। इस प्रकार अधिकांश राशि वेतन, ब्याज, पेंशन में चली जाएगी। बची राशि से विकास कार्य संभव नहीं होंगे।

निवेश का 'गुरु मंत्र' जब लोग डर रहे हों तो आप लालची बन जाएं

● निवेश में सफलता के लिए हमेशा लक्ष्य तय कर पैसा लगाएं ● दिग्गज निवेशक वॉरेन बफेट का मंत्र- बाजार में जब दूसरे डरे हुए हों तो लालची बनो और जब दूसरे लालची हों तो डरो। घबराहट में अपना निवेश भुना लेने से सिर्फ घाटा ही बढ़ता है।

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

दिग्गज निवेशक वॉरेन बफेट का एक पॉपुलर कोट है कि बाजार में जब दूसरे डरे हुए हों तो लालची बनो और जब दूसरे लालची हों तो डरो। घबराहट में अपना निवेश भुना लेने से सिर्फ घाटा ही बढ़ता है, जबकि निवेश बनाए रहने से टाइम और कंपाउंडिंग निवेशक के फेवर में काम करते हैं। उनका कहना है कि जब बाजार में घबराहट होती है तो हम अपनी दौलत नहीं गंवाते हैं, बल्कि जब हम घबराते हैं तो हम अपने पैसों का नुकसान कर लेते हैं। तो क्या मौजूदा बाजार की गिरावट में भी दिग्गज निवेशक का ये मंत्र लंबी अवधि में सफलता का राज बन सकता है। अगर हम बाजार की हिस्ट्री में बड़ी गिरावट और उसके बाद रिकवरी के आंकड़े देखें तो यह बात समझ में आ सकती है।

● बाजार में उतार-चढ़ाव टेंशन बढ़ाने वाला हो सकता है, लेकिन घबराएं नहीं

● यह लॉन्ग टर्म निवेशकों के लिए पोर्टफोलियो का मूल्यांकन करने का अहम समय

निवेश बनाए रखना जरूरी

जानकारों का कहना है कि फंड हाउस की एक स्टडी के अनुसार पिछले 2 दशक में, ऐसे 13 मौके आए, जब एनएसई निफ्टी 50 इंडेक्स ने 10 फीसदी से ज्यादा की गिरावट दर्ज की।

इनमें से 11 मौकों पर, इंडेक्स ने एक साल बाद पॉजिटिव रिटर्न दिया। इनमें से 9 मौकों पर रिटर्न डबल डिजिट में था, जबकि एवरेज रिटर्न 21 फीसदी रहा।

अगर आप 10 फीसदी की गिरावट के बाद भी निवेश के लिए 3 साल तक समय-सीमा बढ़ाते हैं, तो निगेटिव रिटर्न का एक भी उदाहरण नहीं है। रिसर्च के अनुसार 18 अप्रैल 2005 से 18 अप्रैल 2006 के बीच बाजार में 80 फीसदी से ज्यादा बढ़त रही।

15 सितंबर 2008 से 15 सितंबर 2009 तक बाजार में 20 फीसदी तेजी आई। 8 मई 2012 से 8 मई 2013 के बीच बाजार में 21 फीसदी तेजी रही।

17 नवंबर 2016 से 17 नवंबर 2017 के बीच बाजार में 27 फीसदी तेजी रही। 23 मार्च 2018 से 23 मार्च 2019 के बीच 15 फीसदी तेजी रही, जबकि इन सभी साल के पहले तक बाजार में करेक्शन का दौर चला था। तो यह डाटा तो वॉरेन बफेट के प्रसिद्ध कोट को सही साबित करता है।

एसआईपी बनाए रखने का फायदा

घबराहट की स्थिति में कई बार निवेशक घबराकर जल्दबाजी में फैसले लेने लगते हैं। जैसे पहले से चल रहे एसआईपी को बंद कर देना या टारगेट पूरा हुए बिना निवेश को भुना लेना, लेकिन वास्तव में ये कदम फाइनेंशियल हेल्थ के लिए नुकसानदायक है। एसआईपी के पीछे मूल उद्देश्य रूपी कास्ट एवरेजिंग है। जब आप लोअर मार्केट लेवल पर एसआईपी जारी रखते हैं, तो आप अपने समान मंथली निवेश की राशि से अधिक यूनिट खरीद सकते हैं, क्योंकि नेट एसेट वैल्यू (एनएवी) कम होती है। यह रणनीति सुनिश्चित करती है कि जब बाजार में रिकवरी आती है, तो इन बढ़ी हुई यूनिट पर आपको ज्यादा लाभ होता है।

बाजार में उतार-चढ़ाव से कैसे निपटें

हालांकि बाजार में उतार-चढ़ाव टेंशन बढ़ाने वाला हो सकता है, लेकिन यह लॉन्ग टर्म निवेशकों के लिए अपने पोर्टफोलियो का फिर से मूल्यांकन करने का एक सुनहरा अवसर पेश करता है। इस डर का उपयोग प्रोडक्टिवली यह मूल्यांकन करने के लिए करें कि आपका वर्तमान एसेट एलोकेशन आपकी जोखिम लेने की क्षमता के अनुरूप है या नहीं। अक्सर, बुल मार्केट यानी तेजी वाले बाजारों में निवेशक दूसरों को फॉलो करते हुए या हाल ही में टॉप प्रदर्शन करने वाली कैटेगरी को देखकर निवेश करते है, लेकिन हर निवेशक की जोखिम लेने की क्षमता, लिक्विडिटी की जरूरतें और टाइम लिमिट अलग-अलग होती है। बाजार में करेक्शन एक चेतावनी के रूप में काम करना चाहिए, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि किसी का पोर्टफोलियो उसके अपने लक्ष्य, जोखिम लेने की क्षमता और लिक्विडिटी की जरूरतों को पूरा करने के लिए सही तरीके से तैयार किया है।

एसेट एलोकेशन स्ट्रैटेजी

- **लार्ज और मिडकैप फंड/ल्टीकैप फंड/फ्लेक्सीकैप फंड** : उन निवेशकों के लिए जो लंबी अवधि में अपनी दौलत में इजाफा करना चाहते हैं और इक्विटी मार्केट में उतार-चढ़ाव को झेलने की क्षमता रखते हैं, ये फंड कैटेगरी अच्छे विकल्प होंगे। क्योंकि इनमें मार्केट कैपिटलाइजेशन के हिसाब से पोर्टफोलियो मिक्स होता है, जो मार्केट के किसी खास सेगमेंट में तेज उतार-चढ़ाव के असर को कम करता है।
- **हाइब्रिड इक्विटी स्कीम/बैलेंस्ड एडवांटेज फंड** : ये योजनाएं निश्चित रूप से ऐसे निवेशकों के लिए सावधानी से विचार करने योग्य हैं, जिन्हें हाल ही में 10 फीसदी की गिरावट ने यह अहसास जगा दिया है कि इक्विटी निवेश में अप-डाउन हो सकता है, लेकिन जो अभी भी भारत में सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले लॉन्ग टर्म एसेट क्लास के रूप में अपने स्टेटस के लिए इक्विटी होल्डिंग चाहते हैं।
- **मल्टी-एलोकेशन फंड** : जो निवेशक इसमें विश्वास करते हैं कि इक्विटी की एक ही कैटेगरी में निवेश करना समझदारी नहीं है, उनके लिए एक दूसरे से लो को-रिलेशन वाले मल्टी एसेट क्लास का मिक्स एक पसंदीदा विकल्प हो सकता है।
- (**डिस्क्लेमर** : इस आर्टिकल का उद्देश्य सिर्फ जानकारी प्रदान करना है। यह किसी भी तरह से निवेश की सलाह नहीं है। बाजार में जोखिम होता है, इसलिए यह सलाह दी जाती है कि निवेश का कोई भी निर्णय लेने से पहले अपने स्तर पर फाइनेंशियल एडवाइजर्स से परामर्श जरूर कर लें।)

एसआईपी से दूर जा रहे निवेशक गिरते बाजार में संभलकर उठाएं कदम

मोहभंग
बिजनेस डेस्क

बाजार में म्यूचुअल फंड में एसआईपी के जरिए निवेश करना एक बढ़िया तरीका माना जाता है। काफी निवेशकों ने इस तरह से बड़ा फंड भी बनाया है। एसआईपी के जरिए हर महीने एक तय रकम निवेश करने पर करोड़पति बनना काफी आसान होता है। लेकिन लगता है कि इस स्कीम को किसी की नजर लग गई है। शेयर बाजार में पिछले कई महीने से भारी गिरावट देखी जा रही है। बाजार में बिकवाली (बिक्री) की आंधी का असर म्यूचुअल फंड निवेशकों पर भी पड़ रहा है। फरवरी में म्यूचुअल फंड में निवेश काफी गिर गया है। इसमें अभी भी गिरावट का दौर लगातार जारी है। ऐसे में निवेशकों को चाहिए कि लंबी अवधि के निवेश का लक्ष्य बनाएं रखें और बाजार की गिरावट से डरकर न भागें। पहले भी देखा गया है कि लंबी अवधि में एसआईपी ने अच्छा फायदा दिया है। इसलिए एसआईपी में निवेश बनाए रखें।

● एसआईपी के जरिए निवेश करके बड़ा फंड हो सकता है तैयार

● लॉन्ग टर्म में इनमें अच्छा रिटर्न मिलने की पूरी उम्मीद होती है

● थोड़ी-थोड़ी रकम निवेश करके करोड़पति बन सकते हैं

● अभी शेयर मार्केट में गिरावट है। तो निवेशक एसआईपी से भी दूरी बना रहे

● लेकिन लंबे समय के लिए निवेश का यह एक बेहरीन विकल्प

कम समय में ज्यादा रिटर्न

बाजार में उतार-चढ़ाव चलते रहते हैं। ऐसे में एसआईपी यानी सिस्टेमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान फायदेमंद माना जाता है। एसआईपी के जरिए आप हर महीने एक निश्चित रकम निवेश करते हैं। बाजार ऊपर हो या नीचे, आपका निवेश चलता रहता है। इससे आपको औसतन कम कीमत पर ज्यादा यूनिट्स मिलती हैं। लंबे समय में इससे अच्छा रिटर्न मिलने की संभावना बढ़ जाती है। लेकिन पिछले कुछ समय से तस्वीर कुछ बदल रही है।

फरवरी में कितनी आई गिरावट?

एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) के आंकड़ों के मुताबिक, फरवरी में स्मॉलकैप और मिडकैप योजनाओं में निवेश घटने से इक्विटी म्यूचुअल फंड निवेश में 26%गिरकर 29,303 करोड़ रुपये रह गया, जबकि जनवरी 2025 में यह आंकड़ा 39,687 करोड़ रुपये था। डेट म्यूचुअल फंड में 6,525 करोड़ रुपये का रेकॉर्ड आउटफ्लो (निकासी) देखने को मिला, जबकि जनवरी में इसका टोटल इन्फ्लो (निवेश) 1.28 लाख करोड़ रुपये था।

लोगों की संख्या में आई कमी

फरवरी में सेंसेक्स और निफ्टी लगातार पांचवें महीने लाल निशान में बंद हुए और यह साल 1996 के बाद से सबसे बड़ी गिरावट रही। म्यूचुअल फंड में मिलने वाले रिटर्न पर मार्केट की गिरावट का असर पड़ता है। फरवरी में म्यूचुअल फंड एसआईपी के जरिए पैसा लगाने वालों की संख्या कम हुई है। फरवरी में एसआईपी के जरिए 25,999 करोड़ रुपये आए। यह पिछले तीन महीनों में सबसे कम है। जनवरी के मुकाबले इसमें 2% की गिरावट आई है।

क्या कहते हैं जानकार?

जानकारों के मुताबिक मार्केट गिरे और निवेश की वैल्यू कम होने लगे तो घबराना नहीं चाहिए। काफी लोग इस गिरावट के कारण म्यूचुअल फंड से निकल जाते हैं और नुकसान कर बैठते हैं। अगर म्यूचुअल फंड की कीमत कम हो रही है तो ज्यादा यूनिट्स खरीदना शुरू कर दें। मार्केट जब बढ़ेगी तो आपका पैसा तेजी से बढ़ेगा। हालांकि पूरी रिसर्च करने और एक्सपर्ट से जानकारी लेने के बाद ही निवेश करें।

लंबे समय के लिए टिकें

म्यूचुअल फंड में लॉन्ग टर्म निवेश की सलाह दी जाती है। यहां लॉन्ग टर्म से मतलब कम से कम 3 साल है। अगर मार्केट में गिरावट के कारण शुरुआती कुछ महीनों में ही नुकसान दिखाई दे रहा है तो इससे घबराएं नहीं। बाजार के उतार-चढ़ाव के दौरान निवेशकों को अपनी लंबी अवधि की जरूरतों पर ध्यान देना चाहिए और अपनी एसआईपी जारी रखनी चाहिए। कोरोना के समय जब शेयर मार्केट में गिरावट आई थी तो काफी लोगों ने एसआईपी को बढ़ा दिया था। आज उनकी रकम काफी बढ़ चुकी है।

क्या है एसआईपी

सिस्टेमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) म्यूच्यूअल फंड्स द्वारा प्रस्तावित एक ऐसा निवेश का जरिया है, जिसके माध्यम से एक व्यक्ति एक निर्धारित रकम, नियमित अंतराल में म्यूच्यूअल फंड्स के किसी स्कीम में – जैसे मासिक या त्रैमासिक, बजाय एक मुश्त रकम की अदायगी के, निवेश कर सकता है। यह किश्त 100 रुपये प्रति माह की मामूली रकम भी हो सकती है जो बहुत कुछ रेकरिंग डिपाजिट (आवर्ती जमा) से मिलती-जुलती है। ये इसलिए भी आसान है, क्योंकि आप अपने बैंक को ये स्थाई अनुदेश दे सकते हैं कि आपके खाते से ये रकम हर माह डेबिट (निकासी) होता रहे। एसआईपी भारतीय म्यूच्यूअल फंड्स निवेशकों के बीच काफी लोकप्रिय हो चला है, इसलिए कि ये निवेशक को बाज़ारों के उथल-पुथल और समय गणना की चिंता से अलग रख एक अनुशाशित तरीके से निवेश में सहायता करता है। लम्बी अवधि के निवेश के लिए म्यूच्यूअल फंड्स द्वारा प्रस्तावित एसआईपी निवेश की दुनिया में क़दम रखने का यकीनन सबसे बढ़िया रास्ता हैं। निवेश से सर्वाधिक और श्रेष्ठ प्राप्ति के लिए, बेहद ज़रूरी है लम्बी अवधि के लिए निवेश हो, जिसका सीधा अर्थ यह कि आप जल्द से जल्द निवेश आरम्भ करें, ताकि आपके लक्ष्य लाभ अधिकतम हों।

पोस्ट ऑफिस की स्कीम भी दे रही अच्छा मुनाफा, कर सकते हैं निवेश

टीडी स्कीम बैंकों की एफडी की तरह देती है आकर्षक ब्याज, इस योजना में निवेश कर युवा भी अपनी झोली भर रहे, पोस्ट ऑफिस की टीडी स्कीम में कोई खोल सकता है खाता, निवेशकों को 6.9 फीसदी से लेकर 7.5 फीसदी तक ब्याज मिलता है

एफडी
बिजनेस डेस्क

भारतीय डाक विभाग की टाइम डिपॉजिट (टीडी) स्कीम निवेशकों के लिए एक सुरक्षित और लाभदायक विकल्प बनकर उभरी है। यह स्कीम बैंकों की फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) की तरह ही काम करती है, लेकिन इसमें ब्याज दरें अधिक आकर्षक हैं। पोस्ट ऑफिस की यह डिपॉजिट स्कीम लोगों को मालामाल कर रही है। इस योजना में निवेश कर युवा भी अपनी झोली भर रहे हैं। पोस्ट ऑफिस की टीडी स्कीम में कोई भी व्यक्ति खाता खोल सकता है। इसमें सिंगल अकाउंट के साथ-साथ जॉइंट अकाउंट भी खोला जा सकता है। जॉइंट अकाउंट में अधिकतम 3 लोगों के नाम जोड़े जा सकते हैं। इसमें निवेश कर कोई भी आसानी से अपनी बचत को बढ़ा सकता है। टीडी स्कीम में निवेशकों को 6.9 फीसदी से लेकर 7.5 फीसदी तक का ब्याज मिलता है, जो इसे बैंकों की एफडी से बेहतर बनाता है. इस स्कीम में निवेश किया गया पैसा पूरी तरह से सुरक्षित है, क्योंकि यह भारत सरकार के अधीन काम करता है।

टीडी स्कीम की खास बातें

पोस्ट ऑफिस टीडी स्कीम में निवेशक 1 साल से लेकर 5 साल तक के लिए अपना पैसा जमा कर सकते हैं। इस स्कीम में न्यूनतम 1,000 से खाता खोला जा सकता है, जबकि अधिकतम जमा राशि की कोई सीमा नहीं है। टीडी खाते पर मिलने वाला ब्याज निवेश की अवधि पर निर्भर करता है।उदाहरण के लिए, 2 साल की टीडी पर 7.0 फीसदी का ब्याज मिलता है।

लाख जमा पर कितना ब्याज

अगर आप पोस्ट ऑफिस की 2 साल की टीडी स्कीम में 2 लाख जमा करते हैं, तो मैच्योरिटी पर आपको कुल 2,29,776 मिलेंगे। इसमें 29,776 का ब्याज शामिल होगा। यह ब्याज गारंटीड और फिक्स है, जिसमें किसी तरह का रिस्क नहीं है।

कौन खोल सकता है खाता

पोस्ट ऑफिस की टीडी स्कीम में कोई भी व्यक्ति खाता खोल सकता है। इसमें सिंगल अकाउंट के साथ-साथ जॉइंट अकाउंट भी खोला जा सकता है। जॉइंट अकाउंट में अधिकतम 3 लोगों के नाम जोड़े जा सकते हैं। यह स्कीम छोटे और बड़े निवेशकों दोनों के लिए उपयुक्त है।

पोस्ट ऑफिस टीडी स्कीम के फायदे

- **सुरक्षित निवेश** : पोस्ट ऑफिस सरकारी संस्था है, इसलिए इसमें निवेश किया गया पैसा पूरी तरह से सुरक्षित है।
- **आकर्षक ब्याज दरें**: बैंकों की तुलना में पोस्ट ऑफिस टीडी पर ब्याज दरें अधिक हैं।
- **लचीलापन**: 1 साल से लेकर 5 साल तक की अवधि चुनने की सुविधा।
- **कम निवेश** : सिर्फ 1,000 से खाता खोल सकते हैं।

ऐसे खोलें टीडी खाता

पोस्ट ऑफिस टीडी खाता खोलने के लिए आपको नजदीकी डाकघर जाना होगा। वहां आपको आवेदन फॉर्म भरना होगा और जरूरी दस्तावेज जमा करने होंगे। इसमें पहचान प्रमाण, पता प्रमाण और पासपोर्ट साइज फोटो की आवश्यकता होती है।

डाकघर की ये भी बचत योजनाएं

- डाकघर बचत खाता
- 5 वर्षीय डाकघर आवर्ती जमा खाता (आर डी)
- डाकघर सावधि जमा खाता (टी डी)
- डाकघर मासिक आय योजना खाता (एम आई एस)

वरिष्ठ नागरिक बचत योजना (एस सी एस एस)

- 15 वर्षीय सार्वजनिक भविष्य निधि खाता (पीपीएफ)
- सुकन्या समृद्धि खाता
- राष्ट्रीय बचत प्रमाण पत्र (एन एस सी)
- किसान विकास पत्र (के वी पी)
- महिला सम्मान बचत पत्र
- प्रधानमंत्री बाल केयर योजना, 2021
- ब्याज दर (नई)
- **डिस्क्लेमर** : (यह जानकारी सिर्फ़ सूचना के लिए है। इसे निवेश का सुझाव मानकर निवेश न करें। मार्केट में निवेश बाजार जोखिमों के अधीन होता है। निवेशक के तौर पर पैसा लगाने से पहले हमेशा एक्सपर्ट से सलाह लें।)

टैक्स बचाने का अब आखिरी मौका, 31 मार्च से पहले अपनाएं ये ट्रिक्स

वित्त वर्ष 2024 में 72% टैक्सपेयर्स ने नई टैक्स व्यवस्था को अपनाया

इस बार यह संख्या और बढ़ेगी, 12.75 लाख तक नहीं देना होता टैक्स

सुझाव
बिजनेस डेस्क

वित्त वर्ष 2024-25 खत्म होने में अब कुछ ही दिन बाकी हैं और नया वित्त वर्ष 2025-26 शुरू होने में सिर्फ 10 दिन रह गए हैं। ऐसे में जो लोग पुरानी टैक्स व्यवस्था को चुन रहे हैं, उनके पास टैक्स बचाने के लिए अब आखिरी मौका है। हालांकि वित्त मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, वित्त वर्ष 24 में 72% टैक्सपेयर्स ने नई टैक्स व्यवस्था को अपनाया, और आने वाले समय में यह संख्या और बढ़ सकती है। हालांकि, अभी भी कई करदाता पुरानी टैक्स व्यवस्था के जरिए टैक्स छूट के फायदे लेना पसंद करते हैं। अगर आप भी पुरानी टैक्स व्यवस्था के तहत टैक्स छूट पाना चाहते हैं, तो यह समय आपके लिए आखिरी मौका हो सकता है। सही निवेश से आप अपने टैक्स का बोझ कम कर सकते हैं।

सेक्शन 80सी: टैक्स बचाने के लिए बेस्ट निवेश विकल्प

अगर आप इनकम टैक्स बचाना चाहते हैं, तो सेक्शन 80सी के तहत कई निवेश योजनाओं में पैसा लगाकर 1.5 लाख रुपये तक की कटौती का फायदा उठा सकते हैं। इस सेक्शन के तहत सुकन्या समृद्धि योजना, इक्विटी लिंक्ड सेविंग स्कीम, पब्लिक प्रोविडेंट फंड, कर्मचारी भविष्य निधि, नेशनल सेविंग सर्टिफिकेट और 5 साल की टैक्स-सेवर फिक्स्ड डिपॉजिट जैसी कई योजनाएं आती हैं। हर योजना की अपनी अलग लॉक-इन अवधि और रिटर्न दर होती है। अगर आप कम से कम लॉक-इन पीरियड में निवेश करना चाहते हैं, तो ईएलएसएस आपके लिए एक अच्छा विकल्प हो सकता है, जिसका लॉक-इन केवल 3 साल है, लेकिन इसका रिटर्न बाजार के प्रदर्शन पर निर्भर करता है। वहीं, नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस) में निवेश पर आपको सेवानिवृत्ति (60 वर्ष) तक इंतजार करना होता है। ईपीएफ भी सेवानिवृत्ति तक का निवेश है, लेकिन आंशिक निकासी की सुविधा इसमें दी जाती है। अगर आप गैर-बाजार जोखिम वाले निवेश चाहते हैं, तो सुकन्या समृद्धि योजना (एसएसए) और वरिष्ठ नागरिक बचत योजना (एससीएसएस) बेहतर विकल्प हो सकते हैं। एसएसए में सालाना 8.2% और एससीएसएस में 8.2% ब्याज मिलता है। वहीं, पीपीएफ में 7.1%, एनएससी में 7.7%, और पोस्ट ऑफिस टाइम डिपॉजिट में 7.5% का सालाना ब्याज मिलता है। टैक्स-सेवर बैंक एफडी का रिटर्न 6.5% से 7.5% तक होता है। यदि आप लॉन्ग-टर्म प्लानिंग कर रहे हैं, तो पीपीएफ, इपीएफ और एनपीएस बढ़िया विकल्प हो सकते हैं। वहीं, जो लोग शॉर्ट-टर्म टैक्स सेविंग और अच्छा रिटर्न चाहते हैं, वे ईएलएसएस और 5 साल की टैक्स-सेवर एफडी का चुनाव कर सकते हैं। 31 मार्च से पहले सही निवेश करके आप न सिर्फ टैक्स बचा सकते हैं, बल्कि अपनी वित्तीय सुरक्षा भी मजबूत कर सकते हैं।

नया टैक्स बचाने से पहले मौजूदा निवेशों की करें जांच

अगर आप टैक्स बचाने के लिए नया निवेश करने की सोच रहे हैं, तो पहले यह देखें कि इसकी जरूरत है या नहीं। कई निवेश योजनाओं में लॉक-इन पीरियड होता है, यानी एक बार पैसा लगाने के बाद आप उसे तय समय से पहले नहीं निकाल सकते। सबसे पहले यह जांचें कि आपने इस साल कितना निवेश किया है। हो सकता है कि आप पहले ही धारा 80सी की सीमा पूरी कर चुके हों। ईपीएफ (कर्मचारी भविष्य निधि), जिसे आपकी सैलरी से हर महीने काटा जाता है, भी टैक्स बचत में शामिल होता है। इसी तरह, अगर आपके पास होम लोन है, तो उसका मूलधन (प्रिंसिपल) भी धारा 80सी के तहत टैक्स छूट दिला सकता है। इसलिए, नया निवेश करने से पहले अपने मौजूदा निवेशों को जरूर जांचें। हो सकता है कि ईपीएफ और होम लोन के रीपेमेंट से ही आपकी टैक्स बचत की जरूरत पूरी हो रही हो और आपको अलग से निवेश करने की जरूरत न हो।

अगर 2024 में जॉब बदली है तो फॉर्म 12 भरना जरूरी अगर आपने 2024 में नौकरी बदली है, तो फॉर्म 12बी भरना जरूरी है। यह फॉर्म आपके नए एम्प्लॉयर को आपकी पिछली सैलरी और टैक्स कटौती की जानकारी देने में मदद करता है, जिससे आपकी सैलरी से सही टैक्स कटे। अपने टैक्स रिकॉर्ड सही रखने के लिए 31 मार्च तक फॉर्म 12बी समिट करें। इससे आपका नया एम्प्लॉयर टैक्स कैलकुलेशन में गलती नहीं करेगा और सही टीडीएस कटेगा।

सीनियर सिटीजन्स के मेडिकल खर्च पर टैक्स डिडक्शन

भारत में आयकर अधिनियम की धारा 80डी के तहत करदाता अपने और अपने परिवार के लिए चुकाए गए हेल्थ इंश्योरेंस प्रीमियम पर टैक्स डिडक्शन का लाभ उठा सकते हैं। इससे उनकी टैक्स योग्य आय कम होती है और उन्हें कम टैक्स देना पड़ता है। लेकिन अगर आपने सीनियर सिटीजन्स (वरिष्ठ नागरिकों) के लिए कोई हेल्थ इंश्योरेंस प्रीमियम नहीं भरा है, तब भी आप उनके मेडिकल खर्च पर टैक्स छूट का दावा कर सकते हैं। इस धारा के तहत, 60 साल या उससे अधिक उम्र के माता-पिता या वरिष्ठ नागरिकों के इलाज पर किए गए खर्च के लिए 50,000 रुपये तक का टैक्स डिडक्शन लिया जा सकता है। यह सुविधा उन करदाताओं के लिए फायदेमंद है, जिनके माता-पिता या अन्य वरिष्ठ परिजन बीमा कवर के बिना इलाज करवा रहे हैं। इसलिए, अगर आपके परिवार में कोई सीनियर सिटिजन बिना स्वास्थ्य बीमा के है, तो उनके मेडिकल खर्च का बिल संभालकर रखें और टैक्स बचत का लाभ उठाएं।

कैलकुलेशन से समझें

टैक्स बचाने के लिए ईएलएसएस फायदेमंद, लेकिन निवेश पर जोखिम भी अगर आप ईएलएसएस में निवेश करते हैं, तो इससे टैक्स बचाया जा सकता है। हालांकि, इस स्कीम में निवेश करने के बाद आपका पैसा 3 साल तक लॉक रहेगा। इसके अलावा, ईएलएसएस एक जोखिम भरा निवेश भी है क्योंकि यह शेयर बाजार से जुड़ा होता है। शेयर बाजार की स्थिति अक्सर बदलती रहती है, जिससे इस स्कीम में रिटर्न का कोई निश्चित भरोसा नहीं होता। इसलिए, निवेश करने से पहले अपने वित्तीय लक्ष्यों और जोखिम सहने की क्षमता को जरूर समझें।

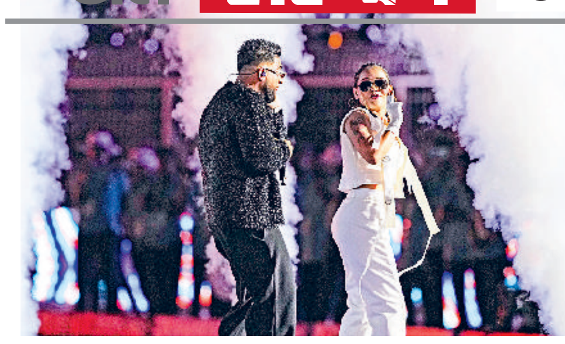

श्रेया घोषाल के गानों का क्रेज

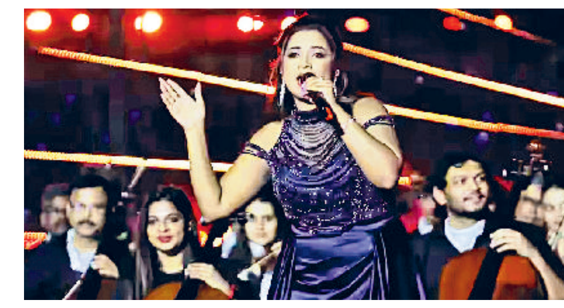

परफॉर्मेंस की शुरुआत श्रेसा घोषाल ने की। श्रेया घोषाल ने अपनी मधुर आवाज के साथ अपने प्रदर्शन की शुरुआत 'अमी जे तोमार' के भावपूर्ण गायन से की, जिसके बाद उन्होंने 'घूमर' और 'कर हर मैदान फतेह' सहित अन्य गीत प्रस्तुत किए। उन्होंने चुन्नी मेरी रंग दे ललारिया, मेरे यार दी गद्दी दे नाल दी गाने पर परफॉर्म किया। लेकिन पूरा स्टेडियम तब गूंज उठा जब उन्होंने हुसन तेरा-तेरा तौबा-तौबा गया और इसी समय दिशा पाटनी की भी एंट्री हुई। दोनों ने जमकर डांस किया।

आईपीएल का रंगारंग आगाज

60 हजार दर्शकों में दिखा रोमांच...

दिशा पटानी, श्रेया घोषाल ने लूटी महफिल

एजेंसी ▸▸| कोलकाता

कोलकाता के ईडन गार्डन्स में 60 हजार दर्शकों के बीच आईपीएल के 18वें सीजन की रंगारंग शुरुआत हो गई है। कोलकाता नाइट राइडर्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के मैच से पहले ईडन गार्डन्स पर ओपनिंग सेरेमनी का आयोजन किया गया। मैच से पहले ओपनिंग सेरमनी में बॉलीवुड के किंग शाहरुख खान के साथ ही बॉलीवुड के कई कलाकार नजर आए। दिशा पाटनी के डांस मूव पर फैंस क्रेजी नजर आए। दिशा पाटनी के बाद पंजाबी सिंगर करण औजला स्टेज पर पहुंचे। उन्होंने अपने गानों से धूम मचा दी। करण ने जैसे ही 'हुस्न तेरा तौबा-तौबा' गाया दर्शक झूम उठे। इसके साथ ही उन्होंने वेवी और साफ्टली भी गाया।

इसके बाद श्रेया घोषाल के बाद दिशा पाटनी स्टेज पर पहुंचीं। दिशा ने अपने शानदार डांस परफॉर्मेंस से मंच पर धूम मचा दी। टू पीस में दिखा ने अपनी फिल्मों की गानें पर जोरदार डांस किया। अपने स्टेप्स से उन्होंने फैंस का दिल जीत लिया।

शाहरुख ने की शुरुआत

आईपीएल 2025 के ओपनिंग सेरेमनी की शुरुआत शाहरुख खान ने की। वह कोलकाता नाइट राइडर्स की टीम के मालिक भी हैं। शाहरुख खान ने आईपीएल को लेकर कई प्रेरणादायक बातें कहीं। शाहरुख खुद भी पहले सीजन से आईपीएल का हिस्सा हैं। उन्होंने ही परफॉर्म करने वाले आर्टिस्ट का नाम भी अनाउंस किया।

रिंकू-विराट का डांस

इसके बाद शाहरुख खान ने दोबारा स्टेज संभाला। उन्होंने 18 साल से लगातार एक ही टीम में खेलते आ रहे विराट कोहली को स्टेज पर बुलाया और कुछ बातें कीं। फिर शाहरुख ने अपनी ही टीम के रिंकू सिंह को बुलाया। रिंकू सिंह के साथ शाहरुख ने अपने गाने लुट-पुट गया पर परफॉर्म किया और फिर कोहली को पठान के गाने पर झूमने को मजबूर कर दिया।

कोहली का सम्मान

फिर शाहरुख ने बीसीसीआई अधिकारियों और आईपीएल गर्वनिंग काउंसिल के अधिकारियों को स्टेज पर बुलाया। इसी के साथ सभी परफॉर्मर को भी स्टेज पर बुलाया। इसके बाद विराट का सम्मान किया गया और फिर आईपीएल ट्रॉफी लगाई गई। इस ट्रॉफी को इस सीजन का पहला मैच खेलने वाली टीमों के कप्तान लेकर आए। कोलकाता और आरसीबी के बीच पहला मैच होना है जो कोलकाता में ही होगा।

आईपीएल के 18वें सीजन का पहला डबल हेडर आज

रॉयल्स और सनराइजर्स में दावेदार की जंग आज

एजेंसी ▸▸| हैदराबाद

अपनी दमदार बल्लेबाजी और अनुभवी गेंदबाजों की उपस्थिति में सनराइजर्स हैदराबाद रविवार को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैच में जीत के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेगा। सनराइजर्स के पास दुनिया के सबसे विस्फोटक बल्लेबाज हैं। इनमें ट्रैविस हेड, अभिषेक शर्मा, इशान किशन और हेनरिक क्लासेन शामिल हैं जो किसी भी तरह के आक्रमण की बखिया उधेड़ सकते हैं।

सनराइजर्स के पास गेंदबाजी विभाग में कप्तान पैट कमिंस और मोहम्मद शमी जैसे अनुभवी तेज गेंदबाज हैं जबकि स्पिन विभाग की जिम्मेदारी ऑस्ट्रेलिया के एडम जंपा संभालेंगे। सनराइजर्स की टीम राजस्थान रॉयल्स की तुलना में काफी बेहतर नजर आती है। राजस्थान को अपने कप्तान संजू सैमसन की भी कमी खलेगी जो उंगली में चोट के कारण विकेटकीपिंग और क्षेत्ररक्षण नहीं कर पाएंगे। अगर वहां इंपैक्ट प्लेयर के रूप में उतरते हैं तो किसी को इस पर हैरानी नहीं होगी। सैमसन की अनुपस्थिति में पहले तीन मैच में रियान पराग राजस्थान की कप्तानी करेंगे।

मुंबई के सामने होगी चेन्नई की स्पिन चुनौती

चेन्नई। चेन्नई सुपर किंग्स अपने मजबूत स्पिन आक्रमण के दम पर रविवार को यहां होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग के अपने पहले मैच में मुंबई इंडियंस पर शिकंजा कसने की कोशिश करेगा। मुंबई की टीम इस मैच में कप्तान हार्दिक पंड्या और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के बिना उतरेगी और ऐसे में उसे एम ए चिदंबरम स्टेडियम की स्पिनरों की मददगार पिच पर कड़ी चुनौती का सामना करना होगा।

पांच बार के चैंपियन चेन्नई ने यहां की पिच का व्यवहार देखते हुए पिछले साल मेगा नीलामी में रविचंद्रन अश्विन, नूर अहमद, श्रेयस गोपाल और दीपक हुड्डा को अपनी टीम से जोड़कर अपने स्पिन आक्रमण को मजबूत किया। टीम के पास पहले से ही अनुभवी स्पिनर रवींद्र जडेजा थे। चेन्नई के टूर्नामेंट शुरू होने से पहले उठाए गए इस कदम से पता चलता है कि यहां की पिच का धीमी गति के गेंदबाजों को मदद पहुंचाना किसी टीम की रणनीति में कितना महत्वपूर्ण हो सकता है।

सऊदी में टूर्नामेंट की कोई योजना नहीं

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के अध्यक्ष अरुण धूमल ने शनिवार को कहा कि वह विश्व स्तर पर टी20 लीग की बढ़ती संख्या का समर्थन करते हैं लेकिन उन्होंने सऊदी अरब में इस तरह के किसी टूर्नामेंट के आयोजन को लेकर चल रही अटकलों को खारिज कर दिया। धूमल ने कहा कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड विशेषकर सऊदी अरब, यूरोप और अमेरिका जैसे स्थानों पर टी20 लीग का समर्थन करता है। उनका मानना है कि इससे 2028 में होने वाले ओलंपिक खेलों से पहले इस खेल को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी।

हमारा लक्ष्य पंजाब को सर्वश्रेष्ठ टीम बनाना

नई दिल्ली। पंजाब किंग्स के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग ने कहा कि उनका तात्कालिक लक्ष्य इंडियन प्रीमियर लीग में खिताब का लंबे समय से चला आ रहा इंतजार खत्म करना है लेकिन उनका दीर्घकालिक लक्ष्य इस टीम को सर्वकालिक सर्वश्रेष्ठ टीम बनाना है। पंजाब ने इस सत्र के लिए पोंटिंग को मुख्य कोच और श्रेयस अय्यर को कप्तान नियुक्त किया है और वह पहली बार चैंपियन बनने के लक्ष्य के साथ मैदान पर उतरेगा। पंजाब किंग्स अपना पहला मैच 25 मार्च को गुजरात टाइटंस के खिलाफ अहमदाबाद में खेलेगा।

खबर संक्षेप

इंग्लैंड की जीत से शुरुआत

लंदन। माइल्स लुईस-स्केली और हैरी केन के गोल की मदद से इंग्लैंड ने वेम्बली स्टेडियम में खेले गए मैच में अल्बानिया को 2-0 से पराजित करके विश्व कप क्वालीफाइंग में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। इंग्लैंड के नए कोच थॉमस ट्यूशेल का इस टीम के साथ यह पहला मैच था। ट्यूशेल इंग्लैंड के लगातार 11वें ऐसे कोच हैं जिन्होंने अपने पदार्पण मैच में जीत हासिल की। ग्रुप जी में पोलैंड और फ़िनलैंड ने विजयी शुरुआत की। पोलैंड ने रॉबर्ट लेवांडोव्स्की के 81वें मिनट में किए गए गोल की मदद से लिथुआनिया को अपने घरेलू मैदान पर 1-0 से हराया, जबकि फ़िनलैंड ने माल्टा के खिलाफ 1-0 से जीत हासिल की।

चिकित्सा

बिना बताए शराब, अफीम, सिगरेट छुड़ाएं
दमा, खांसी, नजला, मोटापा होना, कमजोरी, पेट के रोगों व मोटापे का देसी ईलाज।
हमराज़ क्लीनिक
11am-5pm Ph: 9811301362
1936, फव्वारा, चाँदनी चौक, दिल्ली - 110006
F-23/101, अवन्तिका चौक, सैक्टर - 3, रोहिणी, दिल्ली - 85
Ph: 9811301362, 9999301362
10am - 9pm

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

कोहली और सॉल्ट के अर्धशतकों से आरसीबी ने केकेआर को रौंदा

एजेंसी ▸▸| कोलकाता

क्रुणाल पंड्या और जोस हेजलवुड की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद विराट कोहली (नाबाद 59) और फिल सॉल्ट (56) की आक्रामक बल्लेबाजी से रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 18वें सत्र के शुरूआती मुकाबले में गत चैम्पियन कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) पर 22 गेंद शेष रहते सात विकेट से जीत दर्ज की कप्तान अजिंक्य रहाणे की 31 गेंद में 56 रन की पारी के बावजूद केकेआर की टीम आठ विकेट पर 174 रन ही बना सकी। आरसीबी ने 16.2 ओवर में तीन विकेट के नुकसान पर आसानी से लक्ष्य हासिल कर लिया। कोहली ने 36 गेंद की नाबाद पारी में चार चौके और तीन छक्के लगाकर एक छोर संभाले रखा तो वहीं दूसरे छोर से उन्हें सॉल्ट और कप्तान रजत पाटीदार का अच्छा साथ मिला। सॉल्ट ने 31 गेंद की पारी में नौ चौके और दो छक्के जड़ने के अलावा कोहली के साथ पहले विकेट के लिए 8.3 ओवर में 95 रन की साझेदारी कर आसीबी को शानदार शुरुआत दिलायी। पाटीदार ने 16 गेंद में पांच चौके और एक छक्के की मदद से 34 रन बनाये जबकि लियाम लिविंगस्टोन ने पांच गेंद में दो चौके और एक छक्के की मदद से नाबाद 15 रन बनाये।

■ क्रुणाल पंड्या को 3 विकेट

रहाणे ने केकेआर की कप्तानी में शानदार शुरुआत करते हुए 25 गेंद में अर्धशतक पूरा किया। भारत के लिए अपना पिछला टी20 मैच 2016 में खेलने वाले 36 वर्षीय अनुभवी रहाणे को श्रेयस अय्यर की जगह केकेआर का कप्तान बनाया गया है। उन्होंने 31 गेंद की पारी में छह चौके और चार छक्के की मदद से 56 रनों की बेखौफ पारी खेली। सुनील नारायण ने 26 गेंद में 44 रन की पारी के साथ उनका शानदार साथ दिया। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 10 रन प्रति ओवर से अधिक की गति से 55 गेंद में 103 रन की साझेदारी कर बड़े स्कोर की नींव रखी। मैन ऑफ द मैच क्रुणाल ने हालांकि बीच के ओवरों में 29 रन पर तीन विकेट झटक कर केकेआर की रन गति पर अंकुश लगा दिया।

दलीप ट्रॉफी की पारंपरिक प्रारूप में वापसी

कोलकाता। भारतीय क्रिकेट बोर्ड की शीर्ष परिषद ने शनिवार को दलीप ट्रॉफी के लिए पारंपरिक अंतर-क्षेत्रीय प्रारूप को फिर से शुरू करने का फैसला किया जिसमें प्रथम श्रेणी स्तर के टूर्नामेंट में छह टीमों के बीच मुकाबला होगा। अजीत अगरकर की अगुवाई वाली राष्ट्रीय चयन समिति ने पिछले साल रणजी ट्रॉफी (38 टीम) में खिलाड़ियों के प्रदर्शन के आधार पर चार टीमों ए, बी, सी और डी का चयन किया था जिसने चैलेंजर ट्रॉफी प्रारूप में प्रतिस्पर्धा की थी। अब चार टीमों के प्रारूप की जगह उत्तर, दक्षिण, पूर्व, पश्चिम, मध्य और उत्तर-पूर्व क्षेत्र दलीप ट्रॉफी खिताब के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे। दलीप ट्रॉफी अंतर-क्षेत्रीय प्रथम श्रेणी प्रतियोगिता के तौर पर 1961-62 से 2014-15 तक खेला गया था। पूर्व कप्तान राहुल द्रविड़ ने 2015 में एनसीए के प्रमुख के रूप में पदभार संभाला, तो उन्होंने दलीप ट्रॉफी को चैलेंजर ट्रॉफी प्रारूप में आयोजित करने का सुझाव दिया, जहां राष्ट्रीय चयनकर्ता इंडिया ब्लू, रेड, ग्रीन टीमों का चयन करते थे। इस प्रारूप को 2019 सत्र तक जारी रखा गया था।

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में बदलाव पर फैसला जल्द

एजेंसी ▸▸| कोलकाता

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के चेयरमैन जय शाह ने शनिवार को पुष्टि की कि सौरव गांगुली की अगुवाई वाली क्रिकेट समिति अगले महीने 2025-27 चक्र के लिए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के प्रस्तावित पुनर्गठन पर अंतिम फैसला लेगी। इस 16 सदस्यीय क्रिकेट समिति का नेतृत्व पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली कर रहे हैं और इसमें पूर्व क्रिकेटर वीवीएस लक्ष्मण, डेनियल विटोरी, महेला जयवर्धने और शॉन पोलाक जैसे खिलाड़ी शामिल हैं।

आईपीएल के उद्घाटन के लिए यहां पहुंचे शाह ने कहा, 'कुछ प्रस्ताव आए हैं, लेकिन मुझे उनके बारे में पूरी जानकारी नहीं है। क्रिकेट समिति निर्णय लेगी।' आईसीसी कथित तौर पर दो पूर्ण चक्रों पर प्रतिक्रिया प्राप्त करने के बाद डब्लूटीसी अंक प्रणाली में महत्वपूर्ण बदलाव पर विचार कर रहा है। प्रस्तावों में बड़े अंतर से जीत और विदेशी सरजमीं पर जीत के लिए बोनस अंक प्रणाली शामिल है। आईसीसी बोर्ड अपनी अप्रैल की बैठक में इन संशोधनों पर विचार-विमर्श करेगा।

बीसीसीआई ने की अक्टूबर से शुरू होने वाली कार्यक्रम की घोषणा

भारत वेस्टइंडीज और द.अफ्रीका की करेगा मेजबानी

एजेंसी ▸▸| कोलकाता

भारत इस साल अक्टूबर में दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला के लिए 12 साल के अंतराल के बाद वेस्टइंडीज की मेजबानी करेगा, जबकि दक्षिण अफ्रीका की टीम नवंबर में सभी प्रारूपों के दौरे के लिए आएगी। बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने बताया कि भारत दो अक्टूबर से मोहाली में पहले टेस्ट में विंडीज से भिड़ेगा, जबकि दूसरा टेस्ट 10 अक्टूबर से कोलकाता के ईडन गार्डन्स में होगा। वेस्टइंडीज का भारत का पिछला टेस्ट दौरा 2013-14 में हुआ था, जो महान खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर का अंतिम अंतरराष्ट्रीय मैच था। कैरेबियाई टीम का भारत का पिछला दौरा 2022 में तीन वनडे और इतने ही टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिए हुआ था। वेस्टइंडीज श्रृंखला के बाद अफ्रीकी टीम दो टेस्ट, तीन एकदिवसीय और पांच टी20 मैचों की श्रृंखला के लिए भारत आएगी। टी20 श्रृंखला से दोनों टीमों को अगले वर्ष भारत में होने वाले टी-20 विश्व कप की तैयारी का मौका मिलेगा। शुक्ला ने यहां कहा, 'पहला टेस्ट दिल्ली में होगा, जबकि दूसरा टेस्ट गुवाहाटी में होगा।'

महिला वनडे विश्व कप की मेजबानी करेगा भारत

भारत इस साल सितंबर में आईसीसी महिला वनडे विश्व कप की मेजबानी करेगा। शुक्ला ने कहा, 'तारीखें अभी तय नहीं हुई हैं लेकिन विजाग में पहला मैच खेला जाएगा और अन्य स्थानों में गुवाहाटी, मुल्लांपुर (पंजाब), तिरुवनंतपुरम और इंदौर शामिल हैं। फाइनल के लिए स्थान अभी तय नहीं हुआ है।'

गुवाहाटी में होगा पहला टेस्ट

गुवाहाटी में पहला टेस्ट होगा, जो अक्सर सफेद गेंद के मैचों की मेजबानी करता है। यह शहर पिछले दो सत्रों से आईपीएल मैचों की मेजबानी भी कर रहा है। टेस्ट मैचों के बाद, पहला वनडे 30 नवंबर को रांची में होगा, जबकि रायपुर तीन दिसंबर को दूसरे वनडे की मेजबानी करेगा। अंतिम वनडे छह दिसंबर को विशाखापत्तनम में होगा। पहला टी20 मैच नौ दिसंबर को खेला जाएगा, इसके बाद 11, 14, 17 और 19 दिसंबर को मैच होंगे।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109

महाभारत के भीम की गदा के समान दुश्मन को चारों खाने चित करेगा 'तवास्य' युद्धपोत

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

क्षेत्रीय और वैश्विक सुरक्षा चुनौतियों के बीच रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने अपनी धर्मपत्नी नीता सेठ के साथ शनिवार को स्वदेशी रूप से गोवा शिपयार्ड लिमिटेड (जीएसएल) द्वारा निर्मित 1135.6 परियोजना के दूसरे जंगी स्टेल्थ फ्रिगेट 'तवास्य' को गोवा में लांच किया। इस दौरान आयोजित किए गए समारोह में नौसेना की पश्चिमी कमांड के प्रमुख (एफओसी-इन-सी) वाइस एडमिरल संजय.जे. सिंह और कई अन्य वरिष्ठ सरकारी अधिकारी मौजूद रहे। नौसेना ने एक बयान में बताया कि तवास्य युद्धपोत दरअसल 1135.6 परियोजना के दो युद्धपोतों के निर्माण से जुड़ा हुआ एक फॉलो ऑन जहाज है। 25 जनवरी 2019 में इनके निर्माण के लिए रक्षा मंत्रालय और जीएसएल के बीच एक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे। दोनों युद्धपोत दुश्मन पर सतह से, पानी के नीचे से और हवाई क्षेत्र से हमला करने में पूरी तरह से सक्षम हैं। यह देश की बढ़ती हुई रक्षा महत्वाकांक्षाओं की दिशा में लगाई गई एक बड़ी छलांग है।

रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने शनिवार को गोवा शिपयार्ड लिमिटेड में किया युद्धपोत को लांच

2024 में लांच हुआ पहला युद्धपोत

नौसेना ने कहा कि परियोजना से जुड़ा पहला त्रिपुट युद्धपोत पिछले साल 23 जुलाई 2024 को लांच किया गया था। त्रिपुट और तवास्य की कुल विस्थापन क्षमता 3 हजार 600 टन है। जबकि लंबाई 124.8 मीटर, चौड़ाई 15.2 मीटर और इसका ड्रॉट 4.5 मीटर का है। समुद्र में युद्धपोत की गति 28 नॉट्स यानी लगभग 56 किलोमीटर होगी। तवास्य स्टेल्थ फीचर्स के अलावा, उन्नत जंगी हथियार प्रणाली और आधुनिक प्लेटफार्म प्रबंधन से लैस है। परियोजना के तहत इसमें स्वदेशी उपकरण, हथियार और सेंसर लगाए जाएंगे। जिससे देश के अंदर रक्षा उत्पादन बढ़ेगा, रोजगार सृजन होगा और भारत की सामरिक क्षमता को मजबूती मिलेगी।

यूं मिली भीम की गदा की संज्ञा

भीम की गदा से प्रेरित होकर युद्धपोत का नाम तवास्य रखा गया है। जो नौसेना की मजबूत शक्ति और बढ़ती ताकत का प्रतीक है। जिससे आत्मनिर्भर भारत अभियान को मजबूती मिलेगी। रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि इस युद्धपोत का लांच होना भारतीय नौसेना के इतिहास का एक महत्वपूर्ण क्षण है। जो बल की तकनीकी क्षमता और आत्मनिर्भरता को लेकर अटूट प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है। जीएसएल द्वारा आठ महीने में लांच किए गए दो युद्धपोतों को लेकर रक्षा राज्य मंत्री ने शिपयार्ड की सराहना की। उन्होंने यह भी कहा कि युद्धपोत के निर्माण से ब्रह्मोस मिसाइल सिस्टम, टारपीडो लांचर, सोनार और सहायक नियंत्रक प्रणाली जैसे जटिल हथियारों व उपकरणों का सफल स्थानीयकरण भारत के जहाज निर्माण पारिस्थितिकी तंत्र के बढ़ते लचीलेपन को दर्शाता है।

आईओआर में बढ़ेगी मारक क्षमता

तवास्य नौसेना की आक्रामक और रक्षात्मक दोनों क्षमताओं को मजबूती प्रदान करेगा। इसकी मदद से हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) में बल की रणनीतिक ताकत में भी कई गुना का इजाफा देखने को मिलेगा। सेठ ने कहा, यह युद्धपोत उच्च क्षमताओं, अगली पीढ़ी की लड़ाकू प्रणालियों से लैस है, जिससे नौसेना की समुद्री परिचालन क्षमता बढ़ेगी। रक्षा निर्यात में जीएसएल की अग्रणी भूमिका है।

स्वागत से गदगद हुए पीएम लक्सन बोले

मेरी यात्रा के दौरान और मजबूत हुई भारत व न्यूजीलैंड साझेदारी

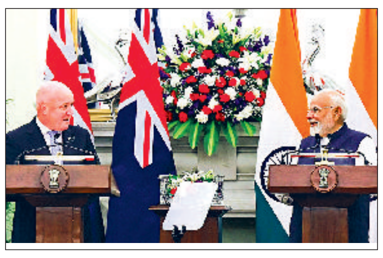

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

न्यूजीलैंड के पीएम क्रिस्टोफर लक्सन ने कहा है कि उनकी हाल ही में हुई भारत यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच साझेदारी और मजबूत हुई है। गौरतलब है कि लक्सन 16 से 20 मार्च तक भारत दौरे पर थे, जहां उन्होंने नई दिल्ली और मुंबई का दौरा किया।

भारत से लौटने के बाद लक्सन ने कहा कि भारत, जो दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला देश है, न्यूजीलैंड का एक अहम साझेदार बनता जा रहा है। इस सप्ताह मेरी यात्रा के दौरान हमारी साझेदारी और मजबूत हुई है। उन्होंने कहा कि यात्रा के दौरान भारत के पीएम नरेंद्र मोदी के साथ बातचीत की। हमने व्यापारिक संबंध मजबूत करने पर सहमति जताई और व्यापक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए वार्ता शुरू करने की घोषणा की। इस समझौते का उद्देश्य दोनों देशों के बीच आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देना है। लक्सन ने कहा कि भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के साथ यह समझौता न्यूजीलैंड के व्यापार को नई ऊंचाई देगा।

रक्षा समझौता भी किया

लक्सन ने कहा कि व्यापार के अलावा, दोनों देशों ने रक्षा सहयोग के लिए एक समझौते पर भी हस्ताक्षर किए। इसका मकसद समुद्री सुरक्षा और संचार मार्गों की रक्षा को मजबूत करना है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि समुद्री सुरक्षा को लेकर नियमित बातचीत जरूरी है। बता दें, लक्सन की यह यात्रा महत्वपूर्ण थी, क्योंकि यह 2016 के बाद किसी न्यूजीलैंड पीएम की भारत की पहली यात्रा थी। उनके साथ पर्यटन मंत्री लुईस अप्स्टन, जातीय समुदाय और खेल मंत्री मार्क मिशेल, व्यापार और निवेश मंत्री टॉड मैक्ले और एक उच्च-स्तरीय व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल भी शामिल था।

रविशंकर बोले- कठघरे में ऑक्सफोर्ड सूचकांक, खुशियां गरीबी से जुड़ी नहीं

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

हैप्पीनेस इंडेक्स में भारत की स्थिति पर हो रहा विवाद

विश्व खुशहाली सूचकांक 2025 की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। आध्यात्मिक गुरु और आर्ट ऑफ लिविंग के संस्थापक श्रीश्री रविशंकर ने इस संबंध में कहा कि सूचकांक में भारत को 118वें नंबर पर दिखाया गया है। जिन देशों या इलाकों में संघर्ष हो रहा है, वैसे कई क्षेत्र भारत से काफी आगे हैं। ऐसे में सूचकांक काफी हैरान करने वाला है। फिलहाल अमेरिका दौरे पर गए रविशंकर ने वाशिंगटन में कई सवालों के जवाब दिए। उन्होंने भारत के मानवीय मूल्यों, समाज में रहन-सहन और समस्याओं पर भी अपनी राय रखी।

सूची में सबसे खुशहाल देश फिनलैंड

टॉप 20 में फिनलैंड, डेनमार्क, आइसलैंड, स्वीडन, नीदरलैंड, कोस्टा रिका, नॉर्वे, इजराइल, लक्जमबर्ग, मेक्सिको ऑस्ट्रेलिया, न्यूज़ीलैंड, स्विटजरलैंड, बेल्जियम, आयरलैंड, लिथुआनिया, ऑस्ट्रिया, कनाडा, स्लोवेनिया, और चेक गणराज्य शामिल हैं। वहीं, हैप्पीनेस इंडेक्स में सबसे खराब रैंकिंग में सबसे नीचे अफगानिस्तान (नंबर 147), सिएरा लियोन (नंबर 146), लेबनान (नंबर 145), मलावी (नंबर 144) और जिम्बाब्वे (नंबर 143) खुशहाली के मामले में सबसे निचले पांच देशों में शामिल हैं।

भारत में एक दशक में उल्लेखनीय सुधार हुए

श्रीश्री रविशंकर ने कहा कि संघर्ष वाले क्षेत्रों में रह रहे लोगों के बीच अधिक जुड़ाव का तर्क दिया जा रहा है, लेकिन खुशहाली सूचकांक के लिए केवल जुड़ाव ही काफी नहीं है। रविशंकर के मुताबिक आज भारत की स्थिति काफी बेहतर है। बीते एक दशक में उल्लेखनीय सुधार हुए हैं।

भारत में मानवीय मूल्य बहुत ऊंचे

श्रीश्री रविशंकर ने कहा कि मैंने पूरी दुनिया की यात्रा की है और देखा है कि भारत में मानवीय मूल्य बहुत ऊंचे हैं। बात चाहे करुणा की हो, या जिस तरह से आप मेहमानों तक पहुंचना चाहते हैं, जिस तरह से लोग अपने संसाधनों को साझा करते हैं, सबकुछ अविश्वसनीय है।

पूरा गांव मदद करता है

उन्होंने कहा कि भारत में अगर आपके परिवार के साथ कुछ होता है, तो पूरा गांव उनकी मदद करने के लिए खड़ा हो जाएगा। देश में इस तरह का सामाजिक जुड़ाव बहुत ज्यादा है। बेशक, देश में समस्याएं भी हैं, लेकिन। पिछले एक दशक में बहुत सुधार हुआ है। वास्तव में खुशी या नाखुशी गरीबी से जुड़ी नहीं है।

भारत से ऊपर युद्धग्रस्त देश

गौरतलब है कि ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी की ओर से प्रकाशित वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट 2025 के अनुसार, खुशहाली सिर्फ आर्थिक विकास से तय नहीं होती, बल्कि इसमें लोगों का आपसी भरोसा और सामाजिक जुड़ाव भी बड़ी भूमिका निभाते हैं। भारत 147 देशों में 118वें स्थान पर रहा, जो 2020 में 139वें स्थान से एक महत्वपूर्ण उछाल है। पाकिस्तान का 109वां स्थान है। सूची में भारत को पाकिस्तान समेत युद्धग्रस्त यूक्रेन व फिलिस्तीन से भी ज्यादा अवसादग्रस्त व असंतुष्ट बताया गया है। इस सूचकांक ने एक बार फिर इस बहस को जन्म दिया है कि क्या इस तरह के वैश्विक सूचकांक वाकई तथ्यों पर आधारित होते हैं? चौंकाने वाली बात यह भी है कि सकल खुशहाली सूचकांक का विचार देने वाला भूटान, जिसकी 2024 की रिपोर्ट में 79वीं रैंकिंग थी, इस वर्ष कोई रैंकिंग नहीं पा सका।

दोनों देशों के बीच 13वीं एमसीजी की बैठक में चर्चा

भारत और इटली के बीच सैन्य तथा रणनीतिक सहयोग को मिलेगी मजबूती

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

रूस-यूक्रेन युद्ध के मध्य भारत और इटली के बीच सैन्य सहयोग समूह (एमसीजी) की 13वीं बैठक 20 से 21 मार्च तक रोम में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। जिसमें दोनों देशों के बीच बने हुए रक्षा संबंधों की व्यापक रूप से समीक्षा की गई। साथ ही उनकी प्रगति का आकलन किया गया और भविष्य की बातचीत को अनुकूलित बनाने के विभिन्न उपायों पर चर्चा की गई। रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि बैठक में द्विपक्षीय सैन्य केंद्रित सहयोग के दायरे का विस्तार करने के लिए नए रास्तों की तलाश के मुद्दे पर ध्यान केंद्रित किया गया। इसके अलावा बैठक के अन्य मुख्य एजेंडा बिंदुओं में उन्नत विनियम कार्यक्रम, क्षमता विकास प्रयास, इतालवी-भारत के सशस्त्र बलों के बीच सहयोग को मजबूत करना जैसे विषय शामिल किए गए।

एमसीजी का महत्व

मंत्रालय के मुताबिक, बैठक की सह-अध्यक्षता भारत के एकीकृत रक्षा स्टाफ मुख्यालय (आईडीएस) से उनके उप सहायक प्रमुख ने की। जबकि इटली की तरफ से बैठक में इतालवी रक्षा जनरल स्टाफ के सामरिक दिशा और सैन्य सहयोग प्रभाग के उप प्रमुख शामिल हुए। भारत और इटली सैन्य सहयोग समूह दोनों देशों के सशस्त्र बलों के बीच रक्षा सहयोग को बढ़ाने के लिए एक प्रमुख संस्थागत तंत्र के रूप में कार्य करता है। जिससे दोनों देशों के सैन्य जुड़ाव और रणनीतिक सहयोग को मजबूती मिलती है।